सूर्योदय 5:31 सूर्यास्त 7:25

आज का तापमान

शिमला	17.4 न्यू	21.3 अधि
धर्मशाला	19.8 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,709
निफ्टी	24,239

सोना 1,41,915 चांदी 2,18,967

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 21 जुलाई 2026 | 6 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 87, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन बना स्पेन

- फाइनल में मेसी की अर्जेंटीना को 1-0 से हराया
- फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में दागा गोल

एजेंसी, न्यू जर्सी

स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 जीत लिया। रविवार को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में स्पेन ने गत चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। निर्धारित समय तक स्कोर 0-0 से बराबर था। ऐसे में मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा, जहां स्पेनिश टीम ने जीत हासिल की। 106वें मिनट में सब्स्टीट्यूट प्लेयर फेरान टोरेस ने स्पेन के लिए गोल दागा। टोरेस को एक अन्य सब्स्टीटयूट खिलाड़ी निको विलियम्स ने पास दिया, जिसपर वो गोल करने में कामयाब रहे।

स्पेन ने दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप जीता है। इससे पहले 2010 में ये टीम चैंपियन बनी थी। वहीं अर्जेंटीना की टीम चौथी बार वर्ल्ड कप खिताब नहीं जीत सकी। अर्जेंटीना की टीम इटली और ब्राजील जैसा कारनामा नहीं कर पाई, जिसने बैक टू बैक टाइटल जीते थे। इटली ने 1934 और 1938 में खिताबी जीत हासिल की थी। जबकि ब्राजील की टीम ने 1958 और 1962 का संस्करण अपने नाम किया था। फाइनल में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी का जादू बिल्कुल भी नहीं चला।

पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया

सीजेपी बोली- निहत्थों को पीटा, संसद मार्च में भी लाठीचार्ज; कनॉट प्लेस में पुलिस ने पत्थर फेंके

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं।

प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर के बाद कनॉट प्लेस से भी खदेड़ दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया। उधर, सीजेपी ने पहले दावा किया था कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया, लेकिन बाद में पुलिस और सीजेपी दोनों ने इस बात से इनकार कर दिया। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के लाठीचार्ज और झड़प में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। मामला तब बढ़ गया, जब आंदोलनकारी सुबह 10 बजे बैरिकेड तोड़कर पार्लियामेंट की तरफ बढ़े। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारी संसद के करीब पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसे देखते हुए संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। देर शाम तक चले हंगामे के बीच प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच सीजेपी के प्रतिनिधि जेपी नड्डा से मिले। इनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर व उसके आसपास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी।

सोनम वांगचुक बोले- बर्बरता देखने के बाद अनशन जारी रखूंगा

सफदरजंग हॉस्पिटल से सोनम वांगचुक ने हाथ से लिखा संदेश भेजा है। इसे उनके एक्स हैंडल पर शेयर किया गया है। पोस्ट में लिखा है- 'मैं तब तक अनशन जारी रखूंगा, जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती, या फिर मुझे यहां अस्पताल में ही सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती। मुझे उम्मीद है कि सरकार शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी, उससे पहले नहीं। युवाओं ने उकसावे के बावजूद जिस तरह शांति बनाए रखी, उससे मैं बहुत प्रभावित और भावुक हूं। मैं सरकार और पुलिस से अपील करता हूं कि इस मुद्दे का समाधान सिर्फ इतना करके करें कि आज या कल छात्रों को संसद के सामने अपनी शिकायतें रखने की अनुमति दे दें। मुझे पूरा विश्वास है कि युवा प्रदर्शनकारी कल भी वही धैर्य और सहिष्णुता दिखाएंगे, जो उन्होंने आज दिखाई।

सीजेपी ने रखीं तीन मांगें जेपी नड्डा ने मांगा समय

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि आशुतोष रांका ने दावा किया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने उनकी मांगों पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने के लिए कुछ समय मांगा है। रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सीजेपी ने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली- सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा किया जाए। दूसरी- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। तीसरी- नीट की तैयारी कर रहे जिन अभ्यर्थियों ने आत्महत्या की, उनके परिजनों को 1-1 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए।

नड्डा से मिले सीजेपी के प्रतिनिधि बोले- ठोस आश्वासन नहीं मिला

सीजेपी के नेता सौरव दास ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। सौरव दास ने लिखा कि उन्होंने अपनी मांगें केंद्रीय मंत्री के सामने रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया है कि वह इस मुद्दे पर उचित स्तर पर चर्चा करेंगे। हालांकि, अब तक उनकी ओर से कोई ठोस वादा या प्रतिबद्धता नहीं की गई है। साथ ही सौरव दास ने मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की।

गोशालाओं में पशुओं की देखरेख के लिए 820 ई-रिक्शा देगी सरकार : सीएम सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार द्वारा गोशालाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रभावी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इसी कड़ी में राज्य की गोशालाओं को पशुधन की देखरेख के लिए 820 ई रिक्शा उपलब्ध करवाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को चंडीगढ़ में हाई पावर्ड परचेज कमेटी बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, राजस्व एवं आपदा मंत्री विपुल गोयल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना अनुसार एक हजार तक पशु रखने वाली गौशालाओं को एक तथा इससे अधिक गायों को रखने वाली गौशालाओं को दो ई-रिक्शा उपलब्ध करवाई जाएंगी।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भूस्खलन और फ्लैश बाढ़ से 7 लोगों की मौत

एजेंसी, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के बारिश से प्रभावित पुंछ जिले के लोरान गांव के ऊंचे इलाकों में सोमवार को ताजा भूस्खलन की चपेट में आने से एक घर में मौजूद सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की चपेट में आया घर मिट्टी का बना था। बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने बताया कि मरने वालों में चार महिलाएं भी हैं। यहां शनिवार शाम से ही पुंछ में जोरदार बारिश हो रही है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी सुप्रीम कोर्ट बोला- राजनीति मत कीजिए

एजेंसी, अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा एसआईटी बनाने का आदेश दिया है। सोमवार दोपहर 3:30 बजे सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- नए सिरे से एसआईटी बनाई जाए। सीनियर आईपीएस अधिकारी टीम की अगुआई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे। सीजेआई ने कहा- जांच निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के होनी चाहिए। हम केवल एक चेतावनी दे रहे हैं। कृपया राजनीति न करें, इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता को यूपी सरकार से एसआईटी के लिए नाम लेकर आने को कहा। अदालत अब 27 जुलाई को अगली सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट देवदत्त कामत और अन्य शामिल थे।

चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

विपक्ष के हंगामे से सत्र की शुरुआत फीकी, पहले दिन ठप रहा संसद का कामकाज

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, नीट एवं अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुद्दे समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। अंततः दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इसी बीच लोकसभा में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने संबंधी 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया गया। वहीं राज्यसभा में 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगान के समान सम्मान देने से संबंधित विधेयक राज्यसभा में पेश नहीं हो सका।

संसद परिसर के बाहर भी विभिन्न संगठनों के प्रदर्शन के चलते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और संसद भवन की ओर आने-जाने वाले मार्गों पर आवाजाही प्रभावित हुई। लोकसभा की कार्यवाही प्रारंभ होते ही अध्यक्ष ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी सहित छह पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर 3 बार थोड़े अंतराल के लिए स्थगित होने के बाद तीन बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। इसी दौरान केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी संशोधन विधेयक सदन में प्रस्तुत किया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने पूर्व सदस्यों बलबीर पुंज, स्वपन साधन बोस (टूटू बोस), रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा कतर के पूर्व अमीर को भी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज, नीट और अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए इन विषयों पर तत्काल चर्चा की मांग की।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही पहले 12 बजे, फिर 12:30 बजे, उसके बाद 12: 50, फिर दो बजे और फिर 2:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने कहा कि संसद संवाद व चर्चा का मंच है व पूरे दिन कोई विधायी कार्य नहीं हो सका। हालांकि हंगामा जारी रहने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दूसरी ओर राज्यसभा में मानसून सत्र के पहले दिन नौ नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ग्रहण की।

आदित्य मौत मामले को केंद्र के समक्ष उठाएंगे मुख्यमंत्री सुक्खू, परिवार को न्याय का भरोसा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हाल ही में जान गंवाने वाले हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के युवक आदित्य शर्मा के परिवार ने मामले में न्याय दिलाने की मांग की है। आदित्य शर्मा के पिता राजेश शर्मा ने सोमवार को शिमला में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मुलाकात कर उनसे इस मामले को केंद्र सरकार के सामने उठाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, हमीरपुर जिले के गलोड़ क्षेत्र के रहने वाले राजेश शर्मा ने मुख्यमंत्री को बताया कि आदित्य शर्मा की असामयिक मौत के मामले में अब तक केंद्र सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने और परिवार को न्याय दिलाने में सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शोकग्रस्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि वह आदित्य शर्मा की मौत का मामला केंद्र सरकार के समक्ष उठाएंगे, जिससे परिवार को न्याय मिल सके। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आदित्य शर्मा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की। इस दौरान आदित्य शर्मा की माता सुषमा शर्मा भी मौजूद रहीं।

आयोजन सीएम ने बाराबंकी में 542 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

विरासत सनातन धर्म की पहचान: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी जिले रविवार को 542.41 करोड़ की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री लोधेश्वर महादेवा धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि 'विरासत सनातन धर्म की पहचान है।' मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत की संस्कृति व सनातन परंपरा को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न कालखंडों में अनेक महापुरुषों ने अपना जीवन समर्पित किया। इसलिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राजा बलभद्र सिंह, लाखन पासी व महाराजा बिजली पासी ने विदेशी गुलामी के खिलाफ संघर्ष किया। महाराजा सुहेलदेव, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोबिंद सिंह ने भी राष्ट्र, धर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश इन महापुरुषों को इसलिए श्रद्धापूर्वक याद करता है। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता, संस्कृति और सनातन मूल्यों की रक्षा का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास और विरासत दोनों को समान महत्व दे रही है। श्री लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर, पारिजात वृक्ष का संरक्षण और हॉकी के जादूगर केडी सिंह बाबू की हवेली का संरक्षण इसी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को नई पहचान देने का कार्य कर रही है। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। जनसभा में मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी की पूर्व सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक समय हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की हवेली बिकने की स्थिति पैदा हो गई थी। यह प्रदेश के लिए अत्यंत पीड़ादायक क्षण था। भाजपा सरकार बनने के बाद निर्णय लिया गया कि हवेली को बिकने नहीं दिया जाएगा। सरकार ने उसका भुगतान कर उसे संरक्षित करने का कार्य किया और अब उनकी स्मृतियों को सहेजने की दिशा में काम हो रहा है।

- **कहा- महापुरुषों ने इसकी रक्षा के लिए दिया बलिदान**

सीएम रेखा गुप्ता ने 'परिवर्तन' योजना को दिल्ली में लागू करने को दी मंजूरी

- **पुराने व्यावसायिक वाहनों को बदलने पर आकर्षक प्रोत्साहन**

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की परिवर्तन (ट्रांसपोर्ट से होने वाले वायु प्रदूषण और नेटवर्क उत्सर्जन को कम करने के लिए वाहन संपत्तियों के तेजी से नवीनीकरण और प्रोत्साहन का कार्यक्रम 'परिवर्तन' (परिवहन वायु प्रदूषण एवं नेटवर्क उत्सर्जन में कमी के लिए वाहन परिसंपत्तियों के त्वरित नवीनीकरण और प्रोत्साहन कार्यक्रम) योजना को दिल्ली में लागू करने और उसका समर्थन करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।

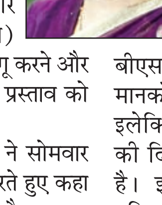

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह योजना पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-6, उससे भी कड़े प्रदूषण मानकों वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। यह स्वीकृति हाल ही में आयोजित दिल्ली सरकार की कैबिनेट की बैठक में दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना दिल्ली-एनसीआर में पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-VI, उससे भी कड़े उत्सर्जन मानकों का पालन करने वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राजधानी में स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और व्यावसायिक वाहनों के आधुनिकीकरण के साथ-साथ वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी।

शिमला

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल में भरे जाएंगे 7,500 पद

आशा वर्कर्स व पीजी कर रहे डॉक्टरों की सैलरी बढ़ी, कांस्टेबल भर्ती को आयु सीमा बढ़ाई

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में सोमवार को जनहित और रोजगार से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगी।

कैबिनेट ने प्रदेश में लगभग 7,500 पदों को नियमित अथवा आउटसोर्स आधार पर भरने की मंजूरी प्रदान की। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, कृषि, मत्स्य, न्यायिक व्यवस्था और ग्रामीण विकास से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। साथ ही आशा वर्करों और नंबरदारों के मानदेय में वृद्धि, पीजी कर रहे डॉक्टरों के स्टाइपेंड में बढ़ोतरी तथा पुलिस कांस्टेबल भर्ती में आयु सीमा में एक वर्ष की छूट देने जैसे फैसलों को भी मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने शिक्षा विभाग में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए 3,950 चौकीदार एवं मल्टी टास्क वर्कर के पद स्वीकृत किए। इसके अलावा 200 जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (लाइब्रेरी) के पद नियमित आधार पर राज्य चयन आयोग के माध्यम से भरे जाएंगे।

प्रदेश की विभिन्न पंचायतों में 400 मल्टी टास्क वर्कर तथा आयुर्वेद विभाग में 800 स्टाफ नर्सों की भर्ती को भी मंजूरी दी गई। आशा वर्करों का मासिक मानदेय 1,000 रुपए बढ़ाकर 6,800 रुपए तथा नंबरदारों का मानदेय 500 रुपए बढ़ाकर 5,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया। यह बढ़ी हुई दरें 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगी। वहीं मेडिकल कॉलेजों में पीजी कर रहे प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के डॉक्टरों का स्टाइपेंड क्रमशः 50 हजार, 60 हजार और 65 हजार रुपए निर्धारित किया गया। स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए चामियाना स्थित अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटी के नेफ्रोलॉजी विभाग में डायलिसिस टेक्नीशियन के पांच पद स्वीकृत किए गए। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज टांडा में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी विभाग के लिए दो सहायक प्रोफेसर नियुक्त किए जाएंगे। शिमला जिले के कोटली में नया स्वास्थ्य केंद्र तथा हमीरपुर के धनेटा में टीचिंग लेवल आयुर्वेद अस्पताल स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया। आईजीएमसी शिमला में बीएससी मेडिकल टेक्नोलॉजी (रेडिएशन/रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी) का नया पाठ्यक्रम शुरू होगा, जिसके लिए 30 सीटों को मंजूरी दी गई। शिक्षा सुधारों के तहत मुख्यमंत्री बाल पोषाहार योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है, जिसके अंतर्गत नर्सरी से आठवीं तक के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को मिड-डे मील के साथ सप्ताह में दो दिन उबला अंडा अथवा मौसमी फल उपलब्ध कराया जाएगा।

सेब खरीद के लिए मार्केट इंटरवेंशन स्कीम जारी रहेगी

मत्स्य विभाग में छह फिशरीज ऑफिसर और चार सब-इंस्पेक्टर (फिशरीज) के पद सृजित किए गए हैं। अग्निशमन विभाग में नए फायर स्टेशनों और कांगड़ा के बड़ोल में फायर पोस्ट के लिए विभिन्न पदों को स्वीकृति मिली है। योजना तथा आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में भी नए पद सृजित किए जाएंगे। प्रदेश में चार स्थायी लोक अदालतों के गठन को मंजूरी देते हुए उनके संचालन के लिए 16 अतिरिक्त पद स्वीकृत किए गए। कृषि एवं बागवानी क्षेत्र के लिए राहत देते हुए मार्केट इंटरवेंशन स्कीम को इस वर्ष भी जारी रखने का फैसला लिया गया, जिसके तहत सरकार सेब की खरीद करेगी। वहीं पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए आयु सीमा में एक वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया गया, जिससे 800 प्रस्तावित पदों की भर्ती में बड़ी संख्या में युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

कैडेटों ने निकाली एंटी-चिट्टा जागरूकता रैली

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल बिलासपुर में आयोजित हिमाचल प्रदेश नौ सैनिक एनसीसी इकाई के 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी-235) के छठे दिन कैडेटों ने नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया। दिन की शुरुआत शारीरिक व्यायाम सत्र से हुई, जिसके बाद कैडेटों ने एंटी-चिट्टा जागरूकता रैली निकाली। रैली को उपायुक्त कार्यालय बिलासपुर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर में संपन्न हुई। इसमें 60 एनसीसी नौसैनिक कैडेटों सहित 5 पीआई और एएनओ स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कैडेटों ने तख्तियां लेकर चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया। रैली के समापन पर कॉलेज चौक और परिसर में कैडेटों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को दर्शाया तथा नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

वकीलों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब में लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) नीति के विरोध में वकीलों का आंदोलन तेज हो गया है। पिछले करीब दो सप्ताह से अदालती कार्य का बहिष्कार कर रहे अधिवक्ताओं ने अब अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है। पंजाब की बार एसोसिएशंस की ज्वॉइंट एक्शन कमेटी के आह्वान पर पठानकोट सहित पूरे राज्य में यह आंदोलन शुरू किया गया है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन पठानकोट के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि एलएडीसी नीति के कारण निजी प्रैक्टिस करने वाले, विशेषकर युवा वकीलों के रोजगार पर गंभीर असर पड़ा है। उनका कहना है कि सीमित संख्या में नियुक्त सरकारी वकील आपराधिक मामलों की पैरवी कर रहे हैं, जिससे निजी अधिवक्ताओं के काम के अवसर कम हो रहे हैं। वकीलों ने यह भी सवाल उठाया कि एक ओर सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करती है, वहीं दूसरी ओर उन्हें सरकारी खर्च पर कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। उनका कहना है कि इससे आदतन अपराधियों को लाभ मिल सकता है। आंदोलन के तहत प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बार एसोसिएशन के पांच सदस्य क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। वकीलों के बहिष्कार के कारण अदालतों में नियमित कामकाज प्रभावित हो रहा है। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया है कि सरकार द्वारा नीति में संशोधन या वापसी का निर्णय लिए जाने तक आंदोलन जारी रहेगा।

ओपीएस बहाली को लेकर बनाई रणनीति

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। नई पेंशन स्कीम कर्मचारी महासंघ, जिला मंडी की बैठक जिला अध्यक्ष लेखराज की अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यकारिणी, सभी ब्लॉक अध्यक्षों, पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में राज्य कार्यकारिणी के निर्देशानुसार पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) से वंचित कर्मचारियों को लाभ दिलाने, ओपीएस को स्थायी कानूनी संरक्षण देने तथा जिला स्तर पर बैठकों के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि 10 अगस्त से पहले सभी ब्लॉकों में फिजिकल या ऑनलाइन बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके बाद जिला स्तरीय भव्य बैठक और पेंशन आभार समारोह आयोजित किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल से ओपीएस से वंचित कर्मचारियों, जिला परिषद और बिजली बोर्ड कर्मियों को भी पुरानी पेंशन का लाभ देने की उम्मीद जताई गई।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग ने वर्ष 2026-27 के दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। दिव्यांगजनों के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिए जाने वाले ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं। जिला कल्याण अधिकारी आवास पंडित ने बताया कि पुरस्कार योजना का उद्देश्य दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने वाले नियोक्ताओं, उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों, संस्थानों तथा दिव्यांगजनों के कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभागों एवं जिलों को सम्मानित करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से समाज में दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के प्रयासों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि पुरस्कारों के तहत सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्वायत्त निकायों, निजी क्षेत्र तथा गैर-सरकारी संगठनों के उत्कृष्ट नियोक्ताओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सरकारी, कॉर्पोरेट एवं निजी क्षेत्र में कार्यरत उत्कृष्ट दिव्यांग कर्मचारियों, दिव्यांगजनों के हित में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभागों एवं संस्थानों तथा इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जिले को भी राज्य स्तर पर सम्मान प्रदान किया जाएगा।

झंडूता में नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के तहत तहसील कल्याण अधिकारी कार्यालय झंडूता द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत दसलेहड़ा और नगर परिषद तलाई में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान जन चेतना कला मंच झंडूता के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से दर्शाया। कलाकारों ने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, महिला एवं युवक मंडलों सहित करीब 100 लोगों ने भाग लिया। तहसील कल्याण अधिकारी ने कहा कि नशे के खिलाफ जनभागीदारी इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा जिले में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नूरपुर पुलिस की अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, एक जेसीबी और 2 मल्टी-एक्सल ट्रक जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा अवैध खनन माफिया के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उप-पुलिस अधीक्षक ज्वाली, वीरी सिंह की अगुवाई में थाना फतेहपुर पुलिस टीम एवं क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) द्वारा गश्त के दौरान अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई की गई है।

बीती मध्यरात्रि गश्त के दौरान रे पतन के पास थाना फतेहपुर पुलिस एवं क्यूआरटी की संयुक्त टीम ने अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए निम्नलिखित वाहनों/मशीनरी को माइनिंग एक्ट के तहत पंजाब नम्बर की एक जेसीबी और दो मल्टी एक्सेल ट्रक कब्जे में लेकर जब्त किए हैं। एसपी नूरपुर इल्मा अफरोज ने बताया कि नूरपुर पुलिस अपने क्षेत्र में अवैध खनन तथा किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपनाते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हाईकोर्ट पहुंचा सुजानपुर नगर काउंसिल प्रधान चुनाव मामला

भारतेन्दु संवाददाता पठानकोट। सुजानपुर नगर काउंसिल के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर चुनाव प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

कांग्रेस भी इस मामले को लेकर पहले ही अदालत जाने की घोषणा कर चुकी है। भाजपा के पूर्व डिप्टी स्पीकर दिनेश सिंह बब्बू और जिला महासचिव राजकुमार गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि बिना कोरम पूरा किए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करवाया गया, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनाव को हर हाल में रद्द करवाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेगी। वहीं, निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम धारकलां का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया नियमों के अनुसार ही पूरी की गई। उन्होंने बताया कि सभी पार्षदों को निर्धारित समय से पहले बैठक का एजेंडा उपलब्ध करवा दिया गया था, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के पार्षद समय पर उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद मौजूद पार्षदों की उपस्थिति में चुनाव करवाया गया। गौरतलब है कि 17 जुलाई को हुए चुनाव में कांग्रेस, भाजपा और निर्दलीय पार्षदों की अनुपस्थिति के बीच आम आदमी पार्टी के चार पार्षदों ने भाग लिया। इसमें वार्ड नंबर-11 की पार्षद नीतू मन्हास को अध्यक्ष और वार्ड नंबर-14 के पार्षद सुरिंदर शर्मा निक्का को उपाध्यक्ष चुना गया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर काउंसिल में कुल 17 सदस्य हैं और नियमों के अनुसार कोरम पूरा करने के लिए पर्याप्त सदस्यों की मौजूदगी जरूरी थी, लेकिन केवल चार सदस्यों की उपस्थिति में चुनाव करवा दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बैठक का एजेंडा 48 घंटे पहले भेजा जाना चाहिए था, जबकि इसे केवल 24 घंटे पहले जारी किया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जालंधर दौरे के कारण विपक्षी पार्षद व्यस्त थे और इसका फायदा उठाकर चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि 140 साल पुरानी सुजानपुर नगर काउंसिल के इतिहास में ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं आई। वहीं, आम आदमी पार्टी ने चुनाव को नियमों के तहत बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि निर्वाचन अधिकारी ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए चुनाव करवाया। भाजपा ने चेतावनी दी है कि वह अदालत के साथ-साथ राजनीतिक स्तर पर भी इस फैसले का विरोध जारी रखेगी।

कल भरेड़ी में होगा 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम, प्रशासन ने तैयारियां कीं तेज

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। उपमंडल भोरंज के भरेड़ी में 22 जुलाई को आयोजित होने वाले 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र की 9 ग्राम पंचायतों की जनसमस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया जाएगा।

स्थानीय विधायक सुरेश कुमार की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम 22 जुलाई को प्रातः 10 बजे आरंभ होगा। कार्यक्रम की तैयारियों के तहत एसडीएम शशिपाल शर्मा, तहसीलदार डॉ. आशीष शर्मा, नायब तहसीलदार तथा ग्राम पंचायत पपलाह के प्रधान सुरेंद्र जरयाल ने भरेड़ी पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को समय रहते सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इससे पहले एसडीएम शशिपाल शर्मा ने मिनी सचिवालय भोरंज में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने कहा था कि 'सरकार गांव के द्वार' प्रदेश सरकार का एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक मौके पर ही पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लोगों की शिकायतों का निवारण किया जाएगा। साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ, आवश्यक प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज भी मौके पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

ऊना में जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 31 जुलाई से

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। ऊना में जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 31 जुलाई से 2 अगस्त तक राव बैडमिंटन अकादमी में किया जाएगा। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव अशोक ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एसोसिएशन की बैठक में आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए चैंपियनशिप के सफल आयोजन की रूपरेखा तय की गई। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी 28 जुलाई तक हरदीप सिंह की दुकान पर अपना प्रवेश शुल्क जमा करवा सकते हैं। उन्होंने जिले के सभी खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों से प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। अशोक ने बताया कि बैठक में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव भी दिए।

प्रदेश की आर्थिक स्थिति के लिए पूर्व भाजपा सरकार जिम्मेदार : विनय कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने राज्य की आर्थिक स्थिति को लेकर पूर्व भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मौजूदा आर्थिक चुनौतियों के लिए पिछली भाजपा सरकार जिम्मेदार है। उनका आरोप है कि कांग्रेस सरकार को सत्ता संभालने के समय भारी कर्ज और कर्मचारियों की बड़ी वित्तीय देनदारियां विरासत में मिली थीं। विनय कुमार ने सोमवार को शिमला में कहा कि प्रदेश पर 70 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है व कर्मचारियों की 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय देनदारियां भी पिछली सरकार के कार्यकाल की हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद मौजूदा राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियां निभा रही है और कर्मचारियों से जुड़े लंबित मामलों का चरणबद्ध तरीके से समाधान कर रही है।

सावन का पवित्र महीना श्रद्धा, सेवा, संयम जनकल्याण का संदेश देता है: मलेंद्र राजन

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। सावन माह के पावन अवसर पर विधायक मलेंद्र राजन ने क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने भगवान भोलेनाथ से प्रदेश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना करते हुए सभी के उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। विधायक ने कहा कि सावन का पवित्र महीना श्रद्धा, सेवा, संयम व जनकल्याण का संदेश देता है।

उन्होंने लोगों से समाज में भाईचारे, प्रेम और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक मलेंद्र राजन ने बस स्टैंड इंदौरा में युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित लंगर में शिरकत की और श्रद्धालुओं, यात्रियों व स्थानीय लोगों को प्रसाद वितरित किया। उन्होंने युवा कांग्रेस के सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सहयोग और सेवा की भावना को बढ़ावा देते हैं। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने युवाओं से राजीव गांधी स्टार्टअप योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत इलेक्ट्रिक टैक्सी, इलेक्ट्रिक बस खरीदने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए 50 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दविंदर मन्कोटिया, पंचायत प्रधान सुरेश कुमार, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विजेंद्र पठानिया सहित कई कार्यकर्ता, अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कांगड़ा जिला परिषद चुनाव में सीमा देवी अध्यक्ष और अभिमन्यु कंवर बने उपाध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला परिषद कांगड़ा के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए सोमवार को धर्मशाला स्थित जिला परिषद सभागार में चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। वार्ड-8 (कल्याड़ा) से निर्वाचित जिला परिषद सदस्य सीमा देवी को जिला परिषद कांगड़ा का अध्यक्ष तथा वार्ड-53 (शेखुपुरा) से निर्वाचित सदस्य अभिमन्यु कंवर को जिला परिषद का उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। जिला परिषद कांगड़ा में कुल 54 सदस्यों में से चुनाव प्रक्रिया में 39 सदस्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों के लिए एक-एक नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण दोनों प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। डीसी व जिला निर्वाचन अधिकारी हेमराज बैरवा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष सीमा देवी व उपाध्यक्ष अभिमन्यु कंवर को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उपायुक्त ने निर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित समस्त सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यालय ग्राम पंचायत खणी
विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा सूचना

आज दिनांक 15-07-2026 को ग्राम पंचायत खणी की बैठक प्रधान श्री देव राज जी की अध्यक्षता मे संपन्न हुई 7 जिसमें निम्न कार्यवाही अमल में लाई गई । उपस्थिति 7 / 7 रही । प्रस्ताव सं0-06 विषय :- ग्राम पंचायत खणी में वर्ष 2026-27 हेतु निविदाएँ आमंत्रित करने वारे :- आज की बैठक में अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि ग्राम पंचायत खणी हेतु वित वर्ष 2026-27 हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जानी है। जिस पर विचार विमर्श करने उपरांत निर्णय लिया गया कि ग्राम पंचायत हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जानी उचित है तथा निविदाएँ सील बंद लिफाफे में दिनांक 27-07-2026 तक 5:00 बजे तक पंचायत कार्यालय में पहुँच जानी चाहिए जोकि 30-07-2026 को 11:00 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जाएँगी। **सामग्री का विवरण :-** रेत, बजरी, सरिया, पत्थर, शटरिंग, JCB प्रति घंटा, सीमेंट ढलवान (बाली चौकी से खणी), इंटें, जन सूचना बोर्ड, PVC पाइप, ब्लैक पाइप, क्रैट वायर, डस्ट बिन, वाटर कूलर, टाइल, cgi शीट्स, सिटींग बेन्चेस, रंग पेंट, तार स्पैन, सामग्री ढलवान टिप्पर, ट्रेक्टर, जीप व अन्य वाहन द्वारा। **खच्चर ढलवान हेतु स्टेशन-** रोड से स्टेशन के नाम - छान्जनी, नागवाई, धवेहड़ गाँव, सराहन, सेरी, बनाला, केलधार, मालोरधार, बौन्छडी, माहुधार, भल्यारी, कुलाहर, चौल, कांडी, खणीगाँव, पंचायत घर, कशायल, चाहडी, गौन्छी, शौडीधार etc. **नियम व शर्तें:-** 1. निविदाकर्ता के पास अपना पंजीकरण, पैन संख्या, GST No. होना चाहिए । 2. निर्माण सामग्री कार्यस्थल तक / सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी । 3. दरें अंको व शब्दों में लिखी होनी चाहिए तथा दरों में टेक्स इनक्लुडीड होना चाहिए । 4. साइन बोर्ड गाईड लाइन के अनुसार बनाने होंगे तथा कार्यस्थल पर लगाने होंगे । 5. निविदाकर्ता यदि समय पर सामग्री की आपूर्ति नहीं करता है तो उसकी निविदा रद्द कर दी जाएगी । 6. धरोहर राशि मु0 50000/- रेत व बजरी हेतु तथा बाकि अन्य सामग्री हेतु 25000/-रु0 की FD ग्राम पंचायत के नाम जमा करवानी होगी । FD जमा न होने पर निविदा रद्द कर दी जाएगी । 7. पंचायत प्रधान के पास विना किसी कारण के निविदा रद्द करने का अधिकार होगा तथा न्यूनतम मूल्य और गुणवता के आधार पर निर्णय लिया जायेगा ।

प्रधान/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत खणी
विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी (हि.प्र.)

तकनीकी विवि ने एमबीए-एमसीए की 336 सीटें की आवंटित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने एमबीए व एमसीए में प्रवेश के लिए पहले चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग में 336 सीटें आवंटित की हैं। इनमें एमबीए की 174 और एमसीए की 162 सीटें शामिल हैं। एचपीसीईटी मेरिट के आधार पर सीटें आवंटित की गई हैं। चयनित अभ्यर्थियों को संबंधित शिक्षण संस्थानों में 22 जुलाई शाम पांच बजे तक रिपोर्ट करना होगा। अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि एमबीए और एमसीए की दूसरे चरण की काउंसलिंग में सीट आवंटन 24 जुलाई को होगा। वहीं, बीटेक और बी फार्मेसी (डायरेक्ट एंट्री) की दूसरे चरण की काउंसलिंग में 1926 सीटें आवंटित की गई हैं। इनमें बीटेक की 1231 और बी फार्मेसी की 695 सीटें शामिल हैं। अभ्यर्थियों को 21 जुलाई तक रिपोर्ट करना होगा। बी आर्क, बीटेक और बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री) के लिए आवेदन व फॉर्म संशोधन की अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई है।

संसद में अनुराग सिंह ठाकुर ने उठाया भगत अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का मुद्दा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने लोकसभा में अतारांकित प्रश्न के माध्यम से भगत अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सोलन से जुड़े मामले को प्रमुखता से उठाते हुए बैंक पर लगाए गए प्रतिबंधों, उसकी वित्तीय स्थिति तथा हजारों जमाकर्ताओं एवं शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों की विस्तृत जानकारी मांगी।

सरकार ने अपने उत्तर में बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के उद्देश्य से अक्तूबर 2025 में बैंक पर परिचालन संबंधी प्रतिबंध लगाए थे। इसके तहत प्रत्येक जमाकर्ता के लिए निकासी की सीमा 10,000 निर्धारित की गई थी। यह प्रतिबंध 8 अक्तूबर 2026 तक प्रभावी रहेंगे, जिनकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। सरकार ने अनुराग द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में बताया कि बैंक के 70,849 जमाकर्ता, 467.46 करोड़ की कुल जमा राशि तथा 10,590 शेयरधारक इन प्रतिबंधों से प्रभावित हैं। सरकार ने यह भी बताया कि बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जी ऐन पी ए) 116.19 करोड़ (52.45 प्रतिशत) हैं। साथ ही स्पष्ट किया गया कि बैंक के किसी वित्तीय रूप से मजबूत सहकारी बैंक में विलय का कोई प्रस्ताव भारतीय रिजर्व बैंक को प्राप्त नहीं हुआ है। संसद को यह भी अवगत कराया गया कि हिमाचल प्रदेश के सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार ने बैंक के संचालन में गंभीर अनियमितताओं एवं प्रशासनिक विफलताओं की पहचान की थी। इसके परिणामस्वरूप 19 जून 2026 को बैंक के निदेशक मंडल को निलंबित कर राज्य सरकार के तीन अधिकारियों को प्रशासक नियुक्त किया गया, जो वर्तमान में बैंक का संचालन कर रहे हैं। इस विषय को संसद में उठाकर अनुराग सिंह ठाकुर ने भगत अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित करने, जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने तथा बैंक के प्रति जनता के विश्वास को पुनः स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देश और प्रदेश के लोगों के समक्ष रखने का प्रयास किया।

सीपीआरआई ने उतारी आलू की दो नई किस्में

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय कृषि व आलू अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारत सरकार ने केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला द्वारा विकसित आलू की दो उन्नत किस्मों 'कुफरी अभेद्य' और 'कुफरी रूबी' को खेती के लिए अधिसूचित कर दिया है।

8 जुलाई, 2026 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के बाद इन किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीजों का उत्पादन, प्रमाणीकरण और बिक्री इनके अनुशंसित क्षेत्रों में की जा सकेगी। इससे देश में आलू उत्पादन, रोग प्रबंधन और किसानों के लिए बेहतर बाजार अवसर उपलब्ध होंगे। सीपीआरआई शिमला के निदेशक डॉ. ब्रजेश सिंह ने बताया कि यह उपलब्धि हिमाचल प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि आलू राज्य की प्रमुख नकदी फसलों में शामिल है और हजारों पर्वतीय किसानों की आजीविका इससे जुड़ी है। उन्होंने कहा कि दोनों किस्में जलवायु-अनुकूल, रोग-प्रतिरोधी और बाजार की मांग के अनुरूप विकसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि कुफरी अभेद्य को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर राज्यों के पर्वतीय क्षेत्रों, तमिलनाडु के नीलगिरि क्षेत्र तथा कर्नाटक और महाराष्ट्र के पठारी क्षेत्रों के लिए अनुशंसित किया गया है।

यह मध्यम अवधि (110-120 दिन) में तैयार होने वाली उच्च उत्पादकता वाली टेबल आलू किस्म है, जो खरीफ मौसम में 25-30 टन प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन देने में सक्षम है। सीपीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आलू प्रजनक डॉ. शैलेज सूद ने बताया कि कुफरी अभेद्य में लेट ब्लाइट और पोटेटो सिस्ट निमेटोड (पीसीएन) के प्रति उच्च स्तर का प्रतिरोध पाया जाता है। यह भारतीय पर्वतीय क्षेत्रों में इन दोनों प्रमुख जैविक कारकों के प्रति प्रतिरोधी पहली उच्च उत्पादक किस्म है। इससे रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम होगी और उत्पादन लागत में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि कुफरी रूबी को देश के मैदानी क्षेत्रों में बढ़ते बेबी पोटेटो बाजार की मांग को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

यह किस्म 90 दिनों में तैयार हो जाती है और 23-25 टन प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन देती है। इसके करीब 60 प्रतिशत कंद बेबी पोटेटो के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं, जिससे यह खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, होटल और ताजा बाजार के लिए उपयुक्त है। कुफरी रूबी को हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, असम, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र सहित प्रमुख आलू उत्पादक राज्यों के लिए अधिसूचित किया गया है। सीपीआरआई ने उम्मीद जताई है कि इन नई किस्मों से किसानों की उत्पादकता और आय में वृद्धि होगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत आम्बल (ठेहडू)
तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

विषय ग्राम पंचायत आम्बल के अन्तर्गत वर्ष 2026-2027 के विकास कार्यों को करने के सन्दर्भ में निविदाएं प्राप्त करने बारे। प्रधान ग्राम पंचायत के प्रस्ताव रखा और समस्त सदस्यों को इस बारे अवगत करवाया कि वर्ष 2026-2027 के अन्तर्गत विभिन्न विभिन्न मदों व मनरेगा बी.बी. राम जी. के विकास कार्यों को करवाने हेतू कोटेशने (निविदाएं) आमंत्रित की जानी आवश्यक हैं तथा कोटेशनर के पास जी0 एस0 टी नंबर होना अनिवार्य है। कोटशनें दिनांक 25-07-2026 को समय 3.00 बजे डाक द्वारा/अन्य किसी माध्यम से सीलबंद लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत आम्बल में पहुंच जानी चाहिए निविदाएं दिनांक 27-07-2026 को समय 11.00 बजे पंचायत कार्यालय में कमेटी द्वारा खोली जाएंगी। **साम्रगी सामग्री का विवरण निम्न लिखित है।** 1. रेत बजरी पत्थर क्रशर (एम फार्म सहित)-प्रति घनमीटर 2. ईंट पक्की ए.बी.सी ग्रेड-प्रति ईंट 3. ढुलाई सीमें सिविल सप्लाई फतेहपुर से ग्राम पंचायत स्थल तक लोडिंग व अनलोडिंग सहित-प्रति बैग, 4. शटरिंग लोहे व लकड़ी की - प्रति वर्ग मीटर 5. पीवीसी पाईप-प्रति पीस 6. पानी की टैंक-प्रति टैंक 7. मिक्चर मशीन-प्रति दिन 8. साईन बोर्ड लिखाई सहित-प्रति बोर्ड 9. बोर्ड लिखाई-प्रति बोर्ड 10. जेसीबी मशीन-प्रति घंटा अन्य वस्तुएं 11. विभिन्न प्रकार के पौधे-प्रति पौधे की दर से 12. बैंच सीमेंट प्रति बैंच की दर से यदि मैटिरियल के साथ एम फार्म जमा नहीं करवाया जाता है तो उस स्थिति में पंचायत द्वारा रॉयल्टी काट कर ही अदायगी की जाएगी 13. ईटरलॉक्स टाईल/पेवर टाईल-प्रति टाईल। **नोटः-** मैटीरियल की सप्लाई कार्य की प्रकृति को मद्देनजर रखते हुए प्राकलन के अनुसार/कनिष्ठ अभियंता द्वारा तैयार किए गए प्राकलन के अनुसार ही क्रशर/स्थानीय सामग्री क्रय की जाएगी निर्माण सामग्री बिल/लेबर की अदायगी टी.ए./जेई की मंजूरी/ मूल्यांकन के बाद ही होगी। कोटेशनर के पास जी.एस.टी. नंबर होना आवश्यक है। तथा साथ में जी.एस.टी. की प्रति संलग्न करें। निविदाएं निविदाकर्ता/कुटेशन देने वाले फर्म के व्यक्ति ग्राम पंचायत के नाम 50000/- रुपए का बैंक ड्राफ्ट/एफडीआर नं. निविदा के साथ जमा करवाना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर कुटेशन/निविदा रद्द कर दी जाएगी। फर्म उपरोक्त यदि कोई व्यक्ति/फर्म उपरोक्त शर्तों के अनुसार खरी उतरती है तो ही उसकी कुटेशन/निविदा मान्य होगी। पंचायत पदाधिकारियों/ कर्मचारियों के परिवार संबंधित निविदाएं मान्य नहीं होंगी । यदि सप्लायर द्वारा समय-समय पर बढ़ियार समाग्री विकास कार्यों हेतु नहीं दी जाती है तथा सामग्री की गुणवत्ता सही नहीं पाई जाती है तो ग्राम पंचायत के पास बेंडर को बिना सूचित किए निविदा रद्द करने का पूर्ण अधिकार होगा। दर समान होने पर अंतिम निर्णय कमेटी/ग्राम पंचायत का होगा। अतः ग्राम पंचायत सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करती है और कुटेशन (निविदा) सरकार व विभाग के मापदंडो (नियम व शर्त) अनुसार न्यूनतम दरों के आधार पर कुटेशन (सप्लायर) चयनित करने के संदर्भ में कुटेशन आमंत्रित करने व प्राप्त करने बारे लिखिती है।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत आम्बल (ठेहडू)
तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

न्यूज ब्रीफ

नगर निगम कर्मचारी बनकर घर में घुसे बदमाश बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर लूटे जेवर-नकदी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के रायपुर थाना क्षेत्र की गढ़वाली कॉलोनी में दो बदमाश नगर निगम कर्मचारी बनकर एक बुजुर्ग महिला के घर में घुस गए। आरोपियों ने महिला को बंधक बनाकर उसके हाथ-मुंह बांध दिए और मारपीट कर सोने के जेवर व नकदी लूट ली। बदमाशों ने घर में लगे कैमरे बंद कर मोबाइल भी छीन लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चलती बाइक पर गिरा विशाल पेड़ का टहना, दो युवक घायल

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कलियर-धनौरी मार्ग पर अचानक पेड़ की भारी टहनी गिरने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार माधोपुर निवासी अनस और सोनू बाइक से धनौरी की ओर जा रहे थे। दो सड़कों के पास पहुंचते ही विशालकाय पेड़ की टहनी टूटकर उनकी बाइक पर गिर गई। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया।

बागेश्वर में दर्दनाक हादसा, सरयू के तेज बहाव में बहा सात साल का राकेश

भारतेंदु संवाददाता, बागेश्वर। कपकोट क्षेत्र में सरयू नदी के तेज बहाव में सात वर्षीय बच्चा राकेश बह गया। घटना शिवालय मंदिर के पास उस समय हुई जब वह अपनी मां के साथ पूजा के लिए गया था। पानी भरने के दौरान अचानक पैर फिसलने से वह नदी में गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीमें तलाश में जुट गईं। विधायक सुरेश गढ़िया भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया।

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी वर्षा से जोखिम बढ़ गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की चेतावनी और चारधाम यात्रा मार्ग के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन को देखते हुए प्रशासन ने सोमवार को एहतियातन चारधाम यात्रा का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया । यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया। इस बीच मौसम एवं विज्ञान विभाग ने राज्य के कई जिलों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी कर लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

कुमाऊं विश्वविद्यालय में चार नए नि:शुल्क कौशल आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम होंगे शुरू

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं आतिथ्य सत्कार प्रबंधन विभाग द्वारा उत्तराखंड कौशल विकास सोसाइटी तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत चार नए अल्पकालिक कौशल आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शीघ्र प्रारम्भ किए जाएंगे। सभी पाठ्यक्रम नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप संचालित होंगे तथा प्रशिक्षण पूर्णतः नि:शुल्क होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने बताया कि प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में नेचर गाइड, एडवेंचर ट्रेवल गाइड (हाई एल्टीट्यूड), कैंपिंग एंड ट्रैकिंग गाइड तथा जूनियर इंस्ट्रक्टर (रोप एक्टिविटी) शामिल हैं।

गोमुख से गंगासागर की प्रज्ञा पदयात्रा का शांतिकुंज में स्वागत

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। गोमुख से गंगासागर तक की प्रज्ञा पदयात्रा सोमवार को गायत्री तीर्थ शांतिकुंज पहुंची। यहां डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने सात सदस्यीय पदयात्रा दल का अभिनंदन करते हुए अभियान की सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि नशामुक्त, संस्कारित एवं जागरूक भारत के निर्माण का जनआंदोलन है। देवसंस्कृति विवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यात्रा के दौरान प्रत्येक गांव, कस्बे और नगर में जनसंपर्क कर व्यसन मुक्ति, सामाजिक जागरूकता तथा मृत्यु उपरांत अंगदान जैसे मानवीय अभियानों से लोगों को जोड़ें।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा स्थगित

भारी बारिश और भूस्खलन के चलते उत्तराखंड में चारधाम यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित

- ◆ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराने के निर्देश
- ◆ हालात सामान्य होने पर फिर शुरू होगी यात्रा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और खराब मौसम के कारण चारधाम यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। मौसम विभाग की ओर से जारी रेड और ऑरेंज अलर्ट तथा यात्रा मार्गों पर लगातार हो रहे भूस्खलन को देखते हुए प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया है। अधिकारियों ने बताया कि जब तक मौसम सामान्य नहीं होता और यात्रा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाते तब तक यात्रा दोबारा शुरू नहीं की जाएगी।

राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश के कारण सड़क मार्ग प्रभावित हुए हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में मलबा गिरने और भूस्खलन की घटनाओं से यात्रियों की आवाजाही में खतरा बढ़ गया है। चारधाम यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की जान की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया जा सकता।

गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्गों पर मौजूद तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी यात्री को तब तक आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाए जब तक संबंधित मार्ग को पूरी तरह सुरक्षित घोषित न कर दिया जाए।

प्रशासन ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि मौसम और यात्रा मार्गों की स्थिति से जुड़ी सही जानकारी लगातार श्रद्धालुओं और आम जनता तक पहुंचाई जाए। इसके लिए संचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग करने को कहा गया है ताकि किसी भी तरह की अफवाह या भ्रम की स्थिति पैदा न हो।

चारधाम यात्रा पर आए श्रद्धालुओं से प्रशासन ने अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की स्थिति और प्रशासन के निर्देशों के अनुसार ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

उत्तराखंड में मानसून के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और सड़क बाधित होने की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

रामगढ़ महाविद्यालय के 13 छात्र देवभूमि उद्यमिता बूट कैंप के लिए रवाना

युवाओं में उद्यमिता की भावना बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया विशेष अभियान।

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। नैनीताल जनपद के राजकीय महाविद्यालय रामगढ़ के 13 छात्र-छात्राओं का चयन तीन दिवसीय देवभूमि उद्यमिता बूट कैंप के लिए हुआ है। चयनित छात्र-छात्राएं हल्द्वानी के गौलापार स्थित प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करने के लिए आज रवाना हुए।

महाविद्यालय प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यार्थियों का चयन गत माह आयोजित अभिन्यास कार्यक्रम की लिखित एवं मौखिक परीक्षा के आधार पर किया गया है। बूट कैंप में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं स्वरोजगार, स्टार्टअप और अपने उत्पादों के प्रस्तुतीकरण से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसके उपरांत अगले चरण के लिए प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।

शिविर में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से चयनित छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। रामगढ़ महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. हरीश चंद्र जोशी बूट कैंप में टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। चयनित प्रतिभागियों में सचिन (ग्रुप लीडर), माही, गरिमा, निशा, ममता, महेंद्र, प्रकाश, मयंक, ललिता, कुमकुम, दीपशिखा, तनुजा और रोशनी शामिल हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. नगेंद्र द्विवेदी, जिला नोडल अधिकारी भूपेंद्र मेहरा, डॉ. निर्मला रावत, डॉ. नीमा पंत, डॉ. हरेश राम, कविंद्र प्रसाद, सुश्री दीप्ति, कुंदन, गणेश, कमलेश तथा प्रेम भारती ने सभी चयनित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की।

मसूरी में बारिश से जनजीवन प्रभावित, पर्यटकों की बढ़ी मुश्किलें

मसूरी-देहरादून मार्ग पर भूस्खलन का खतरा बरकरार, कोल्हूखेत के पास सड़क धंसने से बढ़ी चिंता

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के मसूरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भारी बारिश के चलते मसूरी-देहरादून मार्ग पर कोल्हूखेत पानीवाला बैंड के पास सड़क का एक हिस्सा धंस गया है। सड़क पर बड़ी-बड़ी दरारें दिखाई देने लगी हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। हालांकि फिलहाल मार्ग पर यातायात जारी है लेकिन वाहन चालकों को बेहद सावधानी बरतनी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कई दिनों से लगातार बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में जमीन खिसकने और छोटे भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही हैं। सड़क धंसने से क्षेत्र के लोगों और रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की चिंता बढ़ गई है। लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द स्थायी मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की है ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

लगातार बारिश का असर मसूरी के जनजीवन पर भी पड़ रहा है। बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ दिखाई दे रही है। पर्यटकों को भी मौसम खराब होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहाड़ी इलाकों में तापमान गिरने से ठंड का एहसास भी बढ़ गया है। कई स्थानों पर छोटे-छोटे भूस्खलन के कारण लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कोल्हूखेत के पास सड़क पर आई दरारों पर नजर रखी जा रही है। स्थिति का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर तत्काल कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन ने लोगों से बारिश के दौरान सतर्क रहने और संवेदनशील क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

बीकेटीसी मामले में सच्चाई सामने लाने के लिए जरूरी है जांच: गणेश गोदियाल

गोदियाल ने प्रेसवार्ता कर बीकेटीसी मामले में उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बदरी-केदार मंदिर समिति बीकेटीसी से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने पूरे प्रकरण की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराने की मांग की।

गोदियाल ने आरोप लगाया कि मामले में बीकेटीसी अध्यक्ष को बचाने का प्रयास किया जा रहा है और जांच से जुड़े साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ भी कोई आरोप हैं तो उनकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से इस मामले में पारदर्शिता बरतने और जनता के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सहकारिता विभाग से जुड़े मामलों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने सहकारी बैंक भर्ती सहित अन्य प्रकरणों में उचित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से जुड़े किसी भी मामले में निष्पक्ष जांच आवश्यक है ताकि सच्चाई सामने आ सके। गोदियाल ने कहा कि वह किसी भी सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं और जांच प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने सरकार और बीकेटीसी अध्यक्ष से लगाए गए आरोपों पर जवाब देने की भी मांग की। बीकेटीसी मामले को लेकर प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

फूलगढ़ नाबालिग दुष्कर्म प्रकरण मामले के तीनों आरोपी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। पथरी थाना क्षेत्र के फूलगढ़ नाबालिग दुष्कर्म प्रकरण में पुलिस ने जांच के दौरान नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर पथरी के जंगल तक ले जाने वाले तीन आरोपितों को पकड़ लिया है। इनमें दो किशोर शामिल हैं, जिन्हें नियमानुसार संरक्षण में लिया गया है, जबकि एक वयस्क आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोमवार को एसएसपी कार्यालय द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, 12 जुलाई की रात फूलगढ़ स्थित जंगल के पास एक युवक के साथ मारपीट और नाबालिग लड़की से दुष्कर्म की घटना हुई थी। इस मामले में पुलिस पहले ही घटना में शामिल छह आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी थी। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस टीम ने 18 जुलाई को उन तीन लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया, जिन्होंने कथित रूप से पीड़िता को बहला-फुसलाकर जंगल तक पहुंचाने में भूमिका निभाई थी।

वन भूमि हस्तांतरण के लंबित मामलों को जल्द निपटाएं अधिकारी: सतपाल महाराज

उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक का दृश्य।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में वन भूमि हस्तांतरण के कारण लंबित सड़क परियोजनाओं को गति देने के लिए लोक निर्माण विभाग ने सख्त कदम उठाए हैं। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वन भूमि से जुड़े सभी मामलों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाए ताकि सड़क निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर किया जा सके।

सोमवार को यमुना कॉलोनी स्थित लोक निर्माण विभाग के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने लोक निर्माण विभाग और वन विभाग के अधिकारियों के साथ लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कई सड़कों को सैद्धांतिक स्वीकृति मिलने के बाद भी वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने से काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की आवश्यकता है।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुल 1141 सड़क प्रकरण वन भूमि हस्तांतरण के कारण लंबित हैं। इनमें विधिवत स्वीकृति प्राप्त 312 मामले, सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त 327 मामले और सैद्धांतिक स्वीकृति की प्रतीक्षा में 347 मामले शामिल हैं। इसके अलावा कई सड़क प्रस्ताव अपलोड प्रक्रिया में लंबित हैं। मंत्री ने अधिकारियों को वन विभाग के साथ बेहतर समन्वय बनाकर सभी मामलों का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कें राज्य के विकास की आधारभूत जरूरत हैं और इनके निर्माण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

सीजेपी प्रदर्शन मामले में राष्ट्रहित सर्वोपरि संगठन ने उठाई जांच की मांग

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। राष्ट्रहित सर्वोपरि संगठन ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर लंबे समय से चल रहे सीजेपी प्रदर्शन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर इसकी समीक्षा और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सोहन गिरी ने पत्र में कहा है कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और संगठन को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है लेकिन इस अधिकार का उपयोग कानून व्यवस्था सार्वजनिक हित और अन्य नागरिकों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।

संगठन ने कहा कि जंतर-मंतर देशभर के नागरिकों और सामाजिक संगठनों के लिए निर्धारित सार्वजनिक प्रदर्शन स्थल है। किसी एक संगठन द्वारा लंबे समय तक इस स्थान के उपयोग से अन्य लोगों को अपनी मांगों और विचारों को रखने का समान अवसर प्रभावित हो सकता है। इसलिए ऐसे सार्वजनिक स्थलों के उपयोग में सभी के लिए समान अवसर और निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

धाम में बिना सत्यापन रह रहे बाबाओं पर एक्शन

केदारनाथ धाम में ऑपरेशन कालनेमि के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की पवित्रता सुरक्षा और सुव्यवस्थित यात्रा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया। ऑपरेशन कालनेमि के तहत चलाए गए इस अभियान में यात्रा मजिस्ट्रेट सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस चौकी केदारनाथ की टीम शामिल रही। अभियान के दौरान धाम क्षेत्र में रह रहे साधु संतों और बाबाओं की पहचान से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही उनके पुलिस सत्यापन की भी पड़ताल की गई।

जांच के दौरान कुछ ऐसे लोग पाए गए जो बिना पुलिस सत्यापन के धाम क्षेत्र में रह रहे थे। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सात लोगों के उत्तराखंड पुलिस एक्ट के तहत चालान किए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि केदारनाथ यात्रा की सुरक्षा और धाम की धार्मिक मर्यादा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी इस तरह के जांच और सत्यापन अभियान लगातार जारी रहेंगे। प्रशासन का उद्देश्य धाम क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाना और यात्रियों को सुरक्षित व बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है।

हरिद्वार पहुंचे राकेश टिकैत, वन गुर्जरों के हकों की महापंचायत में हुए शामिल

◆ राकेश टिकैत ने उठाई वन गुर्जरों के अधिकारों की मांग

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत सोमवार को हरिद्वार पहुंचे, जहां उन्होंने श्यामपुर कांगड़ी में आयोजित वन गुर्जरों के अधिकारों को लेकर हुई महापंचायत में भाग लिया। उनके पहुंचने पर बहादराबाद टोल प्लाजा के पास बड़ी संख्या में किसानों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान किसानों और समर्थकों ने उनका अभिनंदन किया।

महापंचायत में राकेश टिकैत ने वन गुर्जरों के अधिकारों और उनकी समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि लोगों के हकों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। उन्होंने प्रशासन से भी वन गुर्जर समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक कदम उठाने की अपील की।

टिकैत ने आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर भी प्रशासन और श्रद्धालुओं से अपील की। उन्होंने कहा कि हरिद्वार देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है और यहां आने वाले शिवभक्तों के साथ किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार या धक्का-मुक्की नहीं होनी चाहिए। प्रशासन को श्रद्धालुओं के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिए ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

उन्होंने कांवड़ यात्रियों से भी अपील की कि वे यात्रा के दौरान संयम और अनुशासन बनाए रखें। टिकैत ने कहा कि अत्यधिक वजन वाली कांवड़ लेकर चलने से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सुरक्षित और सहज तरीके से यात्रा पूरी करनी चाहिए।

प्रेमचंद अग्रवाल ने सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी का किया आह्वान

लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र व्यक्ति का मतदाता बनना जरूरी: अग्रवाल

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने कैंप कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यों को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से बीएलए-2 के माध्यम से नए मतदाताओं के पंजीकरण अभियान को मजबूत करने पर जोर दिया।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि मतदान हर नागरिक का महत्वपूर्ण अधिकार है और मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रत्येक पात्र व्यक्ति का मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रह जाए।

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर सक्रियता सबसे महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही उन्होंने हरेला पर्व सहित आगामी सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

नीट में 655 अंक के साथ अनुराग ने बढ़ाया स्कूल और क्षेत्र का गौरव

भारतेंदु संवाददाता, कर्णप्रयाग। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग के पूर्व छात्र अनुराग पुरोहित ने नीट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। अनुराग ने नीट परीक्षा में 720 में से 655 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 1202 और 99.9397468 पर्सेंटाइल हासिल किया है। अनुराग ने यह सफलता अपने चौथे प्रयास में प्राप्त की। इससे पहले भी उन्होंने नीट में सफलता हासिल कर दून मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। हालांकि उनका लक्ष्य अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना था और अब उनकी बेहतर रैंक से वहां प्रवेश का मार्ग भी आसान हो गया है। अनुराग ने वर्ष 2022 में श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग से 12वीं की परीक्षा 93.60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी और विद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। उन्होंने नीट की तैयारी घर पर रहकर की। अनुराग एक सामान्य परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता अशोक पुरोहित का कुछ वर्ष पहले निधन हो गया था। इसके बाद उनकी माता गीता देवी ने सब्जी की दुकान चलाकर परिवार की जिम्मेदारी संभाली और बेटे को सफलता के मुकाम तक पहुंचाया।

भारत-अमेरिका की मजबूत व्यापारिक साझेदारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया आयाम

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों में लगातार विस्तार देखने को मिल रहा है। बदलती वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों देश अपने आपसी सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और अमेरिका के बीच बेहतर व्यापारिक साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए लाभकारी है बल्कि वैश्विक बाजार के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने के साथ ही निवेश के लिए बेहतर माहौल तैयार किया है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करने के प्रयासों के कारण भारत कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आकर्षक बाजार बनकर उभरा है। वहीं अमेरिका भारत को एक भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार के रूप में देख रहा है और दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के नए अवसर तलाशे जा रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों को लेकर चल रही बातचीत से कई क्षेत्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से तकनीक, ऊर्जा, रक्षा उपकरण, डिजिटल सेवाएं, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

-श्री राजेश अग्रवाल (वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव)

आपदा मानसून की मार से उत्तराखंड बेहाल, मलबा गिरने और हादसों में कई लोग प्रभावित

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, यमुनोत्री हाईवे अभी भी बंद

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पिछले 24 घंटों में प्राकृतिक आपदाओं और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मलबा, बोल्डर गिरने और जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-134) पालीगाड़ के पास मलबा आने के कारण अब भी बंद है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की सोमवार को जारी 24 घंटे की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, पिथौरागढ़ जिले की धारचूला तहसील के पोषिला गांव में जंगल में बकरियां चरा रहे 52 वर्षीय दीवान सिंह की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।

नैनीताल जिले के हल्द्वानी ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

टिहरी जिले के प्रतापनगर-लंबगांव मोटर मार्ग पर एक कार करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में चालक 38 वर्षीय होशियार सिंह पंवार, निवासी खोलगढ़, गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पीजीआई कैंटीन में महंगा भोजन मरीजों की जेब पर बढ़ा बोझ

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।

पीजीआई की न्यू ओपीडी स्थित कैंटीन में मरीजों और उनके तीमारदारों से खाद्य पदार्थों के लिए निर्धारित दरों से अधिक कीमत वसूले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कैंटीन संचालक टेंडर की शर्तों का उल्लंघन करते हुए कई खाद्य पदार्थ निर्धारित कीमत से महंगे बेच रहा है। वहीं, टेंडर में शामिल कई आवश्यक खाद्य सामग्री कैंटीन में उपलब्ध ही नहीं कराई जा रही, जिससे अस्पताल आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, कैंटीन में सैंडविच, डोसा, पराठा और थाली समेत कई खाद्य पदार्थ निर्धारित दरों से अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं। टेंडर के अनुसार सांभर-वड़ा और इडली की कीमत 40 रुपये तय है, लेकिन उनकी जगह डोसा 80 रुपये में बेचा जा रहा है। इसी तरह थाली की निर्धारित कीमत 60 रुपये होने के बावजूद मरीजों और तीमारदारों से 80 रुपये वसूले जा रहे हैं।

इतना ही नहीं, टेंडर सूची में शामिल समोसा, पैटी, ब्रेड पकोड़ा, बेसन बर्फी, गुलाब जामुन, चना-कुलचा, मट्ठी, दूध, बर्गर और हॉट डॉग जैसे कई खाद्य पदार्थ कैंटीन में उपलब्ध नहीं हैं। बताया जा रहा है कि इन वस्तुओं पर कम लाभ होने के कारण संचालक इन्हें बेचने से बच रहा है। इससे स्पष्ट है कि कैंटीन संचालन में टेंडर की शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा।

पीजीआई की न्यू ओपीडी में प्रतिदिन हजारों मरीज और उनके परिजन इलाज के लिए पहुंचते हैं। कई मरीजों को जांच से पहले लंबे समय तक भूखे रहना पड़ता है और जांच पूरी होने के बाद वे कैंटीन पर ही निर्भर रहते हैं। ऐसे में अधिक कीमत वसूले जाने से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों और उनके परिजनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

क्यूआर कोड से खुला स्मार्ट सिटी घोटाले का राज

सीबीआई चार्जशीट में रिश्वत, फर्जी एफडी और क्यूआर कोड से उजागर हुए 116 करोड़ घोटाले के अहम सबूत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड में 116 करोड़ रुपये के बहुचर्चित वित्तीय घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। सीबीआई ने इस मामले में स्मार्ट सिटी लिमिटेड की तत्कालीन मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नलिनी मलिक समेत सात आरोपितों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच एजेंसी के अनुसार सरकारी धन के गबन में बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों की मिलीभगत सामने आई है। चार्जशीट में दावा किया गया है कि इस पूरे मामले में रिश्वत की रकम पहुंचाने और उसकी पुष्टि करने में एक साधारण क्यूआर कोड महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हुआ।

सीबीआई के अनुसार स्मार्ट सिटी लिमिटेड के करोड़ों रुपये आईडीएफसी बैंक की सेक्टर-32 शाखा में सावधि जमा (एफडी) के रूप में जमा थे। आरोप है कि बैंक अधिकारियों और कुछ अन्य लोगों ने मिलकर जाली दस्तावेज तैयार किए और 116 करोड़ रुपये फर्जी कंपनियों के खातों में स्थानांतरित कर दिए। बाद में इस रकम का इस्तेमाल विभिन्न निवेशों में किया गया और कथित रूप से इसमें शामिल लोगों के बीच धन का बंटवारा किया गया।

जांच के दौरान सीबीआई को ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि तत्कालीन बैंक प्रबंधक रिभव ऋषि ने कथित रूप से नलिनी मलिक तक 50 लाख रुपये नकद पहुंचवाए थे। यह रकम सेक्टर-35 स्थित एक ज्वेलरी कारोबारी से ली गई और उसके बाद कर्मचारियों के माध्यम से मोहाली के सेक्टर-104 स्थित नलिनी मलिक के फ्लैट तक पहुंचाई गई।

चार्जशीट के अनुसार इस रकम को पहुंचाने के लिए अमृतपाल सिंह नामक व्यक्ति को भेजा गया था। सोसायटी में प्रवेश के लिए आवश्यक क्यूआर कोड नलिनी मलिक की ओर से पहले राहुल नामक युवक को भेजा गया था, जो पहले भी उनके फ्लैट पर जा चुका था। बाद में राहुल ने वही क्यूआर कोड अमृतपाल सिंह को भेज दिया। सीबीआई के अनुसार 8 दिसंबर 2025 को शाम 4:41 बजे इसी

क्यूआर कोड के जरिए अमृतपाल ने सोसायटी में प्रवेश किया और फ्लैट तक पहुंचा। अपने बयान में अमृतपाल ने स्वीकार किया कि उसने 50 लाख रुपये नलिनी मलिक को सौंपे थे और उनके सामने ही नकदी की गिनती भी हुई थी।

सीबीआई ने इस मामले में राहुल और अमृतपाल सिंह के बयान दर्ज किए हैं। दोनों के बयानों के अलावा फोन कॉल, व्हाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। एजेंसी का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पूरे घटनाक्रम की पुष्टि करते हैं और रिश्वत की कथित लेन-देन की कड़ी को मजबूत बनाते हैं।

जांच में यह भी सामने आया है कि 31 मई 2024 से 8 दिसंबर 2025 के बीच नलिनी मलिक और तत्कालीन बैंक प्रबंधक रिभव ऋषि के बीच 55 बार फोन पर बातचीत हुई। सीबीआई ने दोनों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स (सीडीआर) और अन्य संचार रिकॉर्ड अपने कब्जे में लिए हैं। जांच एजेंसी का दावा है कि इन संपर्कों से यह संकेत मिलता है कि दोनों के बीच लगातार संवाद बना हुआ था।

चार्जशीट में यह भी उल्लेख किया गया है कि स्मार्ट सिटी लिमिटेड के बैंक खातों से जुड़े मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी नलिनी मलिक के नियंत्रण में थे।

न्यूज ब्रीफ

ट्राईसिटी में मानसून सक्रिय, ऑरेंज अलर्ट जारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। ट्राईसिटी में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार इस दौरान मध्यम से भारी वर्षा, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। अगले तीन दिनों तक रुक-रुक कर तेज बारिश होने का अनुमान है। लगातार बारिश के कारण अधिकतम तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने निचले इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की आशंका जताते हुए लोगों से सतर्क रहने तथा खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

मोहाली के नए क्षेत्रों में होगी मशीनी सड़क सफाई

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। नगर निगम में शामिल नए क्षेत्रों की सड़कों की अब मशीनी सफाई की जाएगी। नगर निगम की आम सभा बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। पहले यह सुविधा केवल पुराने शहर तक सीमित थी। मेयर सरबजीत सिंह समाना ने कहा कि नए इलाकों को भी बेहतर नागरिक सुविधाएं देने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। वहीं, विपक्ष ने गमाडा से विकास कोष नहीं मिलने पर चिंता जताई है। पार्षद नरपिंदर सिंह रंगी ने कहा कि विकास कार्यों से पहले गमाडा की वित्तीय हिस्सेदारी निगम को मिलनी चाहिए। उन्होंने धन की व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए।

एफसीआई भ्रष्टाचार मामले में 17 दोषी करार

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। सीबीआई की विशेष अदालत ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) में भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों में 17 आरोपियों को दोषी ठहराया है। मामला वर्ष 2004-05 के खरीद सीजन में घटिया गुणवत्ता वाले चावल स्वीकार करने से जुड़ा है। दोषियों में एफसीआई के नौ तत्कालीन अधिकारी और आठ निजी व्यक्ति शामिल हैं। अदालत ने आरोपियों को छह महीने से तीन वर्ष तक की कारावास और 10 हजार से 20 हजार रुपये तक के जुर्माने की सजा सुनाई। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि अधिकारियों ने राइस मिल संचालकों के साथ मिलीभगत कर मानकों से कम गुणवत्ता वाला चावल स्वीकार किया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। चार आरोपियों को अदालत ने बरी कर दिया।

जीरकपुर हाईवे पर बस हादसा, तीन घायल

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। चंडीगढ़ से हल्द्वानी जा रही सीटीयू की डीलक्स बस स्टीयरिंग लॉक होने के कारण हादसे का शिकार हो गई। बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन आगे चल रहे कैंटर से जा टकराया। हादसे में चालक सहित तीन लोग घायल हुए, जबकि एक लड़की बस की खिड़की से सड़क पर गिर गई। घायलों को जीएमसीएच-32 अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर जाम लग गया, जिसे पुलिस और सड़क सुरक्षा फोर्स ने वाहनों को हटाकर खुलवाया। यात्रियों को दूसरी बस से रवाना किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जर्जर सड़क सुधारने में जुटे स्थानीय लोग

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। नगर काउंसिल की लापरवाही से परेशान पभात रोड के निवासियों ने खुद सड़क की मरम्मत शुरू कर दी। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण लगातार हादसों का खतरा बना हुआ था। निवासी राजीव कक्कड़ ने बताया कि सड़क सुधार के लिए कई बार नगर काउंसिल से मांग की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने सुरक्षा को देखते हुए स्वयं मरम्मत का फैसला लिया। उन्होंने पूर्व विधायक एनके शर्मा और पार्षद भूपिंदर कौर के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। निवासियों ने प्रशासन से सड़क की स्थायी मरम्मत और बेहतर रखरखाव की मांग की है।

मोहाली उद्योगों में रात की बिजली कटौती से उत्पादन प्रभावित, उद्योगपतियों ने जताई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली।

औद्योगिक क्षेत्रों में रात के समय लगातार हो रही बिजली कटौती से उद्योगपतियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने बिजली विभाग से समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है। उद्योगपतियों के अनुसार, रोजाना रात करीब 10 बजे से सुबह 7 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, जिससे 24 घंटे चलने वाली फैक्ट्रियों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण ऑर्डर समय पर पूरा करना मुश्किल हो रहा है। उद्योगपतियों विनोद मदान, इकबाल सिंह, दिलप्रीत सिंह और अतुल शर्मा ने बताया कि बार-बार बिजली आने-जाने से मशीनों में खराबी का खतरा रहता है। मजबूरी में डीजल जनरेटर चलाने से खर्च बढ़ रहा है।

उन्होंने बिजली विभाग से कटौती के कारणों की जांच कर औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही रखरखाव के दौरान पहले सूचना देने की अपील की है, ताकि उत्पादन प्रभावित न हो।

रात की कटौती से फैक्ट्रियां प्रभावित

उद्योगपतियों का कहना है कि बिजली की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन रात के समय होने वाली कटौती से सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। औद्योगिक इकाइयों में कई मशीनें लगातार चलती हैं, जिन्हें बार-बार बंद और शुरू करने से तकनीकी खराबी आने की संभावना बढ़ जाती है। इससे मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है और उत्पादन क्षमता भी कम हो जाती है। फैक्टरी संचालकों ने बताया कि बिजली कटौती के कारण कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी प्रभावित हो रही है। कई बार तैयार माल की समय पर डिलीवरी नहीं हो पाती, जिससे ग्राहकों के साथ कारोबारी संबंधों पर असर पड़ने का डर बना रहता है। छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए जनरेटर चलाने का खर्च उठाना भी आसान नहीं है। उद्योग जगत ने मांग की है कि बिजली विभाग औद्योगिक क्षेत्रों के लिए अलग से निगरानी व्यवस्था बनाए और आपूर्ति में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी तकनीकी कारण या रखरखाव के चलते बिजली बंद करनी हो तो इसकी जानकारी पहले से दी जानी चाहिए।

गमाडा अवार्ड से पहले किसान आंदोलन पर पुलिस की कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) द्वारा एयरोट्रोपोलिस आवासीय परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के अवार्ड की घोषणा से पहले जिले में तनावपूर्ण स्थिति बन गई है। गमाडा सोमवार को इस महत्वाकांक्षी परियोजना के छह हिस्सों के लिए आठ गांवों की कुल 3864 एकड़ जमीन के अधिग्रहण का अवार्ड जारी करने जा रहा है। दूसरी ओर, किसान संगठनों और प्रभावित किसानों ने इस प्रक्रिया का विरोध करते हुए गमाडा कार्यालय के बाहर धरना देने का ऐलान किया था। धरने की घोषणा के बाद प्रशासन और पुलिस भी पूरी तरह सक्रिय हो गई।

धरने को रोकने के लिए मोहाली पुलिस ने रविवार देर रात से ही किसान नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। भूमि अधिग्रहण विरोधी संघर्ष समिति के संयोजक तथा किसान यूनियन लाखोवाल के प्रांतीय नेता नछत्तर सिंह बैदवान को पुलिस ने हिरासत में लेकर मटौर थाना पहुंचाया। इसके अलावा किसान नेता सेवा सिंह बाकरपुर को भी सुबह करीब छह बजे उनके आवास से हिरासत में लेकर फेज-8 थाना ले जाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अन्य किसान नेताओं में भी हलचल मच गई।

किसान संगठनों का आरोप है कि सरकार और प्रशासन शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि किसानों की सहमति के बिना उनकी उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी। किसान नेताओं ने मांग की है कि सरकार भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर पुनर्विचार करे और किसानों के साथ खुली बातचीत कर समाधान निकाले।

पुलिस की छापेमारी की सूचना मिलते ही कई किसान नेता अपने घरों से निकलकर अन्य स्थानों पर चले गए। इसके चलते यह स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी कि प्रस्तावित धरना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हो पाएगा या नहीं।

विकास की दौड़ में चंडीगढ़ की विरासत से समझौता नहीं, एसआईए की दोटूक चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

सेकंड इनिंग्स एसोसिएशन (एसआईए) ने चंडीगढ़ के मास्टर प्लान और शहर की विश्वप्रसिद्ध विरासत के साथ किसी भी प्रकार के समझौते पर गहरी चिंता व्यक्त की है। एसोसिएशन का कहना है कि विकास के नाम पर यदि शहर के मूल स्वरूप, नियोजित ढांचे और वास्तु विरासत को कमजोर किया गया तो चंडीगढ़ अपनी विशिष्ट पहचान खो देगा। एक बार यह पहचान समाप्त हो गई तो उसे भविष्य में दोबारा स्थापित करना लगभग असंभव होगा। इसलिए विकास की योजनाओं को शहर की मूल अवधारणा और विरासत संरक्षण के अनुरूप ही बनाई जानी चाहिए।

एसआईए के अध्यक्ष आर. के. गर्ग ने जारी बयान में कहा कि चंडीगढ़ आज अपने इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। एक ओर यह शहर दुनिया के सबसे बेहतरीन नियोजित शहरों में अपनी अलग पहचान रखता है, वहीं दूसरी ओर विकास की आड़ में इसकी मूल योजना और विरासत को ही बाधा के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सोच न केवल चिंताजनक है, बल्कि शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए भी खतरा बन सकती है।

गर्ग ने कहा कि प्रसिद्ध वास्तुकार ले कॉर्बुज़िए और उनकी टीम द्वारा तैयार की गई चंडीगढ़ की मूल योजना केवल इमारतों और सड़कों का नक्शा नहीं है, बल्कि यह आधुनिक शहरी नियोजन का एक ऐसा आदर्श मॉडल है, जिसकी पूरी दुनिया में सराहना होती है। इसी कारण चंडीगढ़ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि इस धरोहर की रक्षा करना केवल प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व भी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एसोसिएशन विकास का विरोध नहीं कर रही है। शहर की बढ़ती आबादी, बदलती जरूरतों और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए विकास आवश्यक है, लेकिन यह विकास मास्टर प्लान और नियोजित ढांचे के अनुरूप होना चाहिए। यदि विकास के नाम पर भवन निर्माण नियमों में लगातार बदलाव किए जाएंगे, हरित क्षेत्र कम होंगे या नियोजित संरचना से समझौता किया जाएगा, तो चंडीगढ़ का मूल स्वरूप धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा।

आर. के. गर्ग ने कहा कि विकास और विरासत संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। दोनों के बीच संतुलन बनाकर ही शहर का समग्र विकास संभव है। यदि प्रशासन को शहर के विकास और उसकी विरासत के संरक्षण के बीच संतुलन बनाने में कठिनाई महसूस हो रही है तो इसका समाधान मास्टर प्लान को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके प्रभावी और सख्त क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू की टक्कर से बुलेट सवार युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।

रामदरबार क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से बुलेट मोटरसाइकिल सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान रामदरबार फेज-2 निवासी दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रथम सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने बिना देर किए पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी तथा युवक की मदद का प्रयास किया।

प्रथम के रूप में हुई है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस की टीम घटनास्थल पर पहुंची तथा घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भीषण टक्कर के बाद अस्पताल पहुंचा युवक, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

जानकारी के अनुसार प्रथम रोजाना की तरह सुबह जिम में व्यायाम करने के बाद अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

घटना की सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली शुरू कर दी है।

जर्मनी में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

फर्जी दस्तावेज देकर जर्मनी भेजने का दिया झांसा, इमिग्रेशन कंपनी संचालक पर पुलिस ने किया मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

जर्मनी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने और फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराने के आरोप में मोहाली स्थित एक इमिग्रेशन कंपनी के खिलाफ एनआरआई थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कंपनी की संचालक एवं हेड काउंसलर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 61 तथा पंजाब इमिग्रेशन एक्ट की धारा 24 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता प्रिया कुमारी, निवासी पटियाला ने बताया कि अगस्त 2025 में उन्होंने अपने समेत तीन लोगों के जर्मनी वर्क वीजा के लिए मोहाली के फेज-3बी2 स्थित न्यू होराइजन वीजा इमिग्रेशन कंपनी से संपर्क किया था। कंपनी ने जर्मनी में अच्छी नौकरी और शीघ्र वीजा दिलाने का भरोसा दिया। इस प्रक्रिया के लिए शिकायतकर्ता से कुल 10.50 लाख रुपये लिए गए।

कुछ समय बाद कंपनी की ओर से जर्मनी के एक प्रतिष्ठित होटल में नौकरी मिलने का ऑफर लेटर, नियुक्ति संबंधी दस्तावेज और अन्य कागजात सौंपे गए। शुरुआत में सब कुछ सही प्रतीत हुआ, लेकिन बाद में दस्तावेजों पर संदेह होने पर शिकायतकर्ता ने संबंधित होटल प्रबंधन से ई-मेल के माध्यम से उनका सत्यापन कराया।

होटल प्रबंधन की ओर से भेजे गए जवाब में स्पष्ट किया गया कि प्रस्तुत किया गया ऑफर लेटर और अन्य दस्तावेज उनके रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि संबंधित नाम से किसी प्रकार की भर्ती प्रक्रिया नहीं चलाई गई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता को अपने साथ धोखाधड़ी का एहसास हुआ और उन्होंने पूरे मामले की शिकायत एनआरआई विंग पंजाब से की।

मामले की प्रारंभिक जांच एनआरआई थाना पटियाला द्वारा की गई। जांच के दौरान शिकायत, दस्तावेजों और अन्य तथ्यों का सत्यापन किया गया। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट एनआरआई विंग पंजाब मुख्यालय भेजी गई। वहां से प्राप्त सिफारिश के आधार पर मोहाली के एनआरआई थाने में न्यू होराइजन वीजा की संचालक एवं हेड काउंसलर रमनदीप कौर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है।

फर्जी ऑफर लेटर देकर ठगे लाखों

पुलिस का कहना है कि मामले में शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक लेनदेन, भुगतान रसीदें, ई-मेल संवाद और अन्य दस्तावेजों को जांच का हिस्सा बनाया गया है। इन सभी साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि कंपनी ने वीजा प्रक्रिया के दौरान किन-किन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया और कथित फर्जी ऑफर लेटर किस माध्यम से तैयार किए गए। जांच टीम डिजिटल रिकॉर्ड और ई-मेल की भी तकनीकी जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार यह भी पता लगाया जा रहा है कि संबंधित इमिग्रेशन कंपनी के खिलाफ पहले भी इस प्रकार की शिकायतें दर्ज हुई हैं या नहीं। यदि जांच में अन्य पीड़ित सामने आते हैं तो उनके बयान भी दर्ज किए जाएंगे और उन्हें भी मामले में शामिल किया जाएगा। पुलिस का मानना है कि प्रारंभिक जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एनआरआई थाना पुलिस ने लोगों से अपील की है कि विदेश में नौकरी, वर्क वीजा या स्थायी निवास के नाम पर किसी भी एजेंसी के झांसे में आने से पहले उसकी सरकारी मान्यता, लाइसेंस, कार्यालय का रिकॉर्ड और उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का पूरी तरह सत्यापन अवश्य करें।

करोड़ों की स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन भी नहीं रोक सकी जलभराव समस्या

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

बलटाना क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से बिछाई गई स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन स्थानीय लोगों को जलभराव से राहत दिलाने में नाकाम साबित हो रही है। हर बारिश के बाद कॉलोनी की गलियां पानी से लबालब भर जाती हैं, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। स्थिति यह है कि हल्की बारिश के बाद भी कई स्थानों पर घंटों तक पानी जमा रहता है। इससे परियोजना की गुणवत्ता और उसके रखरखाव को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं।

नगर परिषद ने कुछ वर्ष पहले वर्षा जल की निकासी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन बिछाई थी। दावा किया गया था कि इसके शुरू होने के बाद बरसात के दौरान जलभराव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। लेकिन वर्तमान स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि हर बारिश के बाद सड़कें और गलियां तालाब

जैसी बन जाती हैं, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार जलभराव के कारण सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और नौकरीपेशा लोगों को उठानी पड़ती है। कई बार लोगों को घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी हालात जोखिम भरे हो जाते हैं और फिसलकर गिरने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। बारिश के दौरान कई वाहन पानी में बंद भी हो जाते हैं, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

निवासियों का आरोप है कि स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन की नियमित सफाई और रखरखाव नहीं किया जा रहा। कई स्थानों पर पाइपलाइन में गाद और कचरा जमा होने से पानी की निकासी बाधित हो जाती है। कुछ इलाकों में पानी का बहाव सही दिशा में नहीं होने के कारण वर्षा का पानी गलियों में ही जमा रहता है। लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर पाइपलाइन की सफाई और निरीक्षण किया जाता तो जलभराव की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।

पंजाब में 5470 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

प्रधानमंत्री दौरे में घोषित परियोजनाओं से पंजाब के 12 जिलों में संपर्क, व्यापार और विकास को मिलेगी नई गति

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को हुए जालंधर दौरे को राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई और घोषित की गई 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं से पंजाब के 12 जिलों को सीधा लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं में आधुनिक रेलवे स्टेशन, नई रेल सेवाएं, एक्सप्रेसवे और ग्रीनफील्ड हाईवे शामिल हैं।

केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि इन योजनाओं का महत्व केवल इनके बजट तक सीमित नहीं है, बल्कि इनका असर पंजाब के लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों पर दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि दोआबा, माझा और मालवा क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी, जिससे लोगों की यात्रा आसान होगी और समय की बचत होगी। बेहतर सड़क और रेल नेटवर्क से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पंजाब के कई रेलवे स्टेशनों का आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया गया है। इसमें जालंधर, एसएएस नगर (मोहाली), रूपनगर और श्री मुक्तसर साहिब के रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी और रेलवे ढांचे को नई मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा होशियारपुर को दौलतपुर चौक-करटोली रेल लाइन परियोजना का लाभ मिलेगा। लगभग 30 करोड़ रुपये की इस परियोजना से क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वहीं, अमृतसर को नई अमृतसर (छेहरटा)-वाराणसी संत रविदास एक्सप्रेस की सौगात मिली है। इससे धार्मिक और सांस्कृतिक संपर्क मजबूत होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नई करटोली-अंबाला रेल सेवा से पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन आसान होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे परियोजना पंजाब के कई जिलों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी। इससे जालंधर, कपूरथला, तरनतारन, अमृतसर, गुरदासपुर और पठानकोट क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे बनने से यात्रा का समय कम होगा, माल ढुलाई तेज होगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। इससे उद्योग और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

ढिल्लों ने बताया कि एसएएस नगर (मोहाली) और रूपनगर क्षेत्रों को आईटी सिटी-कुराली ग्रीनफील्ड हाईवे और अंबाला-चंडीगढ़ ग्रीनफील्ड हाईवे की पीआर-7 स्पर परियोजना का लाभ मिलेगा। करीब 1,570 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं से क्षेत्र में औद्योगिक, सूचना प्रौद्योगिकी और शहरी विकास को गति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी लुधियाना बाईपास परियोजना भी शहर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे लुधियाना में ट्रैफिक दबाव कम होगा और माल परिवहन आसान होगा। साथ ही लुधियाना, बठिंडा और अन्य आर्थिक केंद्रों के बीच संपर्क मजबूत होगा।

केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान घोषित परियोजनाओं से जालंधर, मोहाली, रूपनगर, श्री मुक्तसर साहिब, होशियारपुर, अमृतसर, लुधियाना, कपूरथला, तरनतारन, गुरदासपुर और पठानकोट सहित कई क्षेत्रों को फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का विकास एजेंडा पंजाब के हर क्षेत्र तक पहुंच रहा है। इन परियोजनाओं से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास के नए अवसर तैयार होंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यों से साबित किया है कि पंजाब का विकास राष्ट्रीय प्राथमिकता में शामिल है।

पंजाब में वकीलों के चैंबरों को भी मिलेगा मुफ्त बिजली लाभ

पीएसपीसीएल ने पात्र अधिवक्ताओं के चैंबरों को योजना में किया शामिल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने अदालत परिसरों में स्थित पात्र वकीलों के चैंबरों को भी घरेलू बिजली आपूर्ति टैरिफ योजना के दायरे में शामिल कर लिया है। अब राज्य के अधिवक्ताओं को अपने चैंबरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली के लिए राहत मिलेगी और निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले चैंबरों का बिजली बिल शून्य आ सकता है।

आम आदमी पार्टी ने वर्ष 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की गारंटी दी थी। सत्ता में आने के बाद मार्च 2022 में सरकार ने इस योजना को लागू कर दिया था। सरकार का दावा है कि योजना के तहत पंजाब के करीब 90 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल से राहत मिल रही है।

अब इस योजना का लाभ अदालत परिसरों में काम करने वाले पात्र वकीलों को भी मिलेगा। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। पीएसपीसीएल के अधिकारियों के अनुसार, पहले यह निर्णय लिया गया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा सका था। अब पात्र आवेदनों की जांच कर उन्हें 48 घंटे के भीतर निपटाने के निर्देश दिए गए हैं।

600 यूनिट तक खपत पर वकीलों के चैंबरों का बिजली बिल होगा शून्य

अधिसूचना के अनुसार, जिन वकीलों के चैंबरों में दो महीने के दौरान बिजली की खपत 600 यूनिट तक होगी, उनका बिजली बिल शून्य आएगा। हालांकि, यदि खपत 600 यूनिट से अधिक हो जाती है तो संबंधित उपभोक्ता को पूरी बिजली खपत का बिल भुगतान करना होगा।

पीएसपीसीएल के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर बसंत गर्ग ने सभी सब-डिवीजन कार्यालयों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि पात्र आवेदनों को बिना देरी के जांच कर मंजूरी दी जाए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्ती के संकेत भी दिए हैं।

यह सुविधा उन अधिवक्ताओं को ही मिलेगी जो पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल में पंजीकृत हैं। इसके अलावा उनका चैंबर अदालत परिसर के अंदर होना चाहिए और उसका इस्तेमाल केवल वकालत से जुड़े कार्यों के लिए किया जाना जरूरी है।

कैंटीन, फोटोस्टेट सेंटर या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे चैंबर इस योजना के पात्र नहीं होंगे। वकीलों की मांग और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के संज्ञान में मामला आने के बाद सरकार ने यह निर्णय लागू किया है। इससे राज्यभर के हजारों अधिवक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है।

एनएचएआई की लापरवाही से लुधियाना की चार सड़कों पर जलभराव का गहराया संकट

ड्रेनेज फेल होने से राहगीरों और वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। शहर की चार प्रमुख सड़कों पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की लापरवाही लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। दिल्ली-जालंधर रोड, चंडीगढ़ रोड, फिरोजपुर रोड और समराला चौक से भारत नगर चौक तक जाने वाली लिंक रोड पर बारिश के दौरान जल निकासी की समस्या गंभीर होती जा रही है।

ये सभी सड़कें पहले नगर निगम के अधीन थीं, लेकिन अब इन्हें एनएचएआई को ट्रांसफर किया जा चुका है। ऐसे में इन सड़कों की मरम्मत, रखरखाव और बारिश के पानी की निकासी की जिम्मेदारी भी एनएचएआई की है। हालांकि, एजेंसी द्वारा लगाए गए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अब केवल दिखावे तक सीमित रह गए हैं।

बारिश के समय फ्लाईओवर से पानी नीचे गिरने के कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई जगहों पर सड़क किनारे बने ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से जाम या खराब हो चुके हैं, जिसके कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती। इसका असर साहनेवाल से लेकर जालंधर बाईपास तक के पूरे क्षेत्र में देखने को मिल रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल मानसून के दौरान यही समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। जलभराव के कारण यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ जाता है।

मंत्री और डीसी की चेतावनी भी बेअसर

कुछ समय पहले लोकल बॉडी मंत्री ने लुधियाना में मेयर और नगर निगम कमिश्नर के साथ बैठक कर एनएचएआई के क्षेत्र में सीवरेज जाम की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने समस्या के समाधान पर होने वाले खर्च की भरपाई एनएचएआई से करने की बात कही थी, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं, डिप्टी कमिश्नर ने भी एनएचएआई को चेतावनी देते हुए टोल टैक्स अटैच करने की बात कही थी।

पंजाब सरकार ने बदले भवन निर्माण नियम, मिली राहत

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने पंजाब अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट बिल्डिंग (संशोधन) रूल्स, 2026 को मंजूरी दे दी है। नए नियमों के तहत अब मिक्स-यूज प्रोजेक्ट्स को कानूनी मान्यता मिल गई है। इससे बड़े प्लाटों में आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां एक साथ संचालित की जा सकेंगी।

नए प्रावधानों के अनुसार 21 मीटर तक ऊंची इमारतों के लिए सेल्फ-सर्टिफिकेशन व्यवस्था लागू की गई है। अब अधिकृत आर्किटेक्ट नक्शे प्रमाणित कर सकेंगे और आवेदन के सात दिन के भीतर आपत्ति नहीं आने पर नक्शा स्वीकृत माना जाएगा।

मिक्स-यूज प्रोजेक्ट्स के लिए न्यूनतम 8,000 वर्गमीटर जमीन और 24 मीटर चौड़ी सड़क की शर्त रखी गई है। इनमें दुकानें, दफ्तर और आवासीय सुविधाएं विकसित की जा सकेंगी। सरकार ने ग्रीन एरिया, पार्किंग और अग्नि सुरक्षा के नए मानक भी तय किए हैं।

अमृतसर में बढ़ा टीबी का खतरा, मिले 2139 मरीज

टीबी सर्वे के 100 दिन के अभियान में 194 गांवों से मिले 2139 टीबी मरीज

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर जिले में टीबी (क्षय रोग) के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और पंजाब स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए गए 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत अमृतसर के 194 गांवों में किए गए व्यापक सर्वेक्षण में 2139 लोग टीबी से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें 1113 पुरुष, 1026 महिलाएं और 280 बच्चे शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इन 194 गांवों को हाई रिस्क क्षेत्र घोषित कर विशेष जांच अभियान चलाया गया था। इस अभियान के लिए 500 से अधिक स्वास्थ्य टीमों को तैनात किया गया, जिन्होंने घर-घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग की। सर्वेक्षण के दौरान कुल 30,074 लोगों की जांच की गई, जिनमें से 13,143 लोगों के एक्स-रे करवाए गए और करीब 5500 लोगों की विस्तृत जांच की गई।

500 टीमों ने घर-घर जाकर की स्क्रीनिंग, बढ़ी विभाग की चिंता

विभाग के अधिकारियों का कहना है कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो समय पर इलाज नहीं मिलने पर गंभीर रूप ले सकती है। अमृतसर जिले में हर साल करीब 160 मरीज इस बीमारी के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। वर्तमान में जिले में लगभग 5000 टीबी मरीजों का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी और निजी केंद्रों पर मरीजों को मुफ्त दवाएं और इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक खांसी रहना, खून वाली खांसी, बुखार, वजन कम होना, रात में पसीना आना और लगातार थकान टीबी के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवानी चाहिए। डॉक्टरों का कहना है कि टीबी का इलाज पूरी तरह संभव है, लेकिन दवाओं का पूरा कोर्स करना बेहद जरूरी है।

सिविल सर्जन डॉ. रश्मी विज ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने टीबी की पहचान और इलाज के लिए युद्ध स्तर पर अभियान चलाया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बीमारी के लक्षणों को छिपाने के बजाय समय पर जांच करवाएं। पॉजिटिव मरीजों की लगातार निगरानी स्वास्थ्य विभाग की टीमें करती हैं।

बैटरी स्क्रैप ट्रक पर बड़ी कार्रवाई एक्साइज विभाग ने वसूला जुर्माना

भारतेंदु संवाददाता अमृतसर। एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग के मोबाइल विंग अमृतसर रेंज ने टैक्स चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बैटरी स्क्रैप से भरे एक ट्रक को पकड़ा है। विभागीय टीम ने जांच के बाद ट्रक पर 8.29 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और राशि वसूल की। यह कार्रवाई सहायक कमिश्नर मोबाइल विंग मधुसूदन शर्मा के दिशा-निर्देशों पर की गई।

विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि जालंधर के आसपास से बैटरी स्क्रैप से लदा एक ट्रक गुजरने वाला है। आशंका थी कि इस माल को बिना जरूरी दस्तावेजों के ले जाया जा रहा है और इसमें टैक्स चोरी की गई है। सूचना मिलते ही मोबाइल विंग ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई।

सहायक कमिश्नर के निर्देश पर अधिकारी पंडित रमन शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर निगरानी शुरू की और संदिग्ध ट्रक को रोक लिया।

जांच के दौरान मोबाइल विंग अधिकारियों ने वाहन चालक से बैटरी स्क्रैप से संबंधित बिल, ई-वे बिल और अन्य जरूरी दस्तावेज मांगे, लेकिन चालक कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाया।

उर्दू-फारसी शब्दों की जगह सरल पंजाबी शब्द होंगे लागू

पंजाब में जमीन रजिस्ट्रेशन की भाषा बदलेगी, 35 कठिन शब्द होंगे आसान

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में जमीन और संपत्ति की खरीद-फरोख्त के दौरान रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाली कठिन भाषा को आसान बनाने की पहल की गई है। राजस्व एवं पुनर्वास विभाग ने दस्तावेजों में इस्तेमाल होने वाले 35 पुराने और मुश्किल शब्दों की जगह आम लोगों की समझ में आने वाले सरल पंजाबी शब्दों को शामिल करने का फैसला लिया है। इसका उद्देश्य संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों को अधिक सरल, पारदर्शी और लोगों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

राजस्व विभाग के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से जुड़े दस्तावेजों में लंबे समय से उर्दू और फारसी भाषा के कई शब्दों का इस्तेमाल होता आ रहा था। इन शब्दों को समझने में आम नागरिकों को परेशानी होती थी और कई बार लोगों को दस्तावेजों की जानकारी के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। इसी समस्या को देखते हुए विभाग ने एक कमेटी का गठन किया था।

कमेटी ने संपत्ति रजिस्ट्रेशन की भाषा को सरल बनाने के लिए पुराने 35 कठिन शब्दों की जगह नए आसान शब्दों की सिफारिश की है। विभाग ने सभी डिप्टी कमिश्नरों को पत्र जारी कर पुराने और नए शब्दों की सूची भेज दी है।

खोजेपुर गांव में सीवेज संकट से ग्रामीण परेशान

भारतेंदु संवाददाता, दीनानगर। गुरदासपुर के दीनानगर विधानसभा क्षेत्र का खोजेपुर गांव आज भी सीवेज निकासी की समस्या से जूझ रहा है। गांव में अब तक सीवेज व्यवस्था नहीं बनाई गई है और पूरे गांव का गंदा पानी छप्पड़ में डाला जाता है। बारिश के दिनों में छप्पड़ ओवरफ्लो होने से सीवेज का पानी गलियों और घरों तक पहुंच जाता है। गंदे पानी के कारण ग्रामीणों को बीमारी का खतरा बना रहता है। स्कूल जाने वाले बच्चों और लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सीबीएसई 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा की बदली तारीख, 28 जुलाई को होगी परीक्षा

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा की सप्लीमेंट्री परीक्षा की तारीख में बदलाव कर दिया है। बोर्ड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी जारी करते हुए बताया कि अब कक्षा 12वीं की सभी विषयों की सप्लीमेंट्री परीक्षा 28 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इससे पहले यह परीक्षा 15 जुलाई को निर्धारित थी।

सीबीएसई के अनुसार, परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित होगी। बोर्ड जल्द ही विद्यार्थियों के एडमिट कार्ड जारी करेगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए एडमिट कार्ड अनिवार्य होगा, इसके बिना किसी भी विद्यार्थी को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

परीक्षा का समय विषय के अनुसार अलग-अलग निर्धारित किया गया है। अंग्रेजी कोर, हिंदी कोर, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, लेखांकन, व्यवसाय अध्ययन, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, भूगोल, इतिहास और शारीरिक शिक्षा जैसे प्रमुख विषयों की परीक्षा सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगी।

वहीं, वोकेशनल और कौशल आधारित विषयों जैसे प्रोडक्शन, बैंकिंग, मार्केटिंग और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की परीक्षा सुबह 10:50 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। पेंटिंग, संगीत, योग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे विषयों की परीक्षा सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी।

पंजाब में सरकारी बस कर्मचारियों का ऐलान 3 से 5 अगस्त तक रहेगा चक्का जाम

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में सरकारी बसों से सफर करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। यूनियन के फैसले के अनुसार 3, 4 और 5 अगस्त को पूरे राज्य में सरकारी बसों का संचालन प्रभावित रहेगा। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन की राज्य स्तरीय बैठक लुधियाना में हुई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रेशम सिंह गिल ने की। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की।

यूनियन नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने से पहले कर्मचारियों से कई बड़े वादे किए थे। इनमें कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, ठेका प्रणाली खत्म करना और कर्मचारियों को पूरी वेतन सुविधा देना शामिल था। लेकिन सरकार के कार्यकाल में चार साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इन मांगों पर केवल बैठकें हुई हैं, समाधान नहीं निकला।

यूनियन के प्रदेश महासचिव शमशेर सिंह ढिल्लों, संयुक्त सचिव जोध सिंह, जलौर सिंह और मीत प्रधान जतिंदर सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों पर स्पेशल कैडर नीति जबरन लागू करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन पर नई नीतियां थोपी जा रही हैं।

कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई को प्रदेश के सभी बस डिपो पर गेट रैलियां आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 3, 4 और 5 अगस्त को तीन दिन की राज्यव्यापी हड़ताल की जाएगी।

यूनियन ने यह भी घोषणा की है कि हड़ताल के दौरान ट्रांसपोर्ट मंत्री और मुख्यमंत्री आवास के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

एंट्री टैक्स रोपड़ जिला परिषद ने प्रस्ताव पारित कर मंजूरी के लिए सरकार को भेजा

हिमाचल से पंजाब आने वाले वाहनों पर एंट्री टैक्स की तैयारी तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश से रोपड़ जिले के रास्ते पंजाब में प्रवेश करने वाले वाहनों पर एंट्री टैक्स लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में रोपड़ जिला परिषद ने सोमवार को प्रस्ताव पारित कर पंजाब सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजने का फैसला किया है। जिला परिषद की बैठक में यह प्रस्ताव रोपड़ से आम आदमी पार्टी के विधायक एवं परिषद सदस्य दिनेश चड्ढा ने पेश किया।

प्रस्ताव को पंजाब पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत सरकार की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। विधायक दिनेश चड्ढा ने बताया कि अधिनियम की धारा 189 के तहत जिला परिषद को टैक्स और शुल्क लगाने का अधिकार प्राप्त है। प्रस्तावित एंट्री टैक्स से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल ग्रामीण सड़कों के रखरखाव और सुधार कार्यों में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश से आने वाले भारी और व्यावसायिक वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण रोपड़ जिले की ग्रामीण सड़कों पर दबाव बढ़ रहा है। गांवों से गुजरने वाले कमर्शियल वाहनों के कारण सड़कें खराब हो रही हैं, जिससे उनकी मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। एंट्री टैक्स से प्राप्त राजस्व को ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने और बेहतर बनाने में लगाया जा सकेगा।

ग्रामीण सड़कों के रखरखाव के लिए हिमाचली वाहनों पर टैक्स की तैयारी

दिनेश चड्ढा ने इसे पारस्परिक टैक्स बताते हुए कहा कि पंजाब सरकार से उम्मीद है कि वह जिला परिषद के प्रस्ताव को मंजूरी देगी। जिला परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से मांग की है कि हिमाचल प्रदेश से आने वाले वाहनों पर उतना ही टैक्स लगाया जाए, जितना हिमाचल सरकार पंजाब से जाने वाले वाहनों से वसूलती है। इस फैसले के बाद पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बीच एंट्री टैक्स का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। खासकर नंगल और श्री आनंदपुर साहिब क्षेत्र के लोग लंबे समय से हिमाचल की सीमाओं पर लगाए गए प्रवेश शुल्क का विरोध करते रहे हैं। ट्रांसपोर्टर भी इस मामले को लेकर कई बार आवाज उठा चुके हैं।

इससे पहले जून 2025 में नंगल नगर परिषद ने भी हिमाचल से आने वाले वाहनों पर बराबर एंट्री टैक्स लगाने का प्रस्ताव पारित किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी तक पंजाब सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

नंगल नगर परिषद में प्रस्ताव रखने वाले पूर्व पार्षद परमजीत सिंह पम्मा ने रोपड़ जिला परिषद के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि जिला परिषद और विधायक दिनेश चड्ढा द्वारा उठाया गया कदम इस मुद्दे को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

श्रद्धा से किया गया हनुमान पूजन और सेवा भाव, जीवन को बनाते हैं सुखमय और सफल

भारतीय संस्कृति में सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी देवी या देवता को समर्पित माना जाता है। इन दिनों का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व केवल पूजा तक सीमित नहीं है बल्कि यह मनुष्य को अनुशासित जीवन जीने और अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा भी देता है। सप्ताह का दूसरा दिन मंगलवार भगवान श्रीहनुमान और मंगल ग्रह से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह दिन साहस शक्ति पराक्रम सेवा और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों श्रद्धालु मंगलवार को व्रत रखते हैं हनुमान मंदिरों में दर्शन करते हैं सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तथा अपने परिवार की सुख समृद्धि और संकटों से मुक्ति की कामना करते हैं।

मंगलवार का नाम संस्कृत शब्द मंगल से बना है जिसका अर्थ शुभ कल्याणकारी और हितकारी होता है। ज्योतिष शास्त्र में यह दिन मंगल ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। मंगल ग्रह को ऊर्जा साहस नेतृत्व और आत्मबल का कारक माना गया है। इसलिए इस दिन किए गए शुभ कार्यों में सफलता मिलने की मान्यता है। हालांकि कुछ परंपराओं में मंगलवार को कुछ विशेष कार्यों से बचने की सलाह भी दी जाती है लेकिन अधिकांश लोग इसे भगवान हनुमान की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर मानते हैं।

ठाकुर दीक्षित धलारिया
संधोल, मंडी (हि.प्र.)

भगवान श्रीहनुमान भारतीय धार्मिक परंपरा के सबसे लोकप्रिय और पूजनीय देवताओं में से एक हैं। उन्हें भगवान शिव का रुद्रावतार और श्रीराम का परम भक्त माना जाता है। रामायण में हनुमान जी ने अपनी अद्भुत शक्ति बुद्धि विनम्रता और समर्पण का परिचय दिया। माता सीता की खोज करना समुद्र लांघकर लंका पहुंचना अशोक वाटिका में संदेश देना संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राण बचाना और श्रीराम की हर कठिन घड़ी में साथ देना उनके महान चरित्र की झलक प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करने से भय संकट और नकारात्मकता दूर होने की मान्यता है।

मंगलवार के व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु प्रात: स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और हनुमान जी की प्रतिमा या चित्र के सामने दीपक जलाकर पूजा करते हैं। सिंदूर चमेली का तेल लाल फूल और गुड़ चने का भोग अर्पित किया जाता है। कई लोग इस दिन केवल एक समय भोजन करते हैं जबकि कुछ फलाहार ग्रहण करते हैं। व्रत का उद्देश्य केवल भोजन का त्याग नहीं बल्कि मन वचन और कर्म की शुद्धि भी माना जाता है।

हनुमान चालीसा का पाठ मंगलवार की सबसे लोकप्रिय धार्मिक परंपराओं में से एक है। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में भगवान हनुमान के गुणों का अत्यंत सुंदर वर्णन मिलता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ इसका पाठ करने से मन को शांति मिलती है आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति प्राप्त होती है। कई स्थानों पर सुंदरकांड का सामूहिक पाठ भी आयोजित किया जाता है जिसमें बड़ी संख्या में भक्त भाग लेते हैं।

भारत के लगभग हर राज्य में मंगलवार को हनुमान मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना होती है। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग जाती हैं। कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया जाता है और जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया जाता है। धार्मिक दृष्टि से सेवा और दान को भी मंगलवार के शुभ कार्यों में शामिल माना गया है। गरीबों को भोजन कराना वस्त्र दान करना और जरूरतमंदों की सहायता करना इस दिन विशेष पुण्यदायी माना जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को साहस भूमि संपत्ति सेना पुलिस तकनीकी कार्य और नेतृत्व क्षमता का कारक माना गया है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल की स्थिति कमजोर होती है वे मंगलवार को विशेष पूजा और दान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे मंगल ग्रह से जुड़े दोषों में कमी आती है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन होते हैं। हालांकि ज्योतिषीय उपाय श्रद्धा और व्यक्तिगत विश्वास का विषय हैं इसलिए इन्हें विवेक के साथ अपनाना चाहिए।

मंगलवार केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि प्रेरणा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। भगवान हनुमान का जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव धर्म और मानवता की रक्षा के लिए होना चाहिए। उन्होंने कभी अपनी शक्ति का अहंकार नहीं किया बल्कि सदैव विनम्रता और सेवा का मार्ग अपनाया। आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है तब हनुमान जी का आदर्श जीवन हमें ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का संदेश देता है।

आधुनिक जीवन में मंगलवार को आत्मचिंतन का दिन भी बनाया जा सकता है। इस दिन व्यक्ति अपने व्यवहार का मूल्यांकन करे यह सोचे कि उसने समाज परिवार और कार्यस्थल पर कितना सकारात्मक योगदान दिया है। यदि हर सप्ताह एक दिन हम सेवा सहयोग और आत्मविकास के लिए समर्पित करें तो जीवन अधिक संतुलित और सार्थक बन सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान और बेहतर भविष्य की अनमोल कुंजी है

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि **'कोई भी नई भाषा सीखना कभी व्यर्थ नहीं जाता।'** यह केवल एक न्यायिक टिप्पणी नहीं बल्कि शिक्षा, व्यक्तित्व विकास और भविष्य की संभावनाओं से जुड़ा एक व्यापक संदेश है। न्यायालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वर्ष 2026-27 से कक्षा नौ के विद्यार्थियों के लिए त्रिभाषा नीति लागू करने के निर्णय पर तत्काल रोक लगाने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया कि नई भाषा सीखना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लाभदायक है। साथ ही न्यायालय ने यह व्यावहारिक सुझाव भी दिया कि तीसरी भाषा की शिक्षा सीधे नौवीं कक्षा से शुरू करने के बजाय पांचवीं या छठी कक्षा से शुरू की जानी चाहिए ताकि विद्यार्थी कम आयु में इसे सहज रूप से सीख सकें। यह सुझाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप भी माना जा रहा है।

भारत भाषाओं की दृष्टि से दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। यहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। प्रत्येक भाषा अपने साथ एक अलग संस्कृति, परंपरा, इतिहास और जीवन शैली लेकर चलती है। ऐसे में यदि विद्यार्थी एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करते हैं तो वे केवल नए शब्द नहीं सीखते बल्कि विविध संस्कृतियों और समाजों को भी समझने लगते हैं। यही बहुभाषिकता भारत की सबसे बड़ी ताकत है और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

शिक्षा विशेषज्ञों और बाल मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बचपन में मानव मस्तिष्क सबसे अधिक सक्रिय और लचीला होता है। इसी अवधि में बच्चे नई चीजें बहुत तेजी से सीखते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगभग बारह से तेरह वर्ष की आयु तक बच्चों में नई भाषा सीखने की क्षमता सबसे अधिक होती है। यदि उन्हें प्राथमिक या उच्च प्राथमिक स्तर से ही तीसरी भाषा सीखने का अवसर मिले तो वे उसे सहजता से आत्मसात कर लेते हैं। इसके विपरीत यदि नौवीं कक्षा में अचानक नई भाषा का अध्ययन शुरू कराया जाए तो बोर्ड परीक्षाओं और अन्य विषयों के दबाव के कारण यह विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त बोझ बन सकता है।

बहुभाषी शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। अनेक शोधों में यह सिद्ध हो चुका है कि जो विद्यार्थी दो या तीन भाषाएं जानते हैं उनकी स्मरण शक्ति, तर्क क्षमता, समस्या समाधान की योग्यता और निर्णय लेने की क्षमता अपेक्षाकृत अधिक विकसित होती है। नई भाषा सीखने से मस्तिष्क लगातार सक्रिय रहता है और सोचने का दायरा भी व्यापक होता है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को आसानी से ढालने में सक्षम होते हैं।

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि ज्ञान और संस्कृति का प्रवेश द्वार भी है। जब कोई विद्यार्थी दूसरी भाषा सीखता है तो वह उस भाषा से जुड़े साहित्य, इतिहास, कला, संगीत और सामाजिक परंपराओं से भी परिचित होता है। इससे उसमें विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है। भारत जैसे बहुसांस्कृतिक देश में यह गुण सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज का युग वैश्वीकरण का है। शिक्षा, व्यापार, विज्ञान, तकनीक और रोजगार के क्षेत्र लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े हुए हैं। ऐसे समय में बहुभाषी व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर भी अधिक होते हैं। पर्यटन, अनुवाद, पत्रकारिता, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति, शिक्षा और शोध जैसे अनेक क्षेत्रों में भाषा का ज्ञान विशेष महत्व रखता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> **उजाला** एक विश्वास है जो अंधेरे के किसी भी रूप के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजाने को तत्पर रहता है। ये हममें साहस और निडरता भरता है।
>
> **-डॉ. प्रेम जनमेजय**

संपादकीय

होर्मुज पर टकराव से दुनिया फिर संकट में

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे संवेदनशील दौर से गुजर रहा है जहां किसी भी प्रकार का क्षेत्रीय तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाला कोई भी सैन्य तनाव, सुरक्षा संकट या जहाजरानी में बाधा केवल खाड़ी देशों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसका प्रभाव एशिया, यूरोप, अमेरिका और दुनिया के अनेक अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं तक पहुंचता है। यही कारण है कि जब भी इस जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ता है, पूरी दुनिया की निगाहें इस क्षेत्र पर टिक जाती हैं। ऊर्जा बाजार से लेकर शेयर बाजार तक, हर क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल बनने लगता है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर और हिंद महासागर से जोड़ने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यह अपेक्षाकृत संकरा होने के बावजूद वैश्विक व्यापार की दृष्टि से अत्यधिक रणनीतिक महत्व रखता है। खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख तेल उत्पादक देशों से निकलने वाला बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न देशों तक पहुंचती है। इसलिए यदि यहां किसी कारणवश जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है तो ऊर्जा आपूर्ति पर तत्काल असर पड़ता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल तथा गैस की कीमतों में तेजी देखी जा सकती है।

ऊर्जा सुरक्षा आज प्रत्येक देश की आर्थिक स्थिरता का प्रमुख आधार बन चुकी है। उद्योग, परिवहन, बिजली उत्पादन और कृषि जैसे अनेक क्षेत्र प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में लंबे समय तक तनाव बना रहता है तो ऊर्जा की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। इससे तेल आयात करने वाले देशों की लागत बढ़ेगी और सरकारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। परिणामस्वरूप महंगाई बढ़ सकती है और आम नागरिकों के दैनिक जीवन पर भी इसका प्रभाव दिखाई दे सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। महामारी के बाद आपूर्ति श्रृंखलाओं को सामान्य होने में काफी समय लगा। इसके बाद विभिन्न भू-राजनीतिक संघर्षों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को और जटिल बना दिया। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में अस्थिरता बढ़ती है तो समुद्री परिवहन कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ सकते हैं। इससे यात्रा की दूरी बढ़ेगी, समय अधिक लगेगा और माल ढुलाई की लागत में वृद्धि होगी। जहाजों के बीमा प्रीमियम भी बढ़ सकते हैं क्योंकि संघर्ष वाले क्षेत्रों में परिचालन का जोखिम अधिक होता है। इन सभी कारणों का सीधा असर वैश्विक व्यापार और उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

ऊर्जा क्षेत्र के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, उर्वरक, रसायन, इस्पात और विनिर्माण जैसे अनेक उद्योग भी प्रभावित हो सकते हैं। उत्पादन लागत बढ़ने से वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होगी और वैश्विक महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। कई विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं पहले से ही महंगाई और वित्तीय चुनौतियों से जूझ रही हैं। ऐसे में ऊर्जा कीमतों में वृद्धि उनकी आर्थिक स्थिति को और कठिन बना सकती है। भारत के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व विशेष रूप से अधिक है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और खाड़ी क्षेत्र उसके प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल है। यदि इस क्षेत्र में आपूर्ति बाधित होती है या अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो उसका प्रभाव भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों, परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और वस्तुओं के मूल्य पर पड़ सकता है। इससे आम नागरिकों के घरेलू बजट पर भी असर पड़ेगा। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

भारत पिछले कुछ वर्षों से ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार भी किया जा रहा है ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में कुछ समय तक ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखी जा सके। यह दीर्घकालिक दृष्टिकोण भविष्य में ऐसे संकटों के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकता है। ऐसे तनावपूर्ण समय में सूचना की विश्वसनीयता भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी संघर्ष के दौरान विभिन्न पक्ष अपने-अपने दावे और प्रतिदावे प्रस्तुत करते हैं। कई बार सोशल मीडिया पर अपुष्ट सूचनाएं तेजी से फैल जाती हैं, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा होती है और बाजारों में अनावश्यक घबराहट बढ़ सकती है। इसलिए आवश्यक है कि सरकारें, मीडिया संस्थान और नागरिक केवल विश्वसनीय तथा स्वतंत्र स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें। जिम्मेदार पत्रकारिता और तथ्य आधारित रिपोर्टिंग ऐसे समय में समाज के लिए अत्यंत आवश्यक होती है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इतिहास गवाह है कि लंबे समय तक चलने वाले अधिकांश संघर्षों का समाधान अंतत: संवाद और वार्ता के माध्यम से ही हुआ है। संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे तनाव कम करने, विश्वास बहाली और शांतिपूर्ण समाधान के लिए सक्रिय प्रयास करें। क्षेत्रीय देशों के बीच सहयोग और पारस्परिक सम्मान की भावना ही स्थायी शांति का आधार बन सकती है।

-शिवांश धाकड़

जब तिरंगा बना स्वतंत्र भारत की पहचान, संविधान सभा के ऐतिहासिक निर्णय ने लिखी गौरवगाथा

21 जुलाई 1947 का दिन भारतीय इतिहास में अत्यंत गौरवपूर्ण और भावनात्मक महत्व रखता है। इसी दिन भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया। यह निर्णय केवल एक ध्वज चुनने का औपचारिक कार्य नहीं था बल्कि यह करोड़ों भारतीयों की स्वतंत्रता की आकांक्षा त्याग बलिदान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनने वाला ऐतिहासिक क्षण था। लगभग दो शताब्दियों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के बाद भारत स्वतंत्रता की दहलीज पर खड़ा था और ऐसे समय में राष्ट्र को एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता थी जो पूरे देश की पहचान बने तथा हर भारतीय के मन में गर्व और आत्मसम्मान की भावना जगाए।

संजय गोस्वामी
स्वतंत्र लेखक

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास एक लंबे संघर्ष और विचार प्रक्रिया का परिणाम था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान विभिन्न अवसरों पर अलग अलग ध्वजों का उपयोग किया गया। समय के साथ इन ध्वजों में परिवर्तन हुए और अंतत: एक ऐसे ध्वज की कल्पना सामने आई जो पूरे भारत का प्रतिनिधित्व कर सके। महान स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने राष्ट्रीय ध्वज की रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों और अनेक नेताओं के सुझावों के आधार पर वर्तमान तिरंगे का स्वरूप सामने आया जिसे संविधान सभा ने 21 जुलाई 1947 को आधिकारिक रूप से स्वीकार किया।

संविधान सभा की इस ऐतिहासिक बैठक में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रीय ध्वज को अपनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अपने प्रेरणादायक भाषण में उन्होंने कहा कि यह ध्वज केवल एक कपड़े का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा स्वतंत्रता और संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ध्वज किसी धर्म जाति भाषा या क्षेत्र विशेष का नहीं बल्कि पूरे भारत और उसके प्रत्येक नागरिक का ध्वज है। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया और इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया। यह क्षण पूरे राष्ट्र के लिए अत्यंत गौरव और उत्साह का विषय बना।

भारत के राष्ट्रीय ध्वज में तीन समान क्षैतिज पट्टियां हैं। सबसे ऊपर गहरा केसरिया रंग है जो साहस त्याग बलिदान और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक माना जाता है। बीच में सफेद रंग है जो सत्य शांति और पवित्रता का संदेश देता है। सबसे नीचे गहरा हरा रंग है जो समृद्धि कृषि विकास और जीवन की निरंतरता का प्रतीक है। ध्वज के मध्य सफेद पट्टी पर गहरे नीले रंग का अशोक चक्र अंकित है जिसमें चौबीस तीलियां हैं। यह चक्र सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से लिया गया है और धर्म न्याय प्रगति तथा निरंतर गतिशीलता का प्रतीक माना जाता है।

अशोक चक्र को राष्ट्रीय ध्वज में शामिल करने के पीछे गहरा दार्शनिक संदेश छिपा है। चक्र यह दर्शाता है कि जीवन और राष्ट्र दोनों को निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। ठहराव विकास का शत्रु है जबकि गति प्रगति का आधार है। चौबीस तीलियां दिन के चौबीस घंटों का भी प्रतीक मानी जाती हैं जो निरंतर कर्म और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देती हैं। यही कारण है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल स्वतंत्रता का प्रतीक नहीं बल्कि कर्मशीलता नैतिकता और सतत विकास का संदेश भी देता है।

राष्ट्रीय ध्वज को अपनाने के समय यह भी सुनिश्चित किया गया कि यह किसी धार्मिक पहचान का प्रतिनिधित्व न करे। स्वतंत्र भारत विविधताओं से भरा देश था जहां अनेक धर्म भाषाएं और संस्कृतियां एक साथ रहती थीं। इसलिए ऐसा ध्वज चुना गया जो सभी नागरिकों को समान रूप से अपना लगे। तिरंगे ने इसी भावना को साकार किया और राष्ट्रीय एकता तथा अखंडता का सबसे बड़ा प्रतीक बन गया।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने तिरंगे को सम्मान दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। अनेक स्थानों पर अंग्रेजी शासन के विरोध में तिरंगा फहराने वाले लोगों पर गोलियां चलाई गईं लाठियां बरसाई गईं और उन्हें जेलों में डाला गया लेकिन देशभक्त पीछे नहीं हटे। उनके लिए तिरंगा केवल ध्वज नहीं बल्कि स्वतंत्र भारत का सपना था। इसलिए जब 21 जुलाई 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज का दर्जा मिला तो यह उन सभी बलिदानियों के संघर्ष का सम्मान भी था।

इसके बाद 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ तब पहली बार स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में तिरंगा पूरे गौरव के साथ फहराया गया। दिल्ली के लाल किले सहित देशभर में राष्ट्रीय ध्वज लहराया और करोड़ों भारतीयों ने इसे स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में नमन किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

क्रिकेट मैदान के साहसी बल्लेबाज

रॉबिन उथप्पा

रॉबिन उथप्पा का जन्म 21 जुलाई 1985 को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हुआ। वे भारत के उन प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिने जाते हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेहतरीन विकेटकीपिंग से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विशेष पहचान बनाई। बचपन से ही उन्हें क्रिकेट का शौक था और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी शानदार बल्लेबाजी के कारण उन्हें जल्द ही भारतीय टीम में जगह मिली। उथप्पा दाएं हाथ के बल्लेबाज और आवश्यकता पड़ने पर विकेटकीपर की भूमिका भी निभाते थे।

रॉबिन उथप्पा ने वर्ष 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। अपने पहले ही मैच में उन्होंने निडर बल्लेबाजी का परिचय दिया और क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में वर्ष 2007 का आईसीसी टी20 विश्व कप शामिल है। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहली बार टी20 विश्व कप जीता था। इस विजेता टीम का हिस्सा बनकर उथप्पा ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया।

कविता

सावन आया

वीरेंद्र शर्मा वात्स्यायन, सेवानिवृत्त प्रवक्ता
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

रवि मंडल के शुभ्र गोल में पीत-विभा थी झांक रही,
'सावन आया'....मेघ गर्जना फिर अपने को आंक रही,
बीती बातें, मिटते वादे...अब तो बादल बरस पड़े,
धरती की गर्मी की सांसों पर मयूर गण तरस पड़े।
कृषक संगिनी की आंखें थीं देख रही मेघों की माला,
बुनती जाती थी जो प्रतिपल अभिनव जल का सुंदर जाला,
उमड़-घुमड़ कर घन में फिरते देख मयूरी नाचे जाती,
नाचे नृत्य मय मोर भी सुनी प्रिया जब मधुमय गाती।

बढ़ती जंक फूड संस्कृति बच्चों और युवाओं के स्वास्थ्य के लिए बन रही गंभीर चुनौती

हर वर्ष 21 जुलाई को विश्व जंक फूड दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को जंक फूड के अत्यधिक सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों के प्रति जागरूक करना और संतुलित एवं पौष्टिक भोजन अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आधुनिक जीवनशैली में भागदौड़ बढ़ने के साथ लोगों का रुझान ऐसे खाद्य पदार्थों की ओर तेजी से बढ़ा है जो स्वादिष्ट तो होते हैं लेकिन शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते। यही कारण है कि मोटापा मधुमेह उच्च रक्तचाप हृदय रोग और अन्य कई गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। विश्व जंक फूड दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि भोजन केवल स्वाद के लिए नहीं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी होना चाहिए।

डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, डा. धावन, तहसील बल्ह
जिला मंडी (हि.प्र.)

जंक फूड ऐसे खाद्य पदार्थों को कहा जाता है जिनमें कैलोरी अधिक होती है लेकिन शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे विटामिन खनिज प्रोटीन और फाइबर बहुत कम मात्रा में होते हैं। इनमें अत्यधिक मात्रा में चीनी नमक संतृप्त वसा और कृत्रिम रंग या स्वाद मिलाए जाते हैं। पिज्जा बर्गर फ्रेंच फ्राइज चिप्स नूडल्स तले हुए स्नैक्स कोल्ड ड्रिंक कैंडी चॉकलेट और विभिन्न प्रकार के पैकेटबंद खाद्य पदार्थ जंक फूड की श्रेणी में आते हैं। इनका कभी कभार सीमित मात्रा में सेवन नुकसानदायक नहीं माना जाता लेकिन नियमित और अधिक मात्रा में इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

आज के समय में जंक फूड का सबसे अधिक प्रभाव बच्चों और युवाओं पर देखा जा रहा है। आकर्षक विज्ञापन चमकदार पैकेजिंग और आसान उपलब्धता के कारण बच्चे घर के भोजन की तुलना में बाहर मिलने वाले फास्ट फूड को अधिक पसंद करने लगे हैं। स्कूलों के आसपास फास्ट फूड की दुकानों की बढ़ती संख्या और मोबाइल एप के माध्यम से कुछ ही मिनटों में भोजन की डिलीवरी ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है। कई बार माता पिता समय की कमी के कारण भी बच्चों को तैयार पैकेट वाला भोजन या फास्ट फूड दे देते हैं जिससे धीरे धीरे उनकी खानपान की आदतें बदल जाती हैं।

जंक फूड का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मोटापे के रूप में सामने आता है। इनमें मौजूद अतिरिक्त कैलोरी शरीर में वसा के रूप में जमा होने लगती है जिससे वजन तेजी से बढ़ता है। बढ़ता हुआ वजन आगे चलकर मधुमेह हृदय रोग जोड़ों के दर्द और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि यदि बच्चों में मोटापा बढ़ता रहा तो भविष्य में कम उम्र में ही गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा।

जंक फूड का अत्यधिक सेवन मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाल सकता है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक चीनी और वसा वाले खाद्य पदार्थ मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। इससे थकान चिड़चिड़ापन ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और पढ़ाई या काम में प्रदर्शन पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। बच्चों में एकाग्रता की कमी और ऊर्जा में असंतुलन भी कई बार अस्वस्थ खानपान से जुड़ा होता है।

हृदय स्वास्थ्य की दृष्टि से भी जंक फूड चिंता का विषय है। इनमें मौजूद ट्रांस फैट और संतृप्त वसा शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ा सकते हैं। इससे धमनियों में वसा जमा होने लगती है और हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। अत्यधिक नमक वाले खाद्य पदार्थ उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा कर सकते हैं जो आगे चलकर स्ट्रोक और हृदयाघात जैसी गंभीर स्थितियों का कारण बन सकता है।

मीठे पेय पदार्थ और कोल्ड ड्रिंक भी जंक फूड संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इनमें अत्यधिक मात्रा में चीनी होती है जो शरीर में अतिरिक्त कैलोरी पहुंचाती है। नियमित रूप से इनका सेवन करने वाले लोगों में मधुमेह और मोटापे का खतरा अधिक पाया गया है। इसके अलावा ऐसे पेय दांतों की सड़न और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याओं को भी बढ़ा सकते हैं।

विश्व जंक फूड दिवस केवल नुकसान गिनाने का अवसर नहीं है बल्कि बेहतर विकल्प अपनाने का भी संदेश देता है। घर का ताजा भोजन संतुलित आहार का सबसे अच्छा उदाहरण है। दाल हरी सब्जियां फल दूध दही अंकुरित अनाज मोटे अनाज सूखे मेवे और मौसमी फल शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। यदि बच्चों को बचपन से ही स्वस्थ भोजन की आदत डाली जाए तो वे जीवनभर अच्छे स्वास्थ्य का लाभ उठा सकते हैं।

स्कूलों की भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों में पोषण शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए और बच्चों को स्वस्थ भोजन के महत्व के बारे में नियमित जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूल कैंटीन में पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जाएं तथा अत्यधिक तले हुए और मीठे खाद्य पदार्थों की बिक्री सीमित की जाए। इससे बच्चों में स्वस्थ खानपान की आदत विकसित करने में सहायता मिलेगी।

परिवार का वातावरण भी खानपान की आदतों को प्रभावित करता है। यदि माता पिता स्वयं संतुलित भोजन करेंगे और परिवार के साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा अपनाएंगे तो बच्चे भी उसी का अनुसरण करेंगे। बच्चों को भोजन बनाने की प्रक्रिया में शामिल करना और फलों तथा सब्जियों के महत्व को सरल भाषा में समझाना भी उपयोगी हो सकता है।

सरकार और स्वास्थ्य संस्थानों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। समय समय पर जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को संतुलित आहार के महत्व से अवगत कराया जाना चाहिए। खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग पर पोषण संबंधी जानकारी स्पष्ट रूप से लिखी जाए ताकि उपभोक्ता सही निर्णय ले सकें। स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर पौष्टिक भोजन को बढ़ावा देने वाली नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन भी आवश्यक है। स्वस्थ जीवनशैली केवल अच्छे भोजन तक सीमित नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

बहराइच में जल निकासी ठप होने से सैकड़ों बीघे धान की फसल जलमग्न

एजेंसी, बहराइच। बहराइच-गोंडा राजमार्ग पर पयागपुर बस स्टॉप से गल्ला मंडी तक जल निकासी व्यवस्था ठप होने से किसानों की सैकड़ों बीघे धान की फसल पानी में डूब गई है। किसानों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए सरकारी पुलों को दबंग दुकानदारों ने पाटकर दुकानें बना लीं, जिससे पानी निकासी बंद हो गई। लगातार बारिश के कारण खेतों में पानी जमा है और फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है। किसानों ने प्रशासन से बंद जल मार्ग खुलवाने और स्थायी समाधान की मांग की है। वहीं, भारी बारिश के अलर्ट के चलते जिला प्रशासन ने दो दिनों के लिए स्कूल बंद रखने के आदेश दिए हैं। तहसीलदार ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

देवरिया में 72 करोड़ से बनेगा रेलवे ओवरब्रिज, अगस्त से शुरू होगा निर्माण

एजेंसी, देवरिया। देवरिया में कसया रेलवे ढाले पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) परियोजना को अंतिम मंजूरी मिल गई है। करीब 72.03 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस आरओबी का निर्माण अगस्त के पहले सप्ताह से शुरू होगा। देवरिया भीखमपुर मार्ग स्थित व्यस्त रेलवे क्रॉसिंग पर फाटक बंद होने से लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। दो लेन वाले इस आरओबी की लंबाई 613.89 मीटर होगी। इसमें रेलवे और उत्तर प्रदेश सेतु निगम संयुक्त रूप से निर्माण कार्य करेंगे। आरओबी बनने से व्यापारियों, छात्रों, मरीजों और रोजाना सफर करने वाले हजारों लोगों को सुविधा मिलेगी। परियोजना के तहत सर्विस लेन भी बनाई जाएगी। रेलवे की तकनीकी आपत्तियों के बाद संशोधित ड्राइंग को मंजूरी मिलने से निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

केलकर जी की कार्यशैली से कार्यकर्ता निर्माण की सीखः योगेंद्र उपाध्याय

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्राध्यापक यशवंत राव केलकर ने सकारात्मक आंदोलनों से व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र प्रथम की भावना सिखाई। वह सोमवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के काशी प्रांत की ओर से आयोजित 'प्रिय केलकर जी' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि केलकर जी ने आदर्शों को आचरण में उतारकर समर्पित कार्यकर्ताओं की टोली तैयार की। कार्यक्रम में एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. रघुराज किशोर तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ता निर्माण की पाठशाला है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी, विधायक भूपेश चौबे समेत कई पदाधिकारी और पूर्व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सई नदी में डूबे दो सगे भाइयों समेत तीन किशोर, रेस्क्यू के बाद मिले शव

एजेंसी, प्रतापगढ़। सई नदी में डूबे दो सगे भाइयों कृष्णा सोनी (16) और अनुराग सोनी (13) के शव सोमवार सुबह बरामद कर लिए गए। स्थानीय गोताखोरों ने छह घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला। इससे पहले रविवार को फुफेरे भाई अमित सोनी (17) का शव मिला था। तीनों किशोर खीरीबीर पुल के पास नदी में नहाने गए थे। तेज बहाव में अमित डूब गया, उसे बचाने के प्रयास में दोनों भाई भी नदी में उतर गए और हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आत्मनिर्भर बन रहे कौशल विकास विभाग से प्रशिक्षित युवाः कपिल देव अग्रवाल

एजेंसी, लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'योगी की पाती' को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास विभाग से प्रशिक्षित युवा आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश के विकास में योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से युवाओं को कौशल से जुड़कर विकसित उत्तर प्रदेश और एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में भागीदारी का संदेश दिया है। मंत्री ने बताया कि सरकार पारंपरिक कौशल और आधुनिक तकनीक के समन्वय से प्रदेश को कौशल प्रदेश बना रही है। उन्होंने युवाओं से कौशल सीखकर रोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की।

जांच के बहाने गहने समेटने लगे फर्जी अधिकारी, बाजारवासियों ने दबोचा

एजेंसी, जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में बदमाशों ने खुद को इनकम टैक्स अधिकारी बताकर सर्राफा कारोबारी की दुकान में लूट की कोशिश की। हालांकि, व्यापारी और उनकी पत्नी की सतर्कता से वारदात नाकाम हो गई। बाजार के लोगों ने घेराबंदी कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि दो बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मामला रामपुर थाना क्षेत्र के गोपालापुर पुरानी बाजार का है। रविवार शाम करीब चार बजे बोलेरो वाहन से पांच लोग सर्राफा व्यवसायी दिनेश बरनवाल की दुकान पर पहुंचे। आरोपियों ने खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताते हुए परिचय पत्र दिखाया और जांच के नाम पर दुकान के लॉकर में रखे सोने-चांदी के आभूषण बाहर निकलवाए। आरोप है कि बदमाशों ने सभी गहनों को एक बैग में भर लिया। जब व्यापारी ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, बदमाशों ने व्यापारी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी अपने कब्जे में ले ली। रिवॉल्वर छीने जाने पर दंपति को शक हुआ और उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के दुकानदार और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने बदमाशों को घेर लिया, जिसके बाद दो आरोपी भाग निकले, जबकि तीन को बोलेरो वाहन समेत पकड़ लिया गया। पुलिस जांच में वाहन का नंबर फर्जी पाए जाने की आशंका जताई गई है। क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय चौधरी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। फरार बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस टीमें जुटी हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

काशी विश्वनाथ धाम में सोमवासरीय रुद्राभिषेक, श्री अविमुक्तेश्वर महादेव की वैदिक विधि से आराधना

मंदिर न्यास की परंपरा के तहत आयोजित रुद्राभिषेक में वैदिक विधि से भगवान शिव की आराधना की गई

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम में सोमवार को परंपरा के अनुसार सोमवासरीय रुद्राभिषेक का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। मंदिर न्यास के संकल्प के तहत धाम परिसर स्थित श्री अविमुक्तेश्वर महादेव का विधिवत पूजन, रुद्राभिषेक और संकल्प पाठ किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच देश और प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि तथा जनकल्याण की प्रार्थना की गई।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाला यह धार्मिक आयोजन लगातार जारी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार वर्ष 2024 के कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि से इस परंपरा की शुरुआत की गई थी। इसके बाद से प्रत्येक सोमवार को श्री अविमुक्तेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक नियमित रूप से किया जा रहा है। इस अनुष्ठान का उद्देश्य भगवान शिव की आराधना के साथ लोककल्याण और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देना है।

सोमवार होने के कारण सुबह से ही श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे शिवभक्तों ने बाबा विश्वेश्वर के दर्शन किए और रुद्राभिषेक व पूजन-अर्चन में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रों की गूंज और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा प्रकट करते हुए धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की।

मंदिर परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। मंदिर न्यास के अधिकारियों ने बताया कि सोमवासरीय रुद्राभिषेक और संकल्प पाठ की परंपरा बिना किसी बाधा के लगातार संचालित की जा रही है। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही ये समाज में एकता, सद्भाव और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश भी देते हैं। भगवान शिव की उपासना में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रुद्राभिषेक करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है।

काशी विश्वनाथ धाम में आयोजित यह अनुष्ठान श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर न्यास की ओर से भविष्य में भी इस परंपरा को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में सेवा, समर्पण और लोककल्याण की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। मंदिर न्यास ने बताया कि आगे भी यह धार्मिक परंपरा श्रद्धा और विधि-विधान के साथ निरंतर जारी रखी जाएगी। इससे काशी की धार्मिक परंपराओं को नई ऊर्जा मिलेगी और श्रद्धालुओं में आस्था, भक्ति तथा आध्यात्मिक चेतना का विस्तार होगा।

इटावा के दो बदमाशों की पुलिस मुठभेड़ में मौत की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

एजेंसी, फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान इटावा के दो बदमाशों की मौत के मामले में जिला प्रशासन ने निष्पक्ष जांच के लिए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। जिला मजिस्ट्रेट संतोष कुमार शर्मा ने घटना की जांच के लिए उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद राजेश कुमार शुक्ला को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। जानकारी के अनुसार, इटावा पुलिस ने 17 जुलाई को शिकोहाबाद थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में वांछित अपराधियों की तलाश में घेराबंदी की थी।

इसी दौरान पुलिस टीम और आरोपितों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में इटावा निवासी अंकित पुत्र किशन चंद्र और सुमित यादव उर्फ सोनू पुत्र गुलाब सिंह घायल हो गए थे। दोनों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में शिकोहाबाद थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जांच के आदेश दिए हैं।

जांच अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वह घटना से जुड़े सभी तकनीकी, चिकित्सीय और प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्यों की गहन जांच करें। साथ ही पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करते हुए 14 कार्यदिवस के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपने को कहा गया है। प्रशासन ने निष्पक्ष और न्यायसंगत कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। मजिस्ट्रियल जांच के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण, पुलिस कार्रवाई से जुड़े दस्तावेजों की समीक्षा और संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जाएंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से पूरी होगी।

चुनावी रणनीति को धार देने में जुटा रालोद संगठन

वाराणसी घाट जलमग्न, गंगा का बढ़ा जलस्तर

एजेंसी, वाराणसी

धार्मिक नगरी काशी में लगातार हो रही बारिश के बीच गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही भारी वर्षा का असर अब वाराणसी में भी दिखाई देने लगा है। सोमवार को गंगा की लहरें दशाश्वमेध घाट स्थित गंगा सेवा निधि के आरती मंच तक पहुंच गईं। घाटों की निचली सीढ़ियों पर बने कई छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं।

दशाश्वमेध घाट तक पहुंची गंगा की लहरें प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार वाराणसी में गंगा का जलस्तर सोमवार सुबह 60.88 मीटर दर्ज किया गया। हालांकि यह चेतावनी स्तर से नीचे है, लेकिन पिछले तीन दिनों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने पूर्वांचल में भारी बारिश की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है। लोगों से नदी किनारे जाने से बचने की अपील की गई है। जल पुलिस और संबंधित विभागों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

जन भवन के कर्मचारियों ने किया श्रमदान, स्वच्छता का दिया संदेश

एजेंसी, लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से सोमवार को जन भवन के अधिकारियों, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों ने ऐशबाग रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के तहत रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रमदान कर सफाई की गई। इस दौरान बड़ी मात्रा में फैले कचरे को हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अभियान में जन भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रेलवे ट्रैक के आसपास जमा गंदगी को साफ किया। सफाई कार्य के दौरान करीब 25 टन कचरा एकत्र कर उसका उचित निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना है। श्रमदान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है।

आईआईटी कानपुर में ग्रीन हाइड्रोजन पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना होगी : प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल

एजेंसी, कानपुर

ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी कानपुर में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024 के तहत प्रस्तावित इस केंद्र को राज्य सरकार की अधिकृत समिति और यूपीनेडा से मंजूरी मिल गई है।

आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने बताया कि केंद्र का उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन की पूरी मूल्य श्रृंखला में तकनीकी विकास को बढ़ावा देना है। इसमें उत्पादन, भंडारण, परिवहन, उपयोग और ऊर्जा प्रणालियों के एकीकरण पर शोध किया जाएगा। परियोजना के तहत ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की लागत कम करने और टिकाऊ ऊर्जा समाधान विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। केंद्र का नेतृत्व सतत ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर प्रबोध बाजपेयी करेंगे।

आईआईटी कानपुर का मानना है कि यह पहल स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की भूमिका को मजबूत करेगी और नेट-जीरो लक्ष्य हासिल करने में मददगार साबित होगी इस केंद्र के माध्यम से उद्योगों और शोध संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। नई तकनीकों के विकास के साथ ग्रीन हाइड्रोजन के व्यावसायिक उपयोग को भी गति मिलने की उम्मीद है।

जौनपुर में एआईएमआईएम का प्रदर्शन जौहर यूनिवर्सिटी बचाने की अपील

एजेंसी, जौनपुर

उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने के प्रस्तावित आदेश के विरोध में सोमवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने जौनपुर में प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग उठाई।

38 भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ एआईएमआईएम ने उठाई आवाज

प्रदर्शन का नेतृत्व एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष इमरान बंटी ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम सदर योगिता सिंह को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि विश्वविद्यालय के भवनों को गिराने की प्रस्तावित कार्रवाई को तत्काल रोका जाए और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लिया जाए। जिलाध्यक्ष इमरान बंटी ने कहा कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय केवल इमारतों का समूह नहीं है, बल्कि यह हजारों विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रशासनिक, कानूनी या राजनीतिक विवाद का असर छात्रों के भविष्य पर नहीं पड़ना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि भवनों के ध्वस्तीकरण से सबसे ज्यादा नुकसान उन विद्यार्थियों को होगा, जिनका इस विवाद से कोई संबंध नहीं है। एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने सरकार और प्रशासन से छात्रों के हितों की रक्षा करने तथा विश्वविद्यालय को लेकर संवेदनशीलता बरतने की मांग की।

अमेठी में चोर 18 लाख के जेवर और नकदी लेकर फरार

एजेंसी, अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। घटना बाजारशुकुल थाना क्षेत्र के महोना गांव स्थित पूरे सारी का पुरवा की है। चोरी की जानकारी सोमवार सुबह होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बाजारशुकुल थाना प्रभारी विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि गांव निवासी नसीर अहमद के घर में रविवार देर रात अज्ञात चोर घुस गए। चोरों ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कमरे में रखे करीब 18 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात तथा 12 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

सुबह जब परिजनों की नींद खुली तो घर में सामान बिखरा मिला और चोरी की घटना का पता चला। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी और थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। सूचना मिलते ही बाजारशुकुल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के निर्देश पर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से चोरों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर चोरी की रकम और आभूषण बरामद करने का दावा किया है।

नीट परीक्षा विवाद पर छात्र संगठनों का विरोध, प्रशासन ने रोका प्रदर्शन

एजेंसी, वाराणसी

नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए सोमवार को वाराणसी में छात्र संगठनों ने प्रदर्शन की तैयारी की। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शन से पहले ही कई स्थानों पर छात्रों को रोक दिया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के छात्रावासों से बड़ी संख्या में छात्र लंका चौराहे की ओर बढ़ रहे थे।

इसकी जानकारी मिलते ही लंका थाना पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर छात्रों को रोक दिया। पुलिसकर्मियों ने छात्रों को आगे जाने की अनुमति नहीं दी। इसी तरह महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से निकलने वाले छात्रों को भी विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के पास ही रोक दिया गया। वहीं, प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लंका चौराहे पर पहुंचे कुछ छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। समाजवादी छात्र सभा के पदाधिकारी अभिषेक यादव ने कहा कि नीट परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं और पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। छात्र नेताओं ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली में सुधार, पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून बनाने और परीक्षा व्यवस्था में तकनीकी सुरक्षा मजबूत करने की मांग भी उठाई। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह निगरानी बढ़ाई।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने लंका चौराहे और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। अधिकारियों ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। छात्र संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन देने और निष्पक्ष जांच की मांग जारी रखने की बात कही।

विकास | 82 परियोजनाओं से बाराबंकी में बढ़ेंगी सुविधाएं, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

बाराबंकी में 542 करोड़ की परियोजनाएं, योगी बोले- विरासत हमारी पहचान

एजेंसी, बाराबंकी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी जिले में 542.41 करोड़ रुपये की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उत्तर भारत के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री लोधेश्वर महादेवा धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी सरकार की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि विरासत सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की पहचान है, जिसे सुरक्षित रखना सभी का दायित्व है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए अलग-अलग कालखंडों में कई महापुरुषों ने अपना जीवन समर्पित किया। राजा बलभद्र सिंह, लाखन पासी और महाराजा बिजली पासी ने विदेशी शासन के खिलाफ संघर्ष किया। वहीं महाराजा सुहेलदेव, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोबिंद सिंह ने राष्ट्र, धर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि देश इन महान विभूतियों के योगदान को हमेशा याद रखेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। श्री लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण, पारिजात वृक्ष का संरक्षण और हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की हवेली को संरक्षित करने जैसे कार्य इसी सोच का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के विकास से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि एक समय हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू की हवेली बिकने की स्थिति में पहुंच गई थी, जो प्रदेश के लिए चिंताजनक था। वर्तमान सरकार ने हवेली को संरक्षित करने का निर्णय लिया और उनकी स्मृतियों को सहेजने का काम किया जा रहा है। योगी ने कहा कि वर्षों तक श्री लोधेश्वर महादेव धाम के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अब सरकार महादेवा कॉरिडोर के माध्यम से इस प्राचीन तीर्थ स्थल को नई पहचान देने का काम कर रही है। श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ क्षेत्र के समग्र विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान रामनगर विधानसभा क्षेत्र की 36 परियोजनाओं पर 282.28 करोड़ रुपये और दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र की 46 परियोजनाओं पर 260.12 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इन परियोजनाओं के तहत सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे। मंच पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत शंख ध्वनि और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ किया गया।

मीरजापुर में सुखदरिया दरी में डूबे बैंक कर्मी का शव 18 घंटे बाद मिला, एसडीआरएफ ने किया बरामद

एजेंसी, मीरजापुर

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सुखदरिया दरी जलप्रपात में डूबे निजी बैंक कर्मी अजय कश्यप का शव सोमवार को करीब 18 घंटे बाद एसडीआरएफ टीम ने बरामद कर लिया। शव मिलने के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया।

एसडीआरएफ टीम ने कुंड से बरामद किया लापता बैंक कर्मी का शव।

इससे पहले रविवार शाम को विकास झा का शव भी बरामद कर लिया गया था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र के तपोवन निवासी विकास झा और 32 वर्षीय अजय कश्यप उर्फ रिंकू अपने करीब एक दर्जन दोस्तों के साथ रविवार दोपहर सुखदरिया दरी जलप्रपात पर पिकनिक मनाने पहुंचे थे। शाम के समय दोनों युवक जलप्रपात के कुंड में नहाने के दौरान अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

गहरे पानी में नहाना पड़ा भारी, जलप्रपात में डूबे दो युवकों की मौत

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया। काफी तलाश के बाद रविवार शाम विकास झा का शव बरामद कर लिया गया, लेकिन अजय कश्यप का पता नहीं चल सका। इसके बाद सोमवार सुबह मीरजापुर से एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और परिजनों की मौजूदगी में सर्च अभियान शुरू किया। एसडीआरएफ टीम ने कई घंटे तक कुंड और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की। लगातार प्रयास के बाद टीम ने अजय कश्यप का शव भी बरामद कर लिया। मृतक अजय कश्यप वाराणसी के वरुणा क्षेत्र स्थित आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत थे। अहरौरा थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्र ने बताया कि दोनों शवों को थाने लाकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की गई।

इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए मीरजापुर भेज दिया गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में जलप्रपात, नदी और गहरे जलाशयों में उतरते समय विशेष सावधानी बरतें, क्योंकि तेज बहाव और गहराई के कारण हादसों का खतरा बढ़ जाता है। एसडीआरएफ टीम की कार्रवाई के बाद अजय कश्यप का शव मिलने से तलाश अभियान समाप्त हुआ। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

बछड़े को बचाने में चार युवाओं की मौत महापंचायत ने उठाई मुआवजे की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

झज्जर जिले के मुनीमपुर गांव में बछड़े को बचाने के प्रयास में जहरीली गैस की चपेट में आकर चार युवाओं की मौत का मामला अब तूल पकड़ गया है। घटना के विरोध में सोमवार को गांव में सर्व समाज की विशाल महापंचायत आयोजित की गई। इसमें ग्रामीणों ने प्रशासनिक लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए मृतकों के परिवारों के लिए न्याय और आर्थिक सहायता की मांग की।

बताया गया कि शिव मंदिर के पास स्थित एक कुएं में गाय का बछड़ा गिर गया था। उसे बचाने के लिए चार युवक कुएं में उतरे, लेकिन अंदर मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। महापंचायत में ग्रामीणों ने मृत युवाओं को शहीद का दर्जा देने, प्रत्येक परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग रखी। ग्रामीणों ने कहा कि समय पर उचित व्यवस्था और सुरक्षा उपाय होते तो हादसे को टाला जा सकता था। महापंचायत के दौरान सर्व समाज के लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों की मदद और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में उपायुक्त के नाम ज्ञापन भी तैयार किया गया।

ग्रामीणों ने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले युवाओं का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। महापंचायत में मौजूद लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा मानकों की जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। अधिकारियों ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

रिटायर्ड एयर मार्शल से 2.65 करोड़ की ठगी दुबई नेटवर्क सहित छह आरोपी गिरफ्तार

दुबई से संचालित साइबर ठगी नेटवर्क का खुलासा, गाजियाबाद-दिल्ली-बहादुरगढ़ से छह आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ईस्ट ने रिटायर्ड एयर मार्शल से 2 करोड़ 65 लाख रुपये की निवेश धोखाधड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए ठगी करने वाले दूसरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में गाजियाबाद, दिल्ली और बहादुरगढ़ से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि ठगी का पूरा नेटवर्क दुबई से संचालित किया जा रहा था और आरोपी अलग-अलग खातों के माध्यम से ठगी की रकम को आगे भेजते थे।

पुलिस के अनुसार, यह मामला पिछले साल जनवरी का है, जब रिटायर्ड एयर मार्शल टीएस चटवाल को निवेश के नाम पर झांसा देकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। शिकायत मिलने के बाद साइबर क्राइम पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस को ठगी की रकम के लेन-देन से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग मिले।

एसीपी साइबर क्राइम गौरव फोगाट ने बताया कि मामले की जांच क्राइम यूनिट साइबर डिवीजन द्वारा की जा रही है। जांच में पता चला कि ठगी की रकम में से छह लाख रुपये इंडियन ओवरसीज बैंक के एक संयुक्त खाते में जमा हुए थे। यह खाता सोनू चौधरी और आकाश सोनी के नाम पर था।

बैंक खाते की जांच और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने सोनू चौधरी को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान सोनू ने बताया कि उसने अपना बैंक खाता बहादुरगढ़ निवासी पुनीत नामक व्यक्ति को उपलब्ध कराया था। इसके बाद पुलिस टीम ने 19 जुलाई को बहादुरगढ़ स्थित ओमेक्स सिटी में छापेमारी कर पुनीत, अभिषेक, विकास और दुष्यंत को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पुनीत ने दिल्ली के द्वारका निवासी सम्राट के कहने पर बैंक खाते उपलब्ध कराए और इन्हें आगे बेचने का काम किया।

जांच में सामने आया है कि आरोपी साइबर ठगी से प्राप्त रकम को कई बैंक खातों में ट्रांसफर कर उसे छिपाने का प्रयास करते थे। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में दुबई से जुड़े लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। साइबर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन निवेश के दौरान सावधानी बरतें और किसी भी अनजान व्यक्ति के झांसे में आकर अपनी निजी जानकारी या बैंक संबंधी विवरण साझा न करें।

हरियाणा में बदला मौसम का मिजाज, 8 जिलों में बारिश और अगले 24 घंटे में अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदला और आठ जिलों में बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। वहीं, पानीपत में आसमान पर काली घटाएं छाने से लोगों को अच्छी बारिश की उम्मीद बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मानसून गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर तेज बारिश के साथ बादल गरजने और बिजली चमकने की भी संभावना जताई गई है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी, जिसके कारण कई इलाकों में उमस और गर्मी बढ़ गई थी। किसानों को भी बारिश का इंतजार था, क्योंकि खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त नमी जरूरी है। अब बारिश होने से धान समेत अन्य फसलों को फायदा मिलने की उम्मीद है। प्रदेश के कई हिस्सों में हुई बारिश से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम में बदलाव के कारण लोगों को राहत मिली है। हालांकि, बारिश के बाद कुछ शहरी इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आ सकती है। प्रशासन ने संबंधित विभागों को जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी के कारण हरियाणा में मानसून की गतिविधियां फिर बढ़ रही हैं। आने वाले दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय होने वाली बारिश फसलों के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। धान की रोपाई वाले क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई की जरूरत कम पड़ेगी और फसल की बेहतर वृद्धि में मदद मिलेगी। मौसम विभाग ने लोगों को तेज बारिश और खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। खुले स्थानों पर रहने वाले लोगों को बिजली चमकने के दौरान सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। आने वाले 24 घंटे हरियाणा के लिए मौसम के लिहाज से महत्वपूर्ण रहने वाले हैं। मौसम विभाग के अनुसार मानसून की सक्रियता बढ़ने से प्रदेश में बारिश का दायरा और बढ़ सकता है। लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं किसानों को फसलों के लिए जरूरी नमी मिलने की उम्मीद है। प्रशासन भी सतर्क है।

न्यूज ब्रीफ

स्कूल से लापता हुए दो छात्र सकुशल बरामद परिजनों ने ली राहत की सांस

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। टोहाना क्षेत्र के गांव बोस्ती स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हुए दो छात्रों को थाना सदर टोहाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक साधुराम ने बताया कि 18 जुलाई को बच्चों के लापता होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर तुरंत तलाश शुरू की। एसपी निकिता खट्टर के निर्देश पर अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। टीमों ने बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की। तकनीकी सहायता और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर दोनों छात्रों को सुरक्षित ढूंढ लिया गया। बच्चों के मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 5.80 लाख ठगे, तीन आरोपी दबोचे

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। दिल्ली पुलिस की उत्तर-पूर्व जिला साइबर थाना टीम ने सेक्सटॉर्शन मामले का खुलासा करते हुए फरीदाबाद के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति को अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 5.80 लाख रुपये ठगे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेश, कुनाल और इमरान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को वॉट्सएप पर वीडियो कॉल के जरिए जाल में फंसाया गया था। इसके बाद आरोपियों ने खुद को पुलिस अधिकारी और अन्य विभागों से जुड़ा बताकर धमकाया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच और बैंक खातों की पड़ताल कर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पुलिस ने इमरान के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

शॉर्ट सर्किट से खिलौना फाइबर फैक्ट्री में लगी आग, करोड़ों का नुकसान

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। काबड़ी रोड स्थित अर्जुन नगर में खिलौनों में इस्तेमाल होने वाली फाइबर बनाने की फैक्ट्री में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आग से फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का कच्चा और तैयार माल समेत मशीनें जलकर खाक हो गईं। फैक्ट्री मालिक अरुण के अनुसार बिजली के पैनल में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। गोदाम में करीब 50 से 60 टन कच्चा माल और 10 टन तैयार माल रखा था, जो पूरी तरह नष्ट हो गया। पड़ोसी महिला ने आग देखकर सूचना दी। फैक्ट्री मालिक ने फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के देरी से पहुंचने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि समय पर कार्रवाई होती तो नुकसान कम हो सकता था।

डेथ कॉरिडोर बनी आगरा-गुरुग्राम नहर, चार साल में 50 से ज्यादा मौतें

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। आगरा और गुरुग्राम नहरें अब लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ी चिंता बन गई हैं। बीते चार वर्षों में इन नहरों में डूबने से 50 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस के अनुसार वर्ष 2022 से लगातार आत्महत्या, हादसे और संदिग्ध मौतों के मामले सामने आ रहे हैं। करीब 26 किलोमीटर तक बहने वाली दोनों नहरों के अधिकांश पुलों पर सुरक्षा जाल और ऊंची रेलिंग की कमी है। स्थानीय लोगों ने दिल्ली की तर्ज पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। पुलिस ने बताया कि गश्त बढ़ाई गई है और संबंधित विभागों को सुरक्षा उपायों के लिए पत्र भेजे गए हैं। लोगों का कहना है कि पुलों पर सीसीटीवी कैमरे, बैरिकेडिंग और बेहतर प्रकाश व्यवस्था होने से नहरों में होने वाली घटनाओं पर काफी हद तक रोक लग सकती है।

भरी बैठक में मंत्री पंवार का बड़ा एक्शन लेडी एसएचओ-एएसआई निलंबित

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

हरियाणा के मंत्री पंवार ने पंचकूला में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए एक महिला एसएचओ और एक महिला एएसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई, जिससे प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई।

मंत्री पंवार ने अधिकारियों से कहा कि कानून का पालन कराने वाले अधिकारियों को स्वयं कानून की पूरी जानकारी और जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करेंगे तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संबंधित अधिकारियों को कानून का ज्ञान देना होगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने मामले की विस्तृत जांच के भी निर्देश दिए और कहा कि वह स्वयं जांच रिपोर्ट प्राप्त करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि दोषी पाए जाने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

साथ ही जिन अधिकारियों का कार्य संतोषजनक है, उन्हें प्रोत्साहित भी किया जाएगा। बैठक में मौजूद अन्य अधिकारियों को भी अपने कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता बनाए रखने की हिदायत दी गई। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को त्वरित और निष्पक्ष न्याय दिलाना है तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना प्राथमिकता है।

यमुनानगर में किसानों ने टोल प्लाजा पर लगाया जाम, गुरनाम चढ़ूनी की रिहाई की मांग तेज

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

किसान नेता गुरनाम चढ़ूनी की रिहाई की मांग को लेकर सोमवार को यमुनानगर में किसानों ने टोल प्लाजा पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। बड़ी संख्या में किसान टोल प्लाजा पर एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई यात्रियों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शनकारी किसानों का कहना था कि गुरनाम चढ़ूनी किसानों की आवाज बुलंद करने वाले नेता हैं और उनके खिलाफ की गई कार्रवाई उचित नहीं है। किसानों ने मांग की कि उन्हें जल्द से जल्द रिहा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा किसानों से बातचीत कर स्थिति को सामान्य बनाने का प्रयास किया।

अधिकारियों ने किसानों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की अपील की। हालांकि, किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे और कुछ समय तक टोल प्लाजा पर प्रदर्शन जारी रखा। जाम के कारण छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यातायात पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों से वाहनों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन कई स्थानों पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी और सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। किसान संगठनों ने कहा कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और उनका उद्देश्य सरकार तक अपनी मांग पहुंचाना है।

खरखौदा न्यायालय से लौटते समय दो सगे भाइयों पर हमला

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। खरखौदा न्यायालय से पेशी के बाद लौट रहे दो सगे भाइयों पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने लकड़ी के डंडों से दोनों भाइयों की पिटाई कर उन्हें घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायलों को उपचार के लिए खरखौदा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, फरमाना गांव निवासी अनुज और रोहित सोमवार को एक पुराने आपराधिक मामले में पेशी के लिए खरखौदा न्यायालय पहुंचे थे। न्यायिक अधिकारी के अवकाश पर होने के कारण दोनों ने अपनी हाजिरी दर्ज कराई और इसके बाद पैदल बस अड्डे की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान कुछ युवकों ने रास्ते में उन्हें घेर लिया और हमला कर दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने हमले के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई है।

संसद मार्च से पहले दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर सख्ती, बैरिकेडिंग कर पुलिस ने संभाला मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम-दिल्ली सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जंतर-मंतर पहुंचने वाले समर्थकों को रोकने के लिए सरहौल बॉर्डर समेत दिल्ली में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली की ओर जाने वाले संदिग्ध वाहनों और लोगों की तलाशी ली जा रही है।

पुलिसकर्मी आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ भी कर रहे हैं। सरहौल बॉर्डर पर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। अधिकारियों के अनुसार, मार्च में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में समर्थकों के दिल्ली पहुंचने की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बॉर्डर प्वाइंट्स पर विशेष निगरानी रखी है। गुरुग्राम से दिल्ली जाने वाले लोगों को जांच प्रक्रिया के कारण कुछ समय की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पुलिस की ओर से यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल को भी तैयार रखा गया है। सरहौल बॉर्डर के अलावा दिल्ली से जुड़े अन्य प्रवेश मार्गों पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है और किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे जांच प्रक्रिया में सहयोग करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर पूरे दिन पुलिस की सक्रियता बनी रहने की संभावना है।

पुलिस ने बताया कि मार्च को देखते हुए दिल्ली गुरुग्राम सीमा पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। सभी प्रमुख रास्तों पर निगरानी रखी जा रही है और यातायात व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है। सुरक्षा कारणों से यात्रियों को कुछ अतिरिक्त समय लग सकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरी होने पर ही वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और किसी भी तरह की अफवाहों से बचें। बॉर्डर पर सुरक्षा जांच लगातार जारी रहेगी।

बंद पड़े कुएं बन रहे गैस चैंबर, जहरीली गैसों से बढ़ा जान का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर। लंबे समय से बंद पड़े कुएं अब लोगों के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। पानी का इस्तेमाल बंद होने और रखरखाव के अभाव में इन कुओं के अंदर जैविक कचरा जमा होकर सड़ने लगता है, जिससे जहरीली गैसों का निर्माण होता है। ये गैसें इंसान की जान के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे कुओं में हाइड्रोजन सल्फाइड, मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें जमा हो सकती हैं। इन गैसों की अधिक मात्रा से ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जिससे कुछ ही समय में व्यक्ति बेहोश होकर हादसे का शिकार हो सकता है। पुराने कुओं की सफाई या बचाव कार्य के दौरान बिना सुरक्षा उपकरणों के उतरना बेहद जोखिम भरा है। प्रशासन और लोगों को ऐसे जलस्रोतों की पहचान कर उचित सुरक्षा उपाय करने की जरूरत है। ऑक्सीजन सिलेंडर, गैस मास्क और जांच उपकरणों के बिना कुएं में उतरने से बचना चाहिए।

हरिद्वार रूट पर बढ़ेगा परिवहन, कांवड़ यात्रा के लिए रोडवेज पूरी तरह तैयार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

कांवड़ यात्रा को लेकर हरियाणा रोडवेज फरीदाबाद डिपो ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए हरिद्वार रूट पर चार अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यदि यात्रियों की संख्या अनुमान से अधिक रही तो अस्थायी परमिट लेकर और बसें भी संचालित की जाएंगी, ताकि किसी भी श्रद्धालु को यात्रा में परेशानी का सामना न करना पड़े।

ड्यूटी इंचार्ज जयपाल राठी ने बताया कि वर्तमान में बल्लभगढ़ से हरिद्वार के लिए दो नियमित बसें संचालित हो रही हैं। इनमें पहली बस सुबह 5:30 बजे और दूसरी रात 8 बजे रवाना होती है। इसके अलावा पलवल से वाया बल्लभगढ़ होकर हरिद्वार जाने वाली एक बस प्रतिदिन सुबह करीब 11:30 बजे चलती है। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई से कांवड़ यात्रा के मद्देनजर विशेष व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। यातायात पुलिस द्वारा रूट डायवर्जन की सूचना मिलते ही बसों के संचालन में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे, ताकि यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।

रोडवेज अधिकारियों के अनुसार कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार जाने वाले यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। इसी कारण डिपो में कर्मचारियों की छुट्टियों पर फिलहाल रोक लगा दी गई है और सभी को ड्यूटी पर मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बसों की तकनीकी जांच, समयबद्ध संचालन और यात्रियों की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य है कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए। श्रद्धालुओं से समय से पहले बस अड्डों पर पहुंचने और यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। विभाग का दावा है कि यात्रा अवधि में निर्बाध, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी।

भिवानी बैठक में बिजली व्यवस्था फेल, मंत्री ने जिम्मेदार अधिकारी को तुरंत निलंबित किया

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

हरियाणा के भिवानी में आयोजित जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक के दौरान उस समय असहज स्थिति पैदा हो गई, जब कार्यक्रम के बीच अचानक बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बैठक में मौजूद मंत्री और अधिकारियों को मोबाइल फोन की रोशनी में लोगों की शिकायतें सुननी पड़ीं। घटना को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों से तत्काल जवाब तलब किया और प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने पर संबंधित सुपरिटेंडेंट को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए।

बताया गया कि मंत्री क्षेत्र की विकास योजनाओं और जनसमस्याओं की समीक्षा कर रहे थे। इसी दौरान बिजली गुल होने से बैठक कुछ समय के लिए प्रभावित हो गई। हालांकि, मंत्री ने बैठक बीच में नहीं छोड़ी और मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में ही लोगों की समस्याएं सुनते रहे। इस दौरान मौजूद लोगों ने भी बिजली व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। मंत्री ने मौके पर ही बिजली विभाग के अधिकारियों से घटना का कारण पूछा।

प्रारंभिक जांच में व्यवस्था संबंधी लापरवाही सामने आने के बाद उन्होंने संबंधित सुपरिटेंडेंट के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने के निर्देश भी दिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता से जुड़े कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करना होगा। यदि किसी स्तर पर कोताही पाई गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान अधिकारियों को बिजली आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने, शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने और आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाने के निर्देश भी दिए गए। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को बेहतर और निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराना है। घटना के बाद प्रशासन ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है तथा पूरे मामले की जांच रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने सभी बिजली अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संवेदनशील कार्यक्रमों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने, बैकअप व्यवस्था दुरुस्त रखने और जवाबदेही तय करने पर विशेष जोर दिया गया है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक राजपाल भूखड़ी का असामयिक निधन, समर्थकों में शोक

किसानों, शिक्षा, सिंचाई और विकास के मुद्दों को विधानसभा में मजबूती से उठाने वाले नेता थे राजपाल भूखड़ी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा साढौरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजपाल भूखड़ी का सोमवार सुबह अचानक हृदयाघात से निधन हो गया। वह 55 वर्ष के थे। उनके असामयिक निधन से प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जैसे ही उनके निधन की सूचना फैली, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में समर्थकों ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह राजपाल भूखड़ी रोज की तरह सैर करके घर लौटे थे। इसके बाद उन्हें साढौरा में हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त की प्रस्तावित बैठक में शामिल होना था। बैठक की तैयारी के दौरान अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस अप्रत्याशित घटना से परिवार और समर्थकों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। राजपाल भूखड़ी का जन्म 19 मई 1971 को तत्कालीन अंबाला जिले, वर्तमान यमुनानगर जिले के भूखड़ी गांव में हुआ था।

बाद में उनका परिवार नारायणगढ़ क्षेत्र स्थित अपने पैतृक गांव में जाकर बस गया। परिवार में उनकी पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उन्होंने लंबे समय तक कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहकर पार्टी की मजबूती के लिए कार्य किया और क्षेत्र के प्रमुख दलित नेताओं में अपनी अलग पहचान बनाई। वर्ष 2009 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें साढौरा आरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाया। उन्होंने चुनाव में जीत दर्ज कर पहली बार विधानसभा में प्रवेश किया। विधायक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने किसानों, सिंचाई व्यवस्था, शिक्षा, सड़क, बिजली और क्षेत्रीय विकास जैसे जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क बनाए रखने और लोगों की समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने के कारण उनकी लोकप्रियता बनी रही। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया, लेकिन इस बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव हारने के बावजूद उन्होंने सार्वजनिक जीवन से दूरी नहीं बनाई।

वे लगातार संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करते रहे। हाल के वर्षों में उन्होंने पार्टी के कुछ निर्णयों पर सार्वजनिक रूप से अपनी असहमति भी व्यक्त की थी, लेकिन संगठन और क्षेत्र के प्रति उनकी सक्रियता बनी रही। उनके निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस नेताओं सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया। कई नेताओं ने उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पित, सरल और संघर्षशील व्यक्तित्व बताया।

समर्थकों ने कहा कि राजपाल भूखड़ी हमेशा आम लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देते थे और हर वर्ग के लोगों से उनका आत्मीय जुड़ाव था। राजनीतिक जीवन के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही। शिक्षा, सामाजिक समरसता और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यक्रमों में वे नियमित रूप से हिस्सा लेते थे। उनके निधन से क्षेत्र ने एक ऐसे जनप्रतिनिधि को खो दिया है, जिसने लंबे समय तक जनता की आवाज बनकर कार्य किया। उनके असामयिक निधन से साढौरा विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक जगत में शोक का माहौल है।

दिल्ली पुलिस ने नंदू गैंग के 50-50 हजार के इनामी बदमाश मुठभेड़ में दबोचे

बुलेटप्रूफ जैकेट ने बचाई पुलिसकर्मियों की जान, फायरिंग के बाद दो बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली स्पेशल स्टाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो सक्रिय बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रविवार देर रात टिकरी कलां इलाके में की गई। गिरफ्तार किए गए बदमाशों की पहचान प्रवीण उर्फ पिंकी और रोहित उर्फ चीरा के रूप में हुई है। दोनों आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे और उन पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार, स्पेशल स्टाफ टीम को सूचना मिली थी कि नंदू गैंग से जुड़े दो बदमाश टिकरी कलां इलाके में आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर जांच शुरू की। इसी दौरान दोनों बदमाश वहां पहुंचे और पुलिस को देखते ही भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की ओर से चलाई गई दो गोलियां पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगीं। इससे दोनों जवान बाल-बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई के बाद पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया। मौके से हथियार और अन्य सामान बरामद किए जाने की भी जानकारी सामने आई है।

जांच में पता चला कि गिरफ्तार दोनों बदमाश हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ सिटी थाने में दर्ज फायरिंग के एक मामले में वांछित थे। पुलिस को लंबे समय से उनकी तलाश थी। अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरोपी नंदू गैंग के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे और कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की आशंका है। पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है,

ताकि गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों और उनकी आपराधिक गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और गैंग के अन्य बदमाशों पर भी शिकंजा कसा जाएगा। स्पेशल स्टाफ की इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि राजधानी क्षेत्र में सक्रिय गैंग और उनके सदस्यों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई से पुलिस को उम्मीद है कि इलाके में आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। गिरफ्तार आरोपियों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों बदमाश किन-किन वारदातों में शामिल रहे हैं और उनके संपर्क किन लोगों से हैं।

छात्रों के समर्थन में उतरे केजरीवाल केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने के लिए दमनकारी कदम उठा रही है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी।

केजरीवाल ने कहा कि वह इस समय पंजाब में हैं, लेकिन दिल्ली में छात्रों के साथ जो व्यवहार किया जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, उन्हें संसद तक जाने से रोका गया और इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गईं। उन्होंने कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और

भगवंत मान ने भी छात्रों का समर्थन करते हुए कार्रवाई पर जताई नाराजगी

अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि देश में पहले परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होते हैं और उसके बाद मूल्यांकन प्रक्रिया में भी गड़बड़ी सामने आती है, जिसका सीधा असर छात्रों के भविष्य पर पड़ता है।

आप संयोजक ने कहा कि जब छात्र अपने अधिकारों और न्याय की मांग करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से बातचीत करने की अपील की। केजरीवाल ने कहा कि सरकार को छात्रों की समस्याओं को सुनना चाहिए और उनके साथ संवाद स्थापित करना चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील करते हुए कहा कि छात्रों के गुस्से और उनकी परेशानियों को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो यह स्थिति सरकार के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

लंबे इंतजार के बाद धारूहेड़ा में खुलेगी नई राह,44 फुट चौड़ी सड़क निर्माण को हरी झंडी

एजेंसी ,नई दिल्ली धारूहेड़ा कस्बे में लंबे समय से चली आ रही ट्रैफिक जाम की समस्या से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। करीब 15 वर्षों से अटकी 44 फुट चौड़ी सेक्टर रोड परियोजना को अब प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। इस सड़क का निर्माण करीब छह करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा। यह वैकल्पिक सड़क धारूहेड़ा को बेहतर यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 919 से भी जोड़ेगी। परियोजना के पूरा होने के बाद कस्बे के मुख्य मार्गों पर वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को जाम से राहत मिलेगी।जानकारी के अनुसार, यह योजना लंबे समय से फाइलों और कानूनी विवादों के कारण अटकी हुई थी। अब सभी बाधाएं दूर होने के बाद प्रशासन ने इसके निर्माण को मंजूरी दे दी है। सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। प्रशासन का मानना है कि यह सड़क धारूहेड़ा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए यह परियोजना भविष्य के लिए भी उपयोगी साबित होगी। अधिकारियों ने जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस सड़क के बनने से स्थानीय लोगों, व्यापारियों और वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

पानीपत में किसान की हत्या से सनसनी, शव मिलने के बाद पुलिस जांच तेज

एजेंसी, नई दिल्ली । पानीपत जिले के नूरपुर गढ़ी गांव में तीन दिन से लापता 60 वर्षीय किसान रणबीर की हत्या का मामला सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सामने आया है। रणबीर अविवाहित थे और खेती का काम करते थे। उनका शव शनिवार को पसीना गांव के पास झाड़ियों में बरामद हुआ, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई जानकारी के अनुसार, रणबीर पिछले तीन दिनों से लापता थे। परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और जांच शुरू की गई। शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले को हत्या के एंगल से जांचना शुरू किया। जांच के दौरान मिले सीसीटीवी फुटेज से मामले में अहम सुराग हाथ लगा। फुटेज देखने के बाद परिजनों का शक गांव के ही एक व्यक्ति पर गया। पुलिस ने अब संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ शुरू कर दी है और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई कर रही है। रणबीर की मौत से गांव में शोक का माहौल है और ग्रामीणों में घटना को लेकर चिंता बनी हुई है।

सेक्टर-96 में भीषण सड़क हादसा, तीन बाइक सवार घायल; एक की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली । नोएडा के सेक्टर-96 अंडरपास के पास तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराने के कारण बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, यह हादसा सेक्टर-39 थाना क्षेत्र में हुआ। तेज गति से जा रही बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अन्य दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। बेहतर इलाज के लिए दोनों को हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से एक टूटा हुआ हेलमेट भी बरामद किया है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि दुर्घटना की पूरी जानकारी मिल सके। फिलहाल मृतक की पहचान और हादसे से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच जारी है।

2.65 करोड़ साइबर फ्रॉड केस में बड़ा खुलासा गाजियाबाद-दिल्ली से छह आरोपी दबोचे गए

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम साइबर क्राइम पुलिस ने रिटायर्ड एयर मार्शल टीएस चटवाल से 2.65 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए ठगी करने वाले नेटवर्क की दूसरी परत का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में गाजियाबाद, दिल्ली और बहादुरगढ़ से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इस साइबर ठगी गिरोह का संचालन दुबई से किया जा रहा था। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ईस्ट की टीम पिछले साल जनवरी में हुए इन्वेस्टमेंट फ्रॉड मामले की जांच कर रही थी। पुलिस के अनुसार, ठगों ने निवेश के नाम पर रिटायर्ड एयर मार्शल से बड़ी रकम की धोखाधड़ी की थी।

मामले की जांच क्राइम यूनिट साइबर डिवीजन को सौंपी गई थी। एसीपी साइबर क्राइम गौरव फोगाट ने बताया कि जांच के दौरान ठगी की रकम के लेन-देन से जुड़े कई अहम सुराग मिले। जांच में पता चला कि ठगी की रकम में से छह लाख रुपये इंडियन ओवरसीज बैंक के एक संयुक्त खाते में जमा किए गए थे।

ग्रेटर नोएडा में सपा नेता ने संगठन मजबूती का संदेश दिया

एजेंसी, नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण आम जनता परेशान है और लोगों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। चौधरी रुद्रसेन ने रविवार को ग्रेटर नोएडा दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी ने आम आदमी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय अन्य मुद्दों में उलझी हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं और मध्यम वर्ग के लोगों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। रोजगार के अवसर बढ़ाने और महंगाई पर नियंत्रण के लिए प्रभावी नीतियां बनाई जानी चाहिए।

गाजियाबाद में बनेगा ग्रीन सिटी हब, 521 हेक्टेयर में विकसित होगी हरनंदीपुरम टाउनशिप

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में शहर को नई पहचान देने की दिशा में एक बड़ी योजना तैयार की जा रही है। राजनगर एक्सटेंशन के निकट प्रस्तावित हरनंदीपुरम टाउनशिप को शहर का पहला गोल्फ कोर्ट और ग्रीन सिटी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पहले चरण को शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए प्रस्ताव आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा।

हरनंदीपुरम टाउनशिप के पहले चरण में करीब 521 हेक्टेयर क्षेत्र में आवासीय और हरित क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। योजना का मुख्य उद्देश्य शहर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक बेहतर शहरी क्षेत्र तैयार करना है, जहां लोगों को आवास के साथ-साथ

प्राकृतिक वातावरण और मनोरंजन की सुविधाएं भी मिल सकें। इस परियोजना के तहत गोल्फ कोर्ट का निर्माण विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। अधिकारियों के अनुसार, गोल्फ कोर्ट को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी लेकर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। परियोजना का पूरा होने के बाद गाजियाबाद को एक नई शहरी पहचान मिलने की उम्मीद है। जीडीए की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद हरनंदीपुरम योजना का रेरा में पंजीकरण कराया जाएगा।

इसके बाद टाउनशिप के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। प्राधिकरण का लक्ष्य है कि इस परियोजना के जरिए शहर में सुनियोजित विकास, बेहतर हरित क्षेत्र और आधुनिक जीवनशैली की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

फरीदाबाद डिपो की बड़ी तैयारी, कांवड़ियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद डिपो ने कांवड़ यात्रा को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। हरियाणा रोडवेज फरीदाबाद डिपो की ओर से हरिद्वार रूट पर चार अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया गया है। यह कदम कांवड़ यात्रा के दौरान बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए उठाया गया है, ताकि यात्रियों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार जाने वाले यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि होने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए बसों की संख्या बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यदि यात्रियों की संख्या अनुमान से अधिक बढ़ती है तो अतिरिक्त बसों के संचालन के लिए अस्थायी परमिट भी लिए जाएंगे। इससे जरूरत पड़ने पर और अधिक बसें यात्रियों की सेवा में लगाई जा

हरिद्वार रूट पर चार अतिरिक्त बसें चलेंगी

सकेंगी। यात्रियों की सुविधा और सुचारु परिवहन व्यवस्था बनाए रखने के लिए डिपो स्तर पर विशेष योजना तैयार की गई है।

इसके अलावा कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं, ताकि बस संचालन में किसी प्रकार की कमी न आए। सभी चालक और परिचालकों को यात्रा अवधि के दौरान पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए हैं। रोडवेज प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा उनकी प्राथमिकता है। यात्रियों की मांग और भीड़ के अनुसार बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोडवेज ने विशेष इंतजाम किए हैं।

नोएडा का जल संरक्षण प्लान तैयार, वर्षा जल संचयन से बढ़ेगा भूमिगत पानी का स्तर

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग ने शहर में गिरते भूजल स्तर को सुधारने और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। विभाग की ओर से पार्कों और हरित पट्टिकाओं में 300 वाटर पर्कुलेटर पिट तैयार किए जा रहे हैं। इन पिटों के निर्माण पर करीब 2.10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य बारिश के पानी को संरक्षित कर उसे जमीन के अंदर पहुंचाना है, जिससे भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने में मदद मिल सके।

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, मानसून के दौरान इन पिटों के माध्यम से बड़ी मात्रा में वर्षा जल का संचयन किया जाएगा। एक वाटर पर्कुलेटर पिट में लगभग 4270 लीटर वर्षा जल संग्रहित किया जा सकेगा। यदि एक पिट में सालभर में करीब 30 बार वर्षा जल संचयन होता है तो लगभग 1,28,100 लीटर पानी भूगर्भ में पहुंचाया जा सकेगा। 300 पिटों के निर्माण के बाद हर

साल करीब 38 करोड़ लीटर से अधिक वर्षा जल जमीन के अंदर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे न केवल भूजल स्तर में सुधार आएगा, बल्कि बारिश के पानी की बर्बादी भी कम होगी। प्राधिकरण का मानना है कि बढ़ते शहरीकरण के कारण लगातार कम हो रहे भूजल स्तर को नियंत्रित करने के लिए यह योजना काफी महत्वपूर्ण साबित होगी।

उद्यान विभाग ने पिट निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है और इन्हें शहर के विभिन्न पार्कों और हरित क्षेत्रों में बनाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल संरक्षण के लिए इस तरह के प्रयास आगे भी जारी रहेंगे, ताकि भविष्य में पानी की समस्या को कम किया जा सके और पर्यावरण को बेहतर बनाया जा सके। नोएडा में जल संरक्षण अभियान तेज, पर्कुलेट पिट से बढ़ेगा भूजल स्तर।

वृंदावन से लौट रहे दो दोस्तों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों दोस्त वृंदावन से दर्शन कर कार से अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे लगे डिवाइडर और पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कार से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरे की हालत गंभीर होने पर उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। मृतकों की पहचान नोएडा निवासी युवकों के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को घटना की सूचना दे दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा तेज रफ्तार और चालक के वाहन पर नियंत्रण खोने के कारण हुआ। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दुर्घटना के समय चालक को झपकी तो नहीं आई थी या कोई अन्य तकनीकी कारण था। हादसे के बाद कुछ समय तक हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान पर्याप्त आराम करें, वाहन निर्धारित गति सीमा में चलाएं और यातायात नियमों का पूरा तरह पालन करें, ताकि इस तरह की दर्दनाक घटनाओं से बचा जा सके। पुलिस ने दुर्घटनास्थल से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात बहाल कराया और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

दक्षिणी दिल्ली के फ्लैट में युवक-युवती के शव मिलने से सनसनी

अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के संत नगर में फ्लैट से युवक-युवती के शव बरामद, पुलिस ने शुरू की गहन जांच

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र के संत नगर इलाके में सोमवार को एक फ्लैट से युवक और युवती के शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और फ्लैट को घेरकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया गया है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृत युवती की पहचान अंजलि के रूप में हुई है, जबकि युवक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

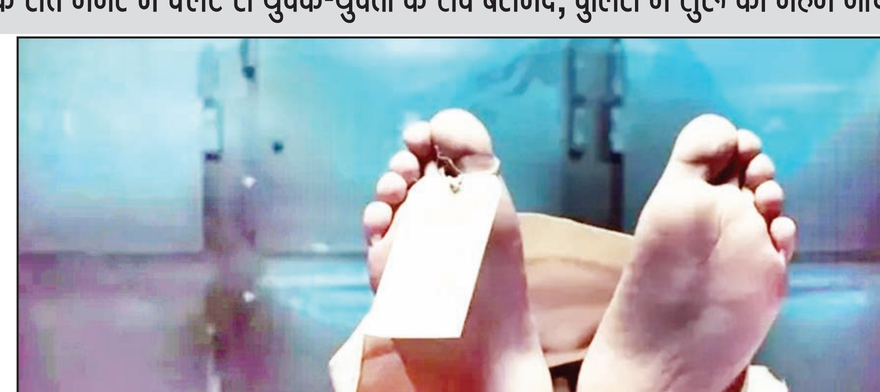

पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच जारी

उसकी शिनाख्त के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और उपलब्ध दस्तावेजों तथा अन्य सुरागों के आधार पर जानकारी जुटाई जा रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस फ्लैट में रहने वाले लोगों, पड़ोसियों और परिचितों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस हत्या, आत्महत्या या किसी अन्य कारण सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है।

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, जिससे घटना से पहले और बाद की गतिविधियों की जानकारी मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और सभी जरूरी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस हर पहलू से मामले की गहन जांच कर रही है।

गुरुग्राम आयुध डिपो के प्रतिबंधित क्षेत्र में 5,000 से ज्यादा अवैध इमारतों का खुलासा

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम नगर निगम की एक आंतरिक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आयुध डिपो के प्रतिबंधित क्षेत्र में 5,000 से अधिक अवैध इमारतों का निर्माण किया गया। यह स्थिति तब सामने आई है, जब पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने कई बार इस क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाने और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद प्रशासनिक दावों और निगरानी व्यवस्था के बीच बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण जारी रहे।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित दायरे में बने मकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य निर्माणों ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। आयुध डिपो जैसे संवेदनशील सैन्य क्षेत्र के आसपास अनियंत्रित निर्माण को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी गंभीर माना जा रहा है। दस्तावेजों में यह भी संकेत मिला है कि समय-समय पर संबंधित विभागों को स्थिति की जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। मामले के सामने आने के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। यह भी माना जा रहा है कि यदि समय रहते अवैध निर्माण रोके जाते, तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। अब नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों से जवाब मांगा जा रहा है कि आखिर प्रतिबंधित क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर निर्माण कैसे होने दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

भारी बारिश के बीच कठुआ पुलिस ने जारी की फ्लैश फ्लड सुरक्षा एडवाइजरी

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और फ्लैश फ्लड की आशंका को देखते हुए कठुआ पुलिस ने लोगों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने नागरिकों से नदियों, नालों, झीलों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। साथ ही मछली पकड़ने, तैराकी, नौकायन और नदी किनारे सेल्फी लेने से बचने की सलाह दी गई है। लोगों से जलमग्न सड़कों और पुलों को पार नहीं करने तथा बच्चों को खुले नालों से दूर रखने को कहा गया है। किसी भी आपात स्थिति में पुलिस कंट्रोल रूम या डायल 112 पर तुरंत संपर्क करने की अपील की गई है।

लगातार बारिश से दरबशाला पावर प्रोजेक्ट पर बाढ़ जैसे हालात, प्रशासन अलर्ट

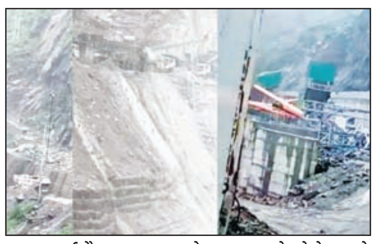

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण डोडा जिले के दरबशाला पावर प्रोजेक्ट साइट पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। तेज बारिश के चलते परियोजना परिसर में पानी भर गया, जिससे सुरक्षा और कामकाज को लेकर चिंता बढ़ गई है। अचानक बढ़े जलस्तर ने प्रोजेक्ट से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखते हुए संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और लगातार निगरानी की जा रही है। मौसम में सुधार और जलस्तर कम होने के बाद ही हालात सामान्य होने की उम्मीद है।

दो घंटे की बारिश से डूबा श्रीनगर, जलभराव ने खोली ड्रेनेज व्यवस्था की पोल

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। श्रीनगर में सोमवार को करीब दो घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। भारी वर्षा के कारण शहर के कई निचले इलाकों, प्रमुख सड़कों और रिहायशी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जलभराव हो गया, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर सड़कें पानी में डूब गईं और यातायात भी प्रभावित रहा। हालात को देखते हुए श्रीनगर नगर निगम और संबंधित विभागों ने तुरंत राहत एवं जल निकासी कार्य शुरू कर दिया। श्रीनगर नगर निगम के आयुक्त फ़ज़लुल हसीब ने बताया कि हुई बारिश शहर की मौजूदा ड्रेनेज क्षमता से कहीं अधिक थी।

तीन दिन बाद डोडा में बहाल हुआ इंटरनेट लोगों ने ली राहत की सांस

भारतेंदु संवाददाता, डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में तीन दिन बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने के बाद इंटरनेट सेवा शुरू करने का फैसला लिया। सोमवार सुबह से जिले में 2जी स्पीड पर मोबाइल इंटरनेट चलना शुरू हो गया। इंटरनेट बंद होने से लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसके बाद सेवा बहाल होने पर नागरिकों ने राहत की सांस ली। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए आवश्यक कदम जारी रखने की बात कही है।

राजौरी बाढ़ हादसाः एक युवक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। राजौरी में अचानक आई बाढ़ के बाद लापता हुए दो युवकों में से एक का शव सोमवार को सलानी बस स्टैंड क्षेत्र से बरामद किया गया। मृतक की पहचान बगला निवासी विकास अहमद पुत्र मोहम्मद सादिक के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। डिप्टी कमिश्नर राजौरी अभिषेक शर्मा ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। शव को कानूनी प्रक्रिया और जांच के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज राजौरी भेज दिया गया है। वहीं दूसरे लापता युवक की तलाश के लिए बचाव दल लगातार अभियान चला रहा है।

स्टेटहुड बहाली के लिए दिल्ली की सड़कों पर उतरी नेशनल कॉन्फ्रेंस

जंतर-मंतर पर एनसी का प्रदर्शन, जेएंडके को राज्य का दर्जा बहाल करने की उठी मांग

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने सोमवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला, वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करना केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा विषय है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान धरने पर बैठे उमर अब्दुल्ला व अन्य।

प्रदर्शन की शुरुआत सुबह दिल्ली स्थित 5 पृथ्वीराज रोड से हुई, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता एकत्र हुए। इसके बाद सभी जंतर-मंतर पहुंचे और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को केंद्र सरकार के सामने रखा। इस दौरान पार्टी नेताओं ने कहा कि वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के समय केंद्र सरकार ने उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने मांग की कि सरकार अपने वादे को जल्द पूरा करे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला विशेष रूप से इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचे। इससे पहले वह जम्मू लौटकर पुंछ और राजौरी जिलों में भारी बारिश, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा कर चुके थे। उन्होंने अधिकारियों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों की बैठक की और प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बाद वह दोबारा दिल्ली पहुंचे और पार्टी के प्रदर्शन में शामिल होकर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को समर्थन दिया।

प्रदर्शन के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को लोकतांत्रिक अधिकारों और पूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यकता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक हसनैन मसूदी ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने में लगातार हो रही देरी से लोगों में असमंजस और अनिश्चितता की भावना बढ़ रही है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य बनाने की मांग दोहराई

दिल्ली में हुए इस प्रदर्शन के माध्यम से नेशनल कॉन्फ्रेंस ने एक बार फिर अपने पुराने रुख को दोहराते हुए केंद्र सरकार से राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की है। फिलहाल इस मुद्दे पर सभी की नजर केंद्र सरकार के अगले कदम पर बनी हुई है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक दिशा और प्रशासनिक व्यवस्था के लिए यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खराब मौसम के चलते जेएंडके में द्विवार्षिक परीक्षाएं स्थगित

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार बिगड़ते मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (जेकेबीओएसई) ने 10वीं और 12वीं कक्षा की द्विवार्षिक परीक्षाएं स्थगित करने का फैसला लिया है। प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार बारिश, जलभराव और अन्य मौसम संबंधी परेशानियों के कारण छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। बोर्ड ने कहा है कि विद्यार्थियों और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में आ रही संभावित कठिनाइयों को देखते हुए परीक्षाओं को कुछ समय के लिए टाला गया है।

जेकेबीओएसई ने टाली 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं

जेकेबीओएसई के अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम के कारण कई क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। सड़कों पर जलभराव, भूस्खलन और यातायात संबंधी समस्याओं के चलते छात्रों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। इसी को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने एहतियाती कदम उठाते हुए परीक्षाएं स्थगित की हैं।

बोर्ड ने सभी छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट और बोर्ड की ओर से जारी सूचनाओं पर भरोसा करें। नई परीक्षा तिथियों की घोषणा मौसम की स्थिति में सुधार और हालात की समीक्षा के बाद की जाएगी।

श्रीनगर में बुजुर्ग से 30 लाख की ठगी क्राइम ब्रांच ने कई ठिकानों पर मारे छापे

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की स्पेशल क्राइम विंग ने श्रीनगर और गांदरबल जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी कर फर्जी अधिकारी बनकर रंगदारी वसूलने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि आरोपी क्राइम ब्रांच और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारी बनकर बुजुर्गों को झूठे मामलों में फंसाने और गिरफ्तारी की धमकी देते थे। इसी तरह श्रीनगर के एक बुजुर्ग से 30 लाख रुपये से अधिक की उगाही की गई। मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और साक्ष्य जुटाए गए हैं। क्राइम ब्रांच ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या धोखाधड़ी की सूचना तुरंत पुलिस या क्राइम ब्रांच को दें।

धमकी देकर बुजुर्ग से वसूले 30 लाख रुपए

जम्मू-भद्रवाह हाईवे पर चलती बस पर गिरे बोल्डर, दो की मौत

बारिश के बीच हाईवे पर मौत बनकर बरसे बोल्डर, बस समेत कई वाहन क्षतिग्रस्त

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार सुबह लगातार हो रही बारिश के बीच जम्मू-भद्रवाह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। रग्गी नाला क्षेत्र में अचानक पहाड़ी से बड़े-बड़े बोल्डर और मलबा गिरने लगा, जिसकी चपेट में एक यात्री बस सहित कई वाहन आ गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज डोडा रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, यात्री बस संख्या जेके 02 बीए 4877 भद्रवाह से जम्मू की ओर जा रही थी। सुबह लगभग दस बजे जब बस रग्गी नाला के पास पहुंची, तभी लगातार बारिश के कारण पहाड़ी से अचानक विशाल बोल्डर गिरने लगे। देखते ही देखते एक बड़ा पत्थर बस पर आ गिरा, जिससे बस में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय मार्ग से गुजर रहे कुछ छोटे वाहन भी बोल्डरों की चपेट में आ गए और उन्हें भी नुकसान पहुंचा।

पहाड़ी रास्तों पर बारिश का खतरा, डोडा में बड़ा सड़क हादसा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, जिला प्रशासन, राहत एवं बचाव दल तथा स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर बस और अन्य वाहनों में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए जीएमसी डोडा भेजा गया। प्रशासन ने मृतकों की पहचान की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, पिछले कई दिनों से डोडा और आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है, जिससे भूस्खलन और पहाड़ियों से पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसी खतरे को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर जम्मू-भद्रवाह राजमार्ग पर यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। सड़क पर गिरे मलबे और बोल्डरों को हटाने का कार्य मशीनों की मदद से जारी है, लेकिन खराब मौसम राहत कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहा है।

रग्गी नाला में पहाड़ी से लगातार गिरे बोल्डर

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मौसम पूरी तरह सामान्य होने और सड़क को सुरक्षित घोषित किए जाने तक इस मार्ग पर अनावश्यक यात्रा करने से बचें। साथ ही भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से गुजरते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह भी दी गई है। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। लगातार हो रही बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ते भूस्खलन के खतरे ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि मानसून के दौरान पर्वतीय मार्गों पर यात्रा करते समय अतिरिक्त सतर्कता और प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

बांदीपोरा में सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना

बांदीपोरा में प्रेशर कुकर से मिला चार किलो आईईडी सुरक्षाबलों ने नाकाम की बड़ी आतंकी साजिश

भारतेंदु संवाददाता, बांदीपोरा

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबलों ने समय रहते बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) के दौरान सुरक्षा बलों ने मंगनीपोरा गांव के बाग क्षेत्र से प्रेशर कुकर के अंदर छिपाकर रखा गया लगभग चार किलो का इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया। यह कार्रवाई सेना की 27 असम राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई। सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके दौरान संदिग्ध विस्फोटक का पता चला।

आईईडी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस के बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। विशेषज्ञों ने पूरी सावधानी के साथ विस्फोटक उपकरण को निष्क्रिय कर दिया, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों के अनुसार, यदि यह विस्फोटक समय पर बरामद नहीं होता तो इससे गंभीर जनहानि और नुकसान हो सकता था।

27 असम राइफल्स और पुलिस के संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता

सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आईईडी किसने रखा था और इसके पीछे किस आतंकी संगठन का हाथ है। पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी है तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में सफदरजंग अस्पताल पहुंचे फारूक अब्दुल्ला

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल पहुंचकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो से मुलाकात की। सोनम वांगचुक को जंतर मंतर पर चल रहे अनशन के दौरान अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान फारूक अब्दुल्ला ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि उनका संघर्ष सफल हो और लद्दाख के लोगों की आवाज को उचित सम्मान मिले। उन्होंने गीतांजलि से आग्रह किया कि उनका संदेश सोनम वांगचुक तक अवश्य पहुंचा दें। गीतांजलि ने इसके लिए उनका आभार व्यक्त किया और संदेश पहुंचाने का भरोसा दिया।

फारूक अब्दुल्ला ने बताया कि उन्हें अस्पताल के भीतर जाकर सोनम वांगचुक से मिलने की अनुमति नहीं मिली, इसलिए उन्होंने बाहर ही उनकी पत्नी से बातचीत की। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक और लोग अस्पताल परिसर के बाहर मौजूद रहे।

बारामुला में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले के कांडी वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करते हुए आतंकियों की एक साजिश को नाकाम कर दिया। खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान जंगल में छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान भारतीय सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स, बारामुला पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सशस्त्र सीमा बल की संयुक्त टीम ने चलाया। सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली थी कि कांडी जंगल में आतंकियों ने हथियारों और विस्फोटक सामग्री का भंडार छिपा रखा है। इसके बाद क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया।

उमर सरकार का बड़ा फैसला, आपदा में मृतकों के परिवारों को छह लाख की मदद

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजौरी और पुंछ जिलों में बारिश से जुड़ी आपदाओं में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिवार को छह-छह लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। उन्होंने अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और अन्य वर्षा जनित घटनाओं में हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी आर्थिक सहायता से परिवारों को हुई अपूरणीय क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती, लेकिन सरकार इस कठिन समय में प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है। सरकार की प्राथमिकता प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत और हर संभव सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और प्रभावित लोगों तक सरकारी सहायता समय पर पहुंचाई जाए।

घोषित राहत राशि में राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से चार लाख रुपये और मुख्यमंत्री राहत कोष से दो लाख रुपये शामिल हैं। यह फैसला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद लिया गया। बैठक में राजौरी और पुंछ जिलों में अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और बारिश से हुए नुकसान की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

राजौरी-पुंछ आपदा पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने जताया दुख

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को जनहानि का सामना करना पड़ा है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों, बिजली व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और अन्य आवश्यक सेवाओं को जल्द बहाल करने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि राहत और बचाव कार्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ काम करना होगा और प्रभावित नागरिकों की समस्याओं का तत्काल समाधान करना होगा।

राजौरी और पुंछ जिलों में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई थीं। इन घटनाओं में कई लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में घरों, सड़कों तथा अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

ओमपोरा में कई दिनों से घूम रहा तेंदुआ वन्यजीव विभाग के जाल में फंसा

भारतेंदु संवाददाता,बडगाम। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के ओमपोरा और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से घूम रहे तेंदुए को सोमवार को वन्यजीव विभाग ने सफल अभियान चलाकर जिंदा पकड़ लिया। तेंदुए की मौजूदगी के कारण स्थानीय लोगों में भय का माहौल था और कई बार उसे रिहायशी इलाकों में घूमते देखा गया था। लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन्यजीव विभाग की टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। अधिकारियों के अनुसार, तेंदुए को पकड़ने के लिए ओमपोरा और आसपास के संवेदनशील स्थानों पर विशेष जाल लगाए गए थे। इनमें से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) परिसर में लगाए गए जाल में तेंदुआ सुरक्षित रूप से फंस गया। सूचना मिलते ही वन्यजीव विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों के बीच उसे सफलतापूर्वक जिंदा पकड़ लिया। वन्यजीव विभाग ने बताया कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा और उसके बाद उसे उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा।

बडगाम में दहशत का कारण बना तेंदुआ जिंदा पकड़ाया

आपदा — राजौरी, पुंछ के बाद फिर बारिश का कहर, कई जिलों में रेड अलर्ट जैसी चेतावनी

जम्मू के सात जिलों में फ्लैश फ्लड का नया अलर्ट जारी

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर

भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्रीनगर केंद्र ने जम्मू संभाग के कई जिलों के लिए भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी करते हुए लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। विभाग के अनुसार 21 जुलाई को सुबह तीन बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे के बीच जम्मू, कठुआ, राजौरी, पुंछ, रियासी, सांबा और उधमपुर जिलों में कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में अल्प समय के भीतर अत्यधिक वर्षा हो सकती है, जिससे अचानक बाढ़, भूस्खलन और कीचड़ आने जैसी स्थितियां पैदा होने का खतरा बना हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में मूसलाधार बारिश का दृश्य।

मौसम विभाग ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों, नालों और खड्डों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। जिन क्षेत्रों में पहले से भूस्खलन की घटनाएं होती रही हैं वहां विशेष सतर्कता रखने को कहा गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि मौसम की स्थिति में अचानक बदलाव संभव है, इसलिए लोग मौसम संबंधी आधिकारिक सूचनाओं पर लगातार नजर बनाए रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की गई है जब शनिवार और रविवार की रात राजौरी तथा पुंछ जिलों में हुई मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई थी। अचानक आई बाढ़ के कारण कई लोगों की जान चली गई, जबकि अनेक लोग लापता बताए जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

जिला विकास प्रबंधक आवास-सह-कार्यालय का उद्घाटन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास प्रबंधक आवास-सह-कार्यालय (आरसीओ) का उद्घाटन सोमवार को जेएस विला, गांव मेहन, डाकघर चांदपुर, सदर, बिलासपुर में उपायुक्त राहुल कुमार (भाप्रसे) ने किया। इस अवसर पर नाबार्ड हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. विवेक पठानिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कार्यालय, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक, मानव विकास संस्थान, कामधेनु हितकारी मंच तथा अन्य विकास सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। जिला विकास प्रबंधक साहिल कीर्ति ने कहा कि नया आरसीओ विभिन्न विभागों, बैंकों व विकास सहयोगियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा। डॉ. पठानिया ने ग्रामीण विकास में नाबार्ड की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि उपायुक्त राहुल कुमार ने इस पहल को जिले के विकास और किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

डॉ. पीसी 'इंडियन मैन आइकन अवॉर्ड' से सम्मानित

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार एवं संपादक डॉ. पीसी कौंडल को ग्लोबल फोरम द्वारा 'इंडियन मैन आइकन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और अब तक की साहित्यिक उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप डॉ. कौंडल को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति-पत्र तथा स्वर्ण पदक भेंट किया गया। उनकी अब तक हिंदी भाषा में 14 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें उपन्यास, कहानी एवं कविता संग्रह शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. कौंडल वर्ष 2004 से राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित होने वाली त्रैमासिक हिंदी साहित्यिक पत्रिका 'हिम खंड' का निरंतर संपादन एवं प्रकाशन कर रहे हैं। इस प्रतिष्ठित पत्रिका के अब तक 88 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

शिक्षा मंत्री आज व कल ठियोग व कोटखाई के दौरे पर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर 21 एवं 22 जुलाई को ठियोग तथा कोटखाई क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। निर्धारित प्रवास कार्यक्रम के अनुसार शिक्षा मंत्री 21 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे ठियोग पहुंचेंगे और अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश राज्य शतरंज संघ द्वारा वैली व्यू होटल, ठियोग में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरित करेंगे। इसके उपरांत वह दोपहर 3:30 बजे कोर्ट कांप्लेक्स, ठियोग में बार एसोसिएशन के सदस्यों से भेंट करेंगे। शिक्षा मंत्री 22 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे धार शरगल पहुंचेंगे, जहां हरिजन बस्ती धार शरगल के लिए निर्मित किए जाने वाले संपर्क मार्ग का भूमि पूजन करेंगे। इसके बाद दोपहर 1:00 बजे देवरी-खनेटी पहुंचकर जिला स्तरीय रिहाली मेला में मुख्यातिथि के रूप में भाग लेंगे।

राज्य कर्मचारी महासंघ ने देशव्यापी आंदोलन का किया ऐलान

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ की दो दिवसीय अखिल भारतीय कार्य समिति की बैठक पश्चिम बंगाल के नदिया (कोलकाता) में संपन्न हुई। बैठक के उद्घाटन सत्र का आयोजन कल्याणी विश्वविद्यालय के एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में किया गया, जिसमें 20 राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से 1500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के सह संगठन मंत्री गणेश मिश्रा, महासंघ के प्रभारी एवं अखिल भारतीय उपाध्यक्ष उन्नीकृष्णन, जीईएनसी के प्रभारी एमपी सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव सोनी, राष्ट्रीय महामंत्री राजेंद्र श्रीवास्तव, विधायक असीम सरकार, विधायक बंकिम चंद्र घोष सहित कई राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे। दूसरे सत्र में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने संगठनात्मक गतिविधियों तथा कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। कार्य समिति ने सर्वसम्मति से देशव्यापी आंदोलन का प्रस्ताव पारित करते हुए निर्णय लिया कि 1 से 12 अगस्त तक देशभर में सांसदों के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। महासंघ ने मांग की कि पूरे देश में एक समान सेवा शर्तें, समान वेतनमान, महंगाई भत्ता और सेवानिवृत्ति लाभ लागू किए जाएं। साथ ही पुरानी पेंशन योजना की बहाली, वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट, सीपीसीटी परीक्षा के आधार पर कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त न करने तथा आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को समयबद्ध लागू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। बैठक के समापन सत्र में पश्चिम बंगाल इकाई के कार्यकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया तथा दिवंगत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ईशान ने बिना कोचिंग के पास की नीट की परीक्षा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नीट की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है, जिसमें हमीरपुर जिला के छोटे से गांव खुखाह के ईशान शर्मा ने बिना कोचिंग के नीट की परीक्षा पास कर नया आयाम स्थापित किया है। वैसे तो अधिकतर बच्चे कोचिंग संस्थान में पढ़ कर नीट की परीक्षा पास करते हैं, लेकिन ईशान शर्मा के माता चंद्र किरण पिता अशोक कुमार जो दुकानदार हैं और आर्थिक रूप से संपन्न नहीं थे कि कोचिंग संस्थान में पढ़ाई करवाते। ईशान शर्मा जिसने जमा एक और जमा दो की पढ़ाई राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर से पूरी की। ईशान शर्मा का सपना था कि वे डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता है। इसलिए अपने सपने को पूरा करने के लिए जमा एक कक्षा से ही नीट की पढ़ाई शुरू कर दी। आखिर तीन वर्षों की मेहनत रंग लाई और नीट की परीक्षा अच्छे अंकों में पास कर जिला का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि को लेकर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर के स्टाफ और अध्यापकों ने ईशान शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस खुशी के मौके पर ईशान शर्मा ने मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया और भविष्य को लेकर शुभकामनाएं दी। स्कूल के स्टाफ को अपने स्कूल के छात्र की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर गर्व है। अध्यापकों की मेहनत भी कहीं न कहीं रंग लाई जिसकी बदौलत ईशान शर्मा ने यह परीक्षा पास की है। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर के कार्यकारी प्रधानाचार्य सीमा डोगरा, अध्यापक बायोलॉजी अचला शर्मा, केमिस्ट्री सीमा शर्मा, फिजिक्स संजय ठाकुर, सुनील शर्मा, ममता, ज्योति रघु, सुषमा, राजेंद्र शर्मा, रंजना ठाकुर, प्रदीप, वीरेंद्र, इंदु बाला, पूनम, राजेश सिंह शर्मा उपस्थित रहे।

घुमारवीं कॉलेज में पीजी प्रवेश प्रक्रिया शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। कॉलेज परिसर में आयोजित काउंसलिंग में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। प्रवेश के लिए विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्रों व अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए कॉलेज प्रशासन ने अलग-अलग काउंटर स्थापित किए हैं। इस वर्ष एमए, एमकॉम व एमएससी के विभिन्न विषयों में प्रवेश के लिए कुल 206 आवेदन प्राप्त हुए हैं। काउंसलिंग प्रक्रिया मंगलवार तक चलेगी। इसके बाद 22 जुलाई को पहली मेरिट सूची जारी की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को 23 व 24 जुलाई तक ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। प्रवेश प्रक्रिया को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह देखा गया।

बीएड प्रवेश के लिए ऑफलाइन काउंसलिंग 27 से

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-28 के लिए बीएड प्रवेश प्रक्रिया के तहत ऑफलाइन काउंसलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंडी और कुल्लू जिलों के संबद्ध बीएड महाविद्यालयों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर मूल प्रमाण-पत्रों सहित उपस्थित होना होगा। विश्वविद्यालय के अनुसार 23 जुलाई को भाग लेने वाले बीएड महाविद्यालयों व विषयवार सीटों का विवरण जारी किया जाएगा। काउंसलिंग 27 जुलाई से शुरू होगी। 27 जुलाई को 70 या अधिक अंक, 28 जुलाई को 63-69 अंक, 29 जुलाई को 58-62 अंक और 30 जुलाई को 53-57 अंक प्राप्त अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। 31 जुलाई को प्रथम चरण में अनुसूचित रहे 53 या अधिक अंक वाले अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा। प्रवेश मेरिट और विश्वविद्यालय के नियमों के आधार पर होगा।

दूसरी पत्नी भी पारिवारिक पेंशन की हकदार हाईकोर्ट ने सरकार की अपील की खारिज

कहा- महिलाओं के वास्तविक सशक्तीकरण के लिए उनका आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना अनिवार्य

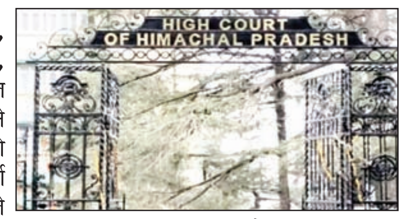

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने पारिवारिक पेंशन को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण व संवेदनशील फैसले देते हुए कहा कि विशेष परिस्थितियों में एक सरकारी कर्मचारी की दूसरी पत्नी भी पारिवारिक पेंशन पाने की हकदार है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया व न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील को खारिज करते हुए एकल जज के उस फैसले पर मुहर लगा दी है, जिसमें याचिकाकर्ता उर्मिला देवी को पारिवारिक पेंशन जारी करने के आदेश दिए गए थे। खंडपीठ ने पेंशन नियमों की केवल तकनीकी व्याख्या करने के रुख पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जब मामला पेंशन जैसे सामाजिक कल्याणकारी लाभों का हो तो प्राधिकारियों व अदालतों को एक संवेदनशील और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। कोर्ट ने सामाजिक संदर्भ में न्याय निर्णय पर जोर देते हुए कहा कि कानून एक जीवित जीव है, जिसे समाज की बदलती वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। महिलाओं के वास्तविक सशक्तीकरण के लिए उनका आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना अनिवार्य है। खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसलों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत भले ही पहली पत्नी के रहते किया गया दूसरा विवाह कानूनी तौर पर शून्य या अवैध हो सकता है, लेकिन इसे अनैतिक नहीं कहा जा सकता। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि पारिवारिक पेंशन प्रदान करने का उद्देश्य, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और आश्रित व्यक्ति को गुजारा भत्ता देने के उद्देश्य से अलग नहीं हो सकता। इसका मुख्य मकसद किसी लाचार महिला को बेसहारा होने से बचाना है। इसके साथ ही तय समय सीमा के भीतर बकाया न देने पर सरकार को छह फीसदी प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देना होगा। सरकार का तर्क था कि कर्मचारी की दूसरी शादी वर्ष 1987 में उसकी पहली पत्नी (रेशमू देवी) के जीवित रहते हुए हुई थी। इसलिए, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के तहत इस दूसरी शादी को मान्यता नहीं दी जा सकती और उनका आवेदन खारिज किया जाना जायज था।

सरकार ने एकल जज के फैसले को दी थी चुनौती

अदालत ने माना कि यदि दो पक्ष लंबे समय तक एक साथ पति-पत्नी की तरह रहते हैं,तो कानूनन उनके विवाह की वैधता के पक्ष में एक मजबूत अनुमान बनता है। इस मामले में, दूसरी शादी से पैदा हुए बच्चे भी अब वयस्क हो चुके थे और पहली पत्नी से कोई संतान नहीं थी,जिससे किसी अन्य पक्ष के अधिकारों का हनन नहीं हो रहा था। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने एकल जज के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें उर्मिला देवी के पक्ष में पेंशन जारी करने का आदेश था।

एनसीएस पोर्टल के एआई उन्नयन से युवाओं को मिलेगा रोजगार का नया अवसर: सुरेश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला संसदीय क्षेत्र से सांसद सुरेश कश्यप ने लोकसभा में राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल के उन्नयन और उसके प्रभाव से संबंधित प्रश्न उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के युवाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने एनसीएस पोर्टल को कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्लाउड आधारित तकनीक और ओपन डिजिटल आर्किटेक्चर से सशक्त बनाकर इसे अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया है। सुरेश कश्यप ने कहा कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार एनसीएस पोर्टल अब केवल नौकरी खोजने का माध्यम नहीं, बल्कि रोजगार, कौशल विकास, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन रोजगार मेलों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने वाला व्यापक 'सिंगल विंडो' मंच बन चुका है। इससे देश के करोड़ों युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने देशभर में 407 मॉडल करियर सेंटर को स्वीकृति प्रदान की है, जो युवाओं को रोजगार एवं करियर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही राज्यवार एवं जिलावार रोजगार चाहने वालों, नियोक्ताओं और रिक्तियों की जानकारी भी एनसीएस पोर्टल पर उपलब्ध है, जिससे रोजगार प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनी है। सुरेश कश्यप ने बताया कि एनसीएस पोर्टल पर अब एआई आधारित इंटेलिजेंट जॉब मैचिंग, स्किल गैप एनालिसिस, व्यक्तिगत रोजगार सुझाव, एआई इंटरव्यू कोच तथा भाषिणी के माध्यम से बहुभाषी सुविधा जैसी आधुनिक सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इससे युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार प्राप्त करने में बड़ी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए रोजगार, कौशल विकास व डिजिटल तकनीक को एकीकृत कर रही है।

होशियार सिंह के खिलाफ विजिलेंस ने दर्ज की एफआईआर

एमएलए डिस्क्रिशनरी ग्रांट मामले में विजिलेंस की कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कांगड़ा जिले के देहरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक होशियार सिंह के खिलाफ सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के मामले में विजिलेंस ने एफआईआर दर्ज की है। विजिलेंस ब्यूरो के अनुसार यह कार्रवाई शिकायत मिलने के बाद की गई जांच के आधार पर की गई है।

स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि शिकायत होशियार सिंह चंब्याल की एक कंपनी के कर्मचारियों की ओर से दी गई थी। शिकायतकर्ताओं में वे लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम विधायक ऐच्छिक निधि (एमएलए डिस्क्रिशनरी ग्रांट स्कीम) के तहत लाभार्थियों के रूप में दर्ज हैं। ब्यूरो ने कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड, लाभार्थियों के बैंक रिकॉर्ड, अन्य दस्तावेजों और शिकायतकर्ताओं समेत संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि वर्ष 2023 और 2024 के दौरान विधायक ऐच्छिक निधि के तहत कुछ लोगों के नाम पर आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई और राशि जारी की गई। ब्यूरो के अनुसार शिकायतकर्ता और अन्य संबंधित लोगों ने बताया कि उन्होंने ऐसी किसी सहायता के लिए आवेदन नहीं किया था। स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो ने कहा कि जांच के दौरान लाभार्थियों ने कथित रूप से यह भी बताया कि उनके बैंक खातों में राशि आने के बाद उन्होंने नकद निकासी कर पूर्व विधायक के निर्देशानुसार उन्हें सौंप दी थी। सत्यापन के दौरान जुटाए गए दस्तावेजी साक्ष्यों और बैंक रिकॉर्ड से प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि सरकारी धन का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के विपरीत किया गया और जिन लोगों के नाम पर सहायता स्वीकृत हुई, उन्हें उसका वास्तविक लाभ नहीं मिला। स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो ने कहा कि उपलब्ध सामग्री के आधार पर भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 409 और 420 के तहत थाना स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो, धर्मशाला में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। ब्यूरो के अनुसार जांच के दौरान मिलने वाले साक्ष्यों के आधार पर अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम या अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत किसी अतिरिक्त अपराध की संभावना का भी परीक्षण किया जाएगा। विजिलेंस ब्यूरो ने कहा कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और साक्ष्य आधारित तरीके से की जाएगी तथा किसी भी व्यक्ति की जिम्मेदारी का निर्धारण केवल उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के अनुसार किया जाएगा। स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो ने कहा कि सार्वजनिक धन के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और जनविश्वास को प्रभावित करने वाले मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई गई है। ब्यूरो के अनुसार, कानून के समक्ष सभी व्यक्ति समान हैं और हर मामले में निष्पक्ष, स्वतंत्र तथा प्रभावी जांच उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

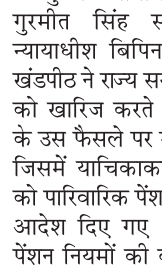

बिलासपुर पुलिस की नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, 68 .47 ग्राम चिट्टे सहित 5 काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अलग-अलग मामलों में कुल 68.47 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी मामलों में मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला (बैकवर्ड लिंकेज) की गहन जांच कर रही है।

पुलिस थाना स्वारघाट की टीम ने बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर कार्रवाई करते हुए पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब निवासी सोनू कुमार को गिरफ्तार किया। इससे पहले बिलासपुर में 7.32 ग्राम तथा पंजाब से 32.75 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया था। इस मामले में कुल 40.07 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। एक अन्य मामले में स्वारघाट की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने नाकाबंदी के दौरान 21.12 ग्राम चिट्टा बरामद कर गांधी रोपा निवासी उमेश और दली निवासी अजय सिंह को गिरफ्तार किया। बैकवर्ड लिंकेज की जांच के दौरान इस मामले में पंजाब से मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार किया गया।

वहीं, पुलिस थाना भराड़ी की टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान टकरेड़ा, घुमारवीं निवासी रिशव चौधरी को 7.28 ग्राम चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी मामलों की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा नशे की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का भी पता लगाया जा रहा है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

22 को कैंपस इंटरव्यू तीन पदों पर होगी भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी शिमला प्रवीण नगराईक ने बताया कि क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला द्वारा 22 जुलाई को उप रोजगार कार्यालय मशोबरा में प्रात: 10:30 बजे कोटी रिजॉर्ट, मशोबरा के लिए कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। इसमें 19 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। भर्ती सेल्स एग्जीक्यूटिव, फ्रंट ऑफिस एसोसिएट और चाइनीज सीडीपी के एक-एक पद के लिए की जाएगी। सेल्स एग्जीक्यूटिव पद के लिए स्नातक, जबकि फ्रंट ऑफिस एसोसिएट व चाइनीज सीडीपी के लिए होटल मैनेजमेंट में बीएससी, डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता निर्धारित है। चयनित अभ्यर्थियों को क्रमश: 20-25 हजार, 14 हजार और 15 हजार रुपए मासिक वेतन के साथ भोजन व आवास निशुल्क मिलेगा। अभ्यर्थियों का रोजगार कार्यालय में ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए 94186-45246 पर संपर्क किया जा सकता है।

श्री नयना देवी मंदिर में लाइव दर्शन व 16 आधुनिक सोलर हट्स की शुरुआत

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नयना देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो नई आधुनिक व्यवस्थाओं की शुरुआत की गई है। श्रावण अष्टमी मेले से पहले मंदिर परिसर में लाइव ब्रॉडकास्टिंग व्यवस्था और 16 आधुनिक सोलर हट्स का शुभारंभ किया गया। इन सुविधाओं का उद्घाटन उपायुक्त एवं श्री नयना देवी मंदिर न्यास के आयुक्त राहुल कुमार ने किया।

इस अवसर पर मंदिर न्यास के अध्यक्ष व एसडीएम धर्मपाल भी उपस्थित रहे। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि मंदिर न्यास का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुविधाजनक व आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने मंदिर परिसर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण भी किया व उनकी प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि मंदिर में शुरू की गई लाइव ब्रॉडकास्टिंग व्यवस्था के माध्यम से कतारों में खड़े श्रद्धालु व मंदिर परिसर के अन्य हिस्सों में मौजूद लोग भी माता के दर्शन का सीधा प्रसारण देख सकेंगे। इससे दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी व भीड़ प्रबंधन भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

मंदिर परिसर में लगाए गए 16 आधुनिक सोलर हट्स श्रद्धालुओं को आराम देने के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल सुविधा भी प्रदान करेंगे। इन हट्स में बैठने की व्यवस्था के अलावा मोबाइल चार्जिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। श्रावण अष्टमी मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर न्यास इन नई व्यवस्थाओं को महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रशासन का कहना है कि भविष्य में भी श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित योजनाएं लागू की जाएंगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। बाल विकास परियोजना अधिकारी बसंतपुर (सुन्नी) हरीश शर्मा ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी सहायिकाओं तथा पनेहल केंद्र में एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों को भरने के लिए पात्र महिला अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण, आयु 18 से 35 वर्ष तथा परिवार की वार्षिक आय सभी स्रोतों से 50 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र के सर्वेक्षण क्षेत्र की इच्छुक महिलाएं आवश्यक दस्तावेजों सहित 4 अगस्त 2026 तक बाल विकास परियोजना अधिकारी, बसन्तपुर (सुन्नी) कार्यालय में आवेदन जमा कर सकती हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए पात्र अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 13 अगस्त 2026 को प्रात: 11 बजे बाल विकास परियोजना कार्यालय, सुन्नी में उपमंडलाधिकारी (ना.) सुन्नी की अध्यक्षता में आयोजित होंगे।

लापता व्यक्तियों व मानव तस्करी मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें विभाग: एडीसी रूपिंदर कौर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अतिरिक्त उपायुक्त बिलासपुर रूपिंदर कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को बचत भवन में लापता व्यक्तियों, मानव तस्करी तथा पीड़ितों के पुनर्वास व बहाली से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लापता व्यक्तियों का शीघ्र पता लगाने, मानव तस्करी की रोकथाम और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी माध्यम से लापता व्यक्ति की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जांच के शुरुआती 24 घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और इस दौरान त्वरित कार्रवाई करने से लापता व्यक्ति को खोजने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 में ऐसे मामलों के लिए आवश्यक दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को इन प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मामले की जानकारी नेशनल इंटीग्रेटेड पोर्टल पर समयबद्ध रूप से अपलोड की जाए, ताकि मामलों की निगरानी और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर तरीके से हो सके। रूपिंदर कौर ने कहा कि पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों से ही मानव तस्करी व लापता व्यक्तियों से जुड़े मामलों में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

उन्होंने ग्राम पंचायतों, विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया, ताकि लोगों को मानव तस्करी की रोकथाम, बच्चों की सुरक्षा और लापता व्यक्तियों की सूचना देने की प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया जा सके। बैठक में दो नए मामलों को स्वीकृति प्रदान की गई, जबकि पहले स्वीकृत 27 मामलों में नियमानुसार राहत राशि उपलब्ध करवाई जा रही है।

आयोजन हमीरपुर में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक, समस्याओं के समाधान पर मंथन

पेंशनर्स ने उठाई लंबित मांगें, ओल्ड पेंशन लागू करने की मांग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली परिषद पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को राज होटल हमीरपुर में आयोजित की गई।

बैठक में प्रदेश की 20 इकाइयों और उप-इकाइयों के करीब 250 पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष ई.एसके सोनी ने की। प्रदेश महासचिव पीएल गुप्ता ने संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों और पेंशनरों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन ने 30 सितंबर 2025 को बिजली प्रबंधन के साथ बैठक कर पेंशनरों की समस्याओं को उठाया था। इसके बाद 25 नवंबर 2025 और 8 अप्रैल 2026 को हुई समीक्षा बैठकों में कई समस्याओं का समाधान करवाया गया। उन्होंने बताया कि पेंशनरों के जीवन प्रमाण पत्र को पेंशनर्स पोर्टल के माध्यम से भेजने की सुविधा, दैनिक समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित फोन सेवा स्थापित करवाने तथा पेंशन स्लिप में कंयूटेशन शुरू और समाप्त होने की तिथि का विवरण उपलब्ध करवाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। पीएल गुप्ता ने कहा कि एसोसिएशन ने प्रदेश के अन्य पेंशनर संगठनों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया है। इसके लिए संगठन नेतृत्व ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष ई. डी.एस. ढटवालिया को जिम्मेदारी सौंपी थी, जिसे उन्होंने सफलतापूर्वक निभाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संगठन प्रदेश के अग्रणी पेंशनर संगठनों में शामिल हो चुका है। बैठक में लंबित समस्याओं पर भी चर्चा की गई। महासचिव ने बताया कि 1 जनवरी 2016 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों की गलत नोशनल फिक्सेशन को प्रदेश सरकार की 25 दिसंबर 2022 की संशोधित अधिसूचना के अनुसार ठीक करने की मांग अभी लंबित है। इसके अलावा पेंशनर्स पोर्टल पर एरियर विवरण उपलब्ध करवाने की समस्या का भी समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि 8 अप्रैल 2026 को बिजली बोर्ड के अध्यक्ष के समक्ष भी नोशनल फिक्सेशन का मामला उठाया गया था, जिस पर मुख्य लेखाधिकारी को 30 जून 2026 तक समाधान के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अभी तक इस दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार से मांग की कि 80 और 85 वर्ष की आयु में मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन वृद्धि आयु पूरी होने के बजाय उस आयु में प्रवेश करने के पहले दिन से प्रदान की जाए। साथ ही महंगाई भत्ते की लंबित 15 प्रतिशत किस्तें और बकाया एरियर जल्द जारी करने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड में पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग भी दोहराई। बैठक में ई. डीएस ढटवालिया, जेसी शर्मा, दिनेश गुप्ता, कमलेश पुंडीर, केडी शर्मा, बीआर भाटिया, सीएस चंदेल, एके सोहल, एसके चड्ढा और धर्मवीर सहित कई पदाधिकारियों ने विचार रखे। समापन अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ई.एसके सोनी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में संगठन की कार्यशैली और पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के प्रति समर्पण के कारण संगठन का विस्तार हुआ है। उन्होंने नई इकाइयों और उप-इकाइयों के गठन को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने हमीरपुर इकाई सहित सभी पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक में सर्वसम्मति से ई. दिनेश गुप्ता को अतिरिक्त महासचिव, ई. मनोहर लाल को मुख्य संगठन सचिव और ई. एसपी गुप्ता को कार्यालय सचिव नियुक्त किया गया।

प्रादेशिक सेना ने चलाया पौधरोपण अभियान युवाओं को सेना में भर्ती के लिए किया प्रेरित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रादेशिक सेना द्वारा 28-29 अगस्त 2026 को कोलकाता में आयोजित होने वाली 'नो योर टीए' संगोष्ठी के तहत 133 इको टास्क फोर्स ने स्थानीय समुदाय के सहयोग से साधड़ा, बलदेयां और नालदेहरा क्षेत्र में दो दिवसीय पौधरोपण अभियान चलाया।

इसके साथ ही नालदेहरा (शिमला) में 'भारतीय सेना में शामिल हों' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय युवाओं को भारतीय सेना में करियर के अवसरों की जानकारी दी गई तथा उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही राष्ट्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास में प्रादेशिक सेना की महत्वपूर्ण भूमिका से भी अवगत कराया गया। 133 इको टास्क फोर्स पर्यावरण संरक्षण श युवा सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में पौधरोपण और पारिस्थितिक संरक्षण से जुड़े विभिन्न अभियान संचालित कर रही है। अभियान में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो पर्यावरण संरक्षण व सामुदायिक सहभागिता के प्रति बढ़ती जागरूकता का परिचायक है। इकाई का उद्देश्य जनभागीदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होकर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करना है।

पेज स्पिरानैक खूबसूरत गोल्फ खिलाड़ी

पेज स्पिरानैक अमेरिका की प्रसिद्ध गोल्फ खिलाड़ी, सोशल मीडिया व्यक्तित्व और खेल प्रशिक्षक हैं। उनका जन्म 26 मार्च 1993 को व्हीट रिज, कोलोराडो, अमेरिका में हुआ था। उन्होंने कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू किया और कॉलेज स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया।

स्पोर्ट्स विंडो

आखिरी दम तक लड़ी वेस्टइंडीज, हार के बावजूद होप ने सराहा जुझारूपन

एजेंसी, ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक विकेट से मिली रोमांचक हार के बावजूद अपनी टीम के संघर्ष और जुझारू प्रदर्शन की जमकर सराहना की। होप ने कहा कि उनकी टीम ने अंतिम गेंद तक हार नहीं मानी और पूरे मुकाबले में वही खेल भावना दिखाई, जिस पर महान गैरी सोबर्स को भी गर्व होता। उन्होंने माना कि हार को स्वीकार करना आसान नहीं है, लेकिन खिलाड़ियों ने मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। होप ने मैच के बाद कहा, 'अभी भी पूरी तरह यकीन नहीं हो रहा है, लेकिन दर्शकों के लिए यह एक शानदार क्रिकेट मुकाबला था। अगर कोई न्यूट्रल दर्शक इस मैच को देख रहा होगा, तो उसे इस रोमांचक मुकाबले का पूरा आनंद मिला होगा।' उन्होंने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में भी शानदार लड़ाई लड़ी और यही जज्बा आगे के मुकाबलों में भी बरकरार रखना होगा। कप्तान ने विश्वास जताया कि खिलाड़ी इस हार से सबक लेकर आगामी मैचों में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

विश्व कप क्वालिफायर के लायक नहीं हमारी मौजूदा टीम: अमीर जांगू

एजेंसी, ब्रिजटाउन। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में एक विकेट से मिली रोमांचक हार के बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अमीर जांगू ने टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा कि मौजूदा हालात में उनकी टीम वनडे विश्व कप क्वालिफायर में जगह बनाने की हकदार नहीं है। उन्होंने माना कि बल्लेबाजी टीम की सबसे बड़ी कमजोरी बनी हुई है और खिलाड़ी पूरे 50 ओवर तक टिककर बल्लेबाजी करने में लगातार असफल रहे हैं। जांगू ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मौजूदा टीम विश्व कप क्वालिफायर में जाने की काबिलियत रखती है। फिलहाल हमारी स्थिति ऐसी ही है। हालांकि, हमें अपने ड्रेसिंग रूम की क्षमता पर पूरा भरोसा है। हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और युवा विटेल लॉज़ जैसे खिलाड़ियों ने भी इस सीरीज में प्रभावित किया है, जो भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत हैं।' उन्होंने कहा कि यदि वेस्टइंडीज को फिर से मजबूत टीम बनना है तो बल्लेबाजी में निरंतरता लानी होगी और सही क्रिकेट खेलते हुए नियमित रूप से जीत दर्ज करनी होगी।

मानवाधिकार संस्था ने विश्व कप की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

एजेंसी, जेनेवा। यूरोप की प्रमुख मानवाधिकार संस्था ने विश्व कप की निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर चिंता जताते हुए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) से 2030 विश्व कप के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार करने की अपील की है। यूरोप परिषद के प्रमुख ने फीफा को लिखे एक खुले पत्र में कहा कि टूर्नामेंट की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। 46 देशों वाली यूरोप परिषद के प्रमुख और स्विस राजनेता एलेन बर्सेट ने अपने पत्र में चेतावनी दी कि विश्व फुटबॉल के सामने अगला संकट 'पैसा और सत्ता' से जुड़ा हो सकता है। यह पत्र न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में स्पेन और अर्जेंटीना के बीच फाइनल से कुछ घंटे पहले लिखा गया। बर्सेट ने फीफा के कुछ हालिया फैसलों का हवाला देते हुए चिंता जताई, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद अमेरिकी खिलाड़ी फोलारिन बालोगुन पर लगे प्रतिबंध को निलंबित करने का मामला शामिल है। उन्होंने फीफा द्वारा भविष्यवाणी बाजार से जुड़े प्रायोजन समझौते में धोखाधड़ी के संभावित जोखिमों पर भी सवाल उठाए और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियमों की मांग की।

राष्ट्रमंडल खेलों में हर भारतीय महिला मुक्केबाज स्वर्ण जीतने में सक्षम: नीवा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने भरोसा जताया है कि टीम की प्रत्येक खिलाड़ी आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले एक साल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है और टीम इस बार पिछले प्रदर्शन से बेहतर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। नीवा ने कहा कि टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और सभी ने हाल के वर्षों में विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप तथा एशियाई चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं में पदक हासिल किए हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक मजबूत टीम है और हमने ऊंचे मानक तय किए हैं। हमारी प्रत्येक महिला मुक्केबाज विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण या रजत पदक जीत चुकी है। हमें विश्वास है कि वे राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण जीत सकती हैं। ' उन्होंने माना कि इंग्लैंड, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मुक्केबाजों से कड़ी चुनौती मिलेगी, लेकिन भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम है। बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने तीन पदक जीते थे, जिसमें निकहत जरीन और नीतू घंघास ने स्वर्ण पदक हासिल किए थे। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी मुकाबले 24 जुलाई से शुरू होंगे।

मेरा काम प्रदर्शन करना, बाहरी शोर से नहीं पड़ता कोई फर्क : रोहित शर्मा

लॉर्ड्स में 138 रन की शानदार पारी के बाद संन्यास की अटकलों को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 138 रनों की पारी खेलने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान केवल भारतीय टीम के लिए प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी शोर से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और उनका काम सिर्फ मैदान पर देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देना है।

लॉर्ड्स वनडे मैच से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार ऐसे दावे किए जा रहे थे कि यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को निराधार बताया था। अब मैच के बाद रोहित ने भी अपने बयान से इन चर्चाओं को लगभग खारिज कर दिया।

बीसीसीआई की ओर से सोमवार को जारी वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना और मैदान पर उतरकर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है। डेब्यू के बाद से मुझे यही जिम्मेदारी मिली है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि बाहरी चर्चाएं और आलोचनाएं उनके करियर की शुरुआत से ही होती रही हैं और इससे उनके सोचने या खेलने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता।

रोहित ने कहा कि जब से मैंने पदार्पण किया है, तब से यह शोर मौजूद है। जब तक मैं खेलूंगा, यह चलता रहेगा। इसलिए इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं।' उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 'शोर-शराबा होने दीजिए। अगर शोर न हो, तो मजा ही नहीं आता। मेरा काम मैदान के अंदर है और आलोचकों का काम मैदान के बाहर। मैं इसे इसी नजरिए से देखता हूं।

138 रन की दमदार पारी भी नहीं दिला सकी जीतलॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में रोहित शर्मा ने 138 रनों की शानदार पारी खेलकर साबित कर दिया कि उनमें अभी भी भरपूर क्रिकेट बाकी है। हालांकि उनकी यह पारी भारतीय टीम को जीत नहीं दिला सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 387 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 360 रन ही बना सकी और 27 रन से मुकाबला हार गई। रोहित के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 77 और विराट कोहली ने 74 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। इससे पहले भारतीय टीम को पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में भी इंग्लैंड के हाथों 4-0 से हार का सामना करना पड़ा था।

रोहित भाई ने हमें संन्यास के बारे में कुछ नहीं बताया है : शुभम गिल

एजेंसी, लंदन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर को लेकर उनसे कोई बात नहीं की है, जिनके संन्यास को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था।

इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से पहले अटकल लगाई जा रही थी कि यह रोहित का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। रोहित ने इस मैच में शानदार शतक लगाया लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन अफवाहों का स्पष्ट खंडन किया था। रोहित अभी 39 वर्ष के हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल वनडे में ही खेलते हैं। वह लॉर्ड्स में शतक बनाने वाले पहले और सबसे उम्रदराज भारतीय बल्लेबाज बन गए। गिल से पूछा गया कि क्या रोहित ने उन्हें अपने भविष्य को लेकर कुछ संकेत दिया है।

गिल ने कहा, ''हमें उनसे बात करने का मौका ही नहीं मिला। उन्होंने (रोहित ने) हमें कुछ नहीं बताया। मुझे लगता है कि सारी बातें मीडिया में आ चुकी हैं। लेकिन इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।'' गिल ने रोहित की 110 गेंदों पर खेली गई 138 रन की पारी की जमकर प्रशंसा की। रोहित ने अपनी इस पारी में 17 चौके और पांच छक्के लगाए।

गिल ने कहा, ''रोहित भाई ने बड़े ही शानदार तरीके से पारी को संवारा। मैं नॉन-स्ट्राइकर छोर से उनकी बल्लेबाजी देख रहा था। हमारी बातचीत मुख्य रूप से इसी बात पर केंद्रित थी कि अगर हम विकेट बचाकर रखते हैं तो हमारे पास लक्ष्य तक पहुंचने का मौका रहेगा।''

उन्होंने कहा, ''पावरप्ले में हम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि शॉट मारें या नहीं। नई गेंद के सामने बल्लेबाजी करना इतना आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने अपनी पारी को गति दी और फिर 70 रन पर पहुंचने के बाद जिस तरह से उन्होंने तेजी से रन बनाए, वह शानदार था।'' कुलदीप यादव को तीनों मैच में नजरअंदाज करने के लिए गिल और कोच गौतम गंभीर को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जबकि इंग्लैंड ने कई स्पिनरों का इस्तेमाल करके अच्छा प्रदर्शन किया।

हिमाचल के 11 स्केटर एशियन ट्रॉफी के लिए सिलेक्ट

बिना सरकारी मदद बने चियोग आइस स्केटिंग रिंक से 7 खिलाड़ी पहुंचे भारतीय टीम तक

एजेंसी, शिमला। हिमाचल प्रदेश के 11 खिलाड़ी 'एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी-2026' के लिए चयनित हुए हैं। इनमें से छह खिलाड़ी शिमला जिला के चियोग व आसपास के है, जहां के ग्रामीणों ने खुद बिना सरकारी मदद के दो साल पहले आइस 'स्केटिंग रिंक' तैयार किया। अब यहां तैयार बच्चे इंडियन टीम के लिए चयनित हुए है। आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने टीम देहरादून में आयोजित ट्रॉयल के दौरान टीम का चयन किया। भारतीय टीम में सिलेक्ट 11 में से 7 खिलाड़ी चियोग में ही अभ्यास करते है। अब यही बच्चे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चयनित खिलाड़ियों में तेजस्वी कुठियाला, रुद्रवीर गांगटा, समर्थ अत्री, दिव्यांश ठाकुर, आभास वर्मा, आद्विक जगटा, आराध्या शर्मा, अनिरुद्ध चंदेल, शुभम ठाकुर, विख्यात कंवर और मोक्षा शर्मा शामिल हैं। इनमें से आभास वर्मा, आद्विक जगटा, आराध्या शर्मा, अनिरुद्ध चंदेल, शुभम ठाकुर और विख्यात कंवर चियोग के रहने वाले हैं। शिमला जिला के ही जुब्बल के रहने वाले रुद्रवीर गांगटा भी चियोग के ही आइस स्केटिंग रिंक में अभ्यास करते हैं।

उत्तराखंड के देहरादून में होगी एशियन चैंपियनशिप

एशियन चैंपियनशिप 17 से 20 अगस्त तक उत्तराखंड के देहरादून स्थित हिमाद्रि आइस रिंक में आयोजित होगी। इसमें भारत समेत 11 एशियाई देशों के 200 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे पहले इंडियन टीम के लिए चयनित खिलाड़ी 21 जुलाई से देहरादून में होने वाले कैंप में शामिल होंगे।

ग्रामीणों ने खुद ही पहाड़ को काटकर बनाया रिंक

आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप कंवर और कोच रविंद्र ठाकुर ने इसका श्रेय क्षेत्र की जनता को दिया है, जिन्होंने खुद आइस स्केटिंग रिंक तैयार किया। उन्होंने बताया कि बिना सरकारी मदद के आइस स्केटिंग रिंक तैयार करना सपने देखने जैसा है। ग्रामीणों ने पहाड़ को काटकर पहले समतल मैदान तैयार किया। इसके बाद यहां रिंक तैयार किया गया। उन्होंने बच्चों और उनके अभिभावकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि छोटे से चियोग गांव व आसपास के छह बच्चों का चयन भारतीय टीम में होना पूरे हिमाचल के लिए गौरव की बात है।

अर्जेंटीना के राजदूत ने फीफा विश्व कप में समर्थन के लिए भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों को दिया धन्यवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 से हारकर उपविजेता रही अर्जेंटीना की टीम को मिले समर्थन के लिए भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कौसिनो ने भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है।

कौसिनो ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा करते हुए भारत में अर्जेंटीना के प्रति लगातार बढ़ रहे समर्थन की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'इस विश्व कप के दौरान अर्जेंटीना की टीम को लगातार समर्थन देने के लिए भारत के लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत, एक बार फिर आपका शुक्रिया! '

विश्व कप-2022 में लियोनेल मेस्सी की अगुआई में अर्जेंटीना के विश्व चैंपियन बनने के बाद भारत में टीम और मेस्सी के प्रशंसकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी कारण पूरे टूर्नामेंट के दौरान भारत में भी प्रशंसकों ने अर्जेंटीना का उत्साहवर्धन किया। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरी अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन खिताब बचाने का उसका सपना न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में टूट गया। स्पेन ने अतिरिक्त समय में 1-0 से जीत दर्ज कर 2010 के बाद अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में किया।

पूरे मुकाबले में स्पेन का दबदबा देखने को मिला। स्पेन ने लगातार आक्रमण करते हुए कई मौके बनाए, जबकि अर्जेंटीना उसकी मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि, अर्जेंटीना खिताब बचाने में सफल नहीं रही, लेकिन लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल तक पहुंचने की उसकी उपलब्धि को भारत सहित दुनिया भर के प्रशंसकों ने सराहा।

पहली बार मोल्दोवा पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू

उपप्रधानमंत्री मिहाई पोपशोई ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की राजकीय यात्रा के पहले चरण में सोमवार को मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ पहुंच गईं। चिशिनाउ पहुंचने पर यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली मोल्दोवा की यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मुर्मु के मोल्दोवा पहुंचने की जानकारी दी। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट से लिखा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू के मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की अपनी राजकीय यात्रा के पहले चरण में मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ पहुंचने पर मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू के साथ शिष्टमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। इसके अलावा वह मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसू से मुलाकात करेंगी और मोल्दोवा-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी। उनका व्यापार मंच को संबोधित करने तथा मोल्दोवा में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने का भी कार्यक्रम है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मुर्मू 19 से 25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर हैं। यात्रा के दूसरे चरण में वह 21 जुलाई को उत्तर मैसेडोनिया पहुंचेंगी, जहां राष्ट्रपति गोर्डाना सिलजानोव्स्का-दावकोवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। वह प्रधानमंत्री ह्रिस्टिजन मिकोस्की से मुलाकात करेंगी, उत्तर मैसेडोनिया की संसद को संबोधित करेंगी और भारत-उत्तर मैसेडोनिया व्यापार मंच में भी भाग लेंगी। यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति 23 जुलाई को रोमानिया पहुंचेंगी। वहां वह राष्ट्रपति, अंतरिम प्रधानमंत्री और सीनेट अध्यक्ष से मुलाकात करेंगी। साथ ही भारत-रोमानिया संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों से बातचीत करेंगी, भारत-रोमानिया व्यापार मंच को संबोधित करेंगी और भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगी।

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

एजेंसी, अगरतला। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय के कार्यालय कक्ष से बरामद किया गया। पुलिस प्रारंभिक जांच में मामले को आत्महत्या की आशंका से जोड़कर देख रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी। जानकारी के अनुसार, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान डीजीपी को कार्यालय कक्ष में फंदे से लटका पाया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक मजिस्ट्रेट और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अगरतला के जीबीपी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

भारत में 15 जुलाई तक डोपिंग के 78 मामले दर्ज, यूपी और पंजाब सबसे आगे : मांडविया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में खुलासा किया कि भारत में इस साल 15 जुलाई तक डोपिंग के 78 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से उत्तर प्रदेश और पंजाब में सबसे अधिक 13-13 मामले दर्ज किए गए।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पिछले तीन वर्षों में प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए गए खिलाड़ियों की संख्या के बारे में सवाल पूछा था जिसके लिखित जवाब में मांडविया ने बताया कि 2026 में डोपिंग के 78 मामले दर्ज दर्ज किए गए हैं। मंत्री ने कहा, ''राष्ट्रीय डोपिंगरोधी नियम 2021 के तहत इन खिलाड़ियों पर खेल गतिविधियों से प्रतिबंध लगा दिया गया है।''

डोपिंग के सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश और पंजाब में पाए गए। इनके बाद मध्य प्रदेश का नंबर आता है जहां 11 ऐसे मामले पाए गए। कर्नाटक इस सूची में चौथे नंबर पर है जहां नौ मामले दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि 2023 में भारत में डोपिंग के 213 मामले दर्ज किए गए, जो 2024 में बढ़कर 260 हो गए। इसके बाद 2025 में यह संख्या घटकर 131 रह गई।

◆ खेल मंत्री का खुलासा, राष्ट्रीय डोपिंगरोधी नियम-2021 के तहत दोषी खिलाड़ियों पर लगा प्रतिबंध

अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गोवा, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय और सिक्किम के किसी भी खिलाड़ी को डोपिंग का दोषी नहीं पाया गया। खेल मंत्री ने बताया कि डोपिंग से बचने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें खिलाड़ियों में जागरूकता लाना, सेमीनार और कार्यशालाओं का आयोजन करना भी शामिल है।

युवाओं का साहस और परिश्रम विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के युवाओं के साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए सोमवार को एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि आज देश के युवा अपने साहस, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और अथक परिश्रम के बल पर ऐतिहासिक सफलताएं हासिल कर रहे हैं, जो विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रही हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमनविचति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरंधरस्तस्य जिताः सपत्नीः॥' अर्थात- जो महान व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी कभी विचलित नहीं होता, पूरी सावधानी और सजगता के साथ अपने कार्य में निरंतर जुटा रहता है तथा कठिन समय का धैर्यपूर्वक सामना करता है, उसके शत्रु पहले से ही पराजित माने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के युवा अपने साहस, आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम के दम पर नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि युवाओं की यही ऊर्जा, संकल्प और कर्मठता विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है।

◆ संस्कृत सुभाषित साझा कर युवाओं के आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की सराहना की

◆ कठिन परिस्थितियों में धैर्य और निरंतर प्रयास को बताया सफलता की कुंजी

बलूचिस्तान में सेना के वाहन पर आईईडी हमला, कई जवानों के हताहत होने की आशंका

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सेना के एक बख्तरबंद वाहन को निशाना बनाकर आईईडी हमला किया गया। यह घटना पंजगुर जिले के प्रोम इलाके में हुई, जहां विस्फोट से सेना के बुलेटप्रूफ और विस्फोटरोधी वाहन को भारी नुकसान पहुंचने की खबर है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार हमले में कई सैन्यकर्मियों के मारे जाने और कुछ के घायल होने की आशंका जताई गई है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक विस्फोट काफी शक्तिशाली था, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। अब तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में जांच और कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने क्षेत्र में हाल के कुछ अभियानों का दावा किया है। संगठन के प्रवक्ता मेजर घोरम बलूच ने कई घटनाओं का जिक्र करते हुए सुरक्षा बलों से जुड़े लोगों को निशाना बनाने की बात कही है। वहीं, डेरा बुगती जिले में लैंडमाइन विस्फोट में एक युवक की मौत की भी सूचना है, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और राजमार्ग जाम कर दिया।

सोना 756 और चांदी 3493 रुपए महंगी

10 ग्राम गोल्ड 1.42 लाख और 1 किलो चांदी की कीमत 2.19 लाख पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमतों में आज तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,493 रुपए बढ़कर 2,18,967 रुपए पर पहुंच गई है, जो शुक्रवार को 2,15,474 रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 756 रुपए चढ़कर 1,41,915 रुपए आ गया है। इससे पहले 17 जुलाई को यह 1,41,159 पर था। सोना के दाम इस महीने 283 रुपए बढ़े हैं, जबकि चांदी के दाम 6,463 रुपए गिरावट रही। 1 जुलाई को सोना 1,41,632 रुपए की 10 ग्राम और चांदी 2,25,430 रुपए किलो थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 11 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.19 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सेंसेक्स 443 अंक गिरकर 77,709 पर आया, निफ्टी 96 अंक नीचे 24,239 पर बंद

एजेंसी, नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 20 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 443 अंक की गिरावट के साथ 77,709 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 96 अंक की गिरावट रही, ये 24,239 पर आ गया है। आज के कारोबार में प्राइवेट बैंक, ऑटो और आईओ शेयरों में ज्यादा बिकवाली रही। वहीं सरकारी बैंक और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। शुक्रवार 17 जुलाई को सेंसेक्स 964 अंक की तेजी के साथ 78,151 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 261 अंकों की तेजी है, ये 24,334 पर बंद हुआ। कारोबार में आईटी, ऑटो और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी हुई।